3 राजधानी
ट्रैक्टर ट्राली पलटने से दो दर्जन घायल

6 विशेष रपट
क्या सोशल मीडिया के जरिए होगी क्रांति

7 दृष्टिकोण
मझधार में फंसी कांग्रेस

11 स्पोर्ट्स
कुक व पीटरसन ने थामी पतवार

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 3 अंक 37
लखनऊ, रविवार, 25 नवम्बर 2012
पृष्ठ 12+4। मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ और नयी दिल्ली से प्रकाशित

# पायनियर

हमारे लिये जरूरी हैं तेलअबीब और तेहरान
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

### मौसम

अधिकतम 27.2 °C (-1)
न्यूनतम 8.2 °C (-3)

### बाजार

| | |
|---|---|
| सेंसेक्स | 18507 |
| निफ्टी | 5627 |
| सोना | 32850 ↑ 290 /10g |
| चांदी | 63000 ↑ 500 /kg |

### अवकाश सूचना

मोहर्रम के अवसर पर पायनियर कार्यालय में आज रविवार, 25 नवंबर को अवकाश रहेगा। अतः समाचार पत्र का अगला अंक मंगलवार, 27 नवंबर को प्रकाशित होगा।

### क्विक न्यूज

**गुजरात में फिर भाजपा सरकार!**

नयी दिल्ली। चुनाव पूर्व एक सर्वेक्षण मे कहा गया है कि गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा राज्य मे होने जा रहे विस चुनाव मे सात और अधिक सीटो के साथ भाजपा को एक बड़े अंतराल से जीत दिलाएगा, कांग्रेस 51 सीटो तक सिमट सकती है। एबीपी न्यूज नील्सन सर्वेक्षण के अनुसार 182 सदस्ईय गुजरात विस मे भाजपा को सात और अधिक सीटो के साथ 124 सीटें मिलने की संभावना है। 2007 के चुनाव मे भाजपा को 117 सीटें मिली थी। आठ सीटो के नुकसान के साथ कांग्रेस के 51 सीटो तक सिमटने की संभावना है। पिछले चुनाव मे उसे 59 सीटें मिली थी।

**दरोगा ने की आत्महत्या**

बदायूं। प्रदेश में बदायूं जिले के आलापुर क्षेत्र में पुलिस उपनिरीक्षक ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह यादव ने बताया कि आलापुर थाना क्षेत्र के म्याऊ पुलिस चौकी मे तैनात दरोगा बलबीर सिंह यादव ने शुक्रवार देर रात गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यादव ने बताया कि एटा के शांतिनगर के रहने वाले यादव का पुलिस चौकी परिसर में ही आवास है और उनका कमरा अंदर से बंद है।

**हमले में पुलिसकर्मी की मौत**

हाफ्लॉन्ग। मध्य असम के दीमा हसाओ जिले मे शनिवार सुबह उग्रवादियो ने पुलिस के गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया। इस हमले मे एक पुलिकर्मी की मौत हो गई। हाफ्लॉन्ग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले लंखुक गांव मे मोटर साइकिल पर सवार पुलिसकर्मियो पर उग्रवादियो ने गोलियां चलाईं। सुबह करीब 8:30 बजे हुए इस हमले मे लुहित नाथ की मौके पर ही मौत हो गई।

**सिमरन सूद को जमानत**

मुंबई। अरुण टिक्कू हत्या मामले मे गिरफ्तारी के सात महीने बाद एक स्थानीय अदालत ने मॉडल सिमरन सूद को जमानत दे दी। एक लाख रुपए के मुचलके पर उन्हे जमानत दे दी। अदालत ने उनसे अपना पासपोर्ट भी जमा कराने को कहा जिससे कि वह देश छोड़ कर नही जा सके। जेल से वह नही रिहा हो पाएंगी क्योंकि उन पर अभी दो अन्य मामले चल रहे है।

## दुविधा में घिरी मनमोहन सरकार

# गतिरोध टूटने के नहीं हैं आसार

- मित्र दलों को साधने की कवायद के साथ दांव उल्टा पड़ने की आशंका ने भी जोर पकड़ा
- सपा-बसपा की कलई खोलने पर उतारू भाजपा






**ऊषा श्रीवास्तव**। नयी दिल्ली

**तेजतर्रार** कहलाने वाले संसदीय कार्यमंत्री कमलनाथ की कोई युक्ति काम नहीं आई और, शीतकालीन सत्र के शुरुआती दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ गए। विपक्षी खेमा अगले हफ्ते भी सरकार पर हमला बोलने के लिए एफडीआई के हथियार को सान चढ़ा रहा है। सत्तापक्ष उसकी तैयारी को देख न सिर्फ चिंतित है बल्कि संसद चलाने के लिए प्रयासरत भी। हर उस दोस्त को साधने की कोशिश हो रही है जो मौके बेमौके संकटमोचन बनता रहा है लेकिन, सूत्रों का कहना है कि सरकार के रणनीतिकारों के हाथ सफलता शायद ही लगे। सत्ता के गलियारों में सुगबुगाहट तेज है कि अगले सप्ताह भी संसद ठप रहेगी। यह अटकलें भी सुनाई दीं कि सदन चलाने के लिए सरकार एफडीआई पर वोटिंग के प्रावधान वाले नियम 184-167 के तहत चर्चा को राजी हो सकती है बशर्ते नोटिस की भाषा उसके अनुकूल हो। यह भी कि इस पर अमल का दायित्व दूरसंचार मंत्री कपिल सिब्बल को सौंपा गया है लेकिन, लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी ने इसे खारिज कर दिया।

अधिकारी के मुताबिक, संसद में सुचारू कामकाज सुनिश्चित करने की कवायद जरूर शुरू की गई है परंतु फिलहाल तक सरकार को किसी भी कोने से सकारात्मक संकेत नहीं मिले हैं। खुद सत्तापक्ष के भीतर यह आशंका जताई जा रही है कि एफडीआई पर मतविभाजन कराने का दांव कहीं उल्टा न पड़ जाए। ऐसा भी हो सकता है कि हमेशा सरकार को मुसीबत से पार लगाने वाली सपा और बसपा इस मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर कही गई बातों से पीछे हटना गंवारा न करें और निर्णय की घड़ी में सरकार को लेने का देना पड़ जाए। यह मान भी लें कि तमाम हितों को ध्यान में रखकर दोनों पार्टियां संसद में वोटिंग के समय तटस्थ रुख मसलन अनुपस्थित रहने या बहिगर्मन जैसी युक्ति अपनाने पर राजी हो जाएं लेकिन उसके ऐवज में जो कीमत चुकानी पड़ेगी, क्या सिर पर आ गए लोकसभा चुनाव की घड़ी में वह कांग्रेस की राजनीति को रास आएगा। शायद नहीं। यही वजह है कि लाख जतन के बावजूद, इन दोनों ही पार्टियों ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। सपा की तरफ से रामगोपाल यादव ने एफडीआई पर भाजपा के साथ नहीं जाने का ऐलान जरूर किया लेकिन यह नहीं बताया कि समाजवादी पार्टी का रुख क्या होगा। वह सरकार के समर्थन में वोट डालेगी, विरोध करेगी या तटस्थ रहेगी। गुत्थी को और उलझाते हुए सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह ने इस सवाल को ही अप्रासंगिक करार दे दिया। उन्होंने कहा कि जब सदन में मुद्दा आएगा तब देखेंगे। ठीक इसी तरह बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी गोलमोल जवाब देकर कहा कि पहले सरकार को यह तय कर लेने दीजिए कि किस नियम के तहत चर्चा कराई जाएगी। इसके बाद, बसपा तय करेगी कि उसे क्या (शेष पेज 8 पर)

## हाथ में कैश देकर वोटर के दिल में उतरेगी सरकार

- नए साल से सीधे बैंक खाते में जमा होगी पेंशन, स्कॉलरशिप
- सरकारी मदद की बंदरबांट रोकने को बना नया तंत्रः चिदंबरम

**पायनियर समाचार सेवा**। नयी दिल्ली

**चुनावी** घड़ी में सरकार ने हाथ में कैश देकर वोटर के दिल में उतरने की तैयारी कर ली है। नए साल की पहली जनवरी से पेंशन, विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति से लेकर तमाम अनुदान सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा हो जाएंगे।

केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने शनिवार को यह ऐलान करते हुए कहा कि जनवरी में देश के पन्द्रह राज्यों के 51 जिलों में जरूरतमंदों तक सरकारी मदद सीधा पहुंचाई जाएगी। इसे लागू करने के लिए आधार कार्ड की मदद से नया तंत्र तैयार किया गया है, जिससे सही व्यक्ति तक बेरोकटोक सरकारी सहायता पहुंचाई जा सके। दरअसल, लंबे समय से सरकारी तंत्र पर आरोप लगते रहे हैं कि जरूरतमंद को सरकारी मदद के लिए भटकना पड़ता है या कि बिना कुछ लिए-दिए लोगों को उनाका हक नहीं मिल पाता। ऐसे में सरकार ने बिचौलियों को खत्म करने के लिए, सीधे जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने की पहल की गई है। चिदंबरम का कहना है कि काफी समय से एक ऐसा तंत्र विकसित करने की बात चल रही थी, जिससे सरकारी मदद में बंदरबांट को रोका जा सके। इस बाबत कई स्तरों पर प्रयोग हुए, आखिर में सोमवार को प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठक में पूरी प्रणाली पर मुहर लगा दी गई। (शेष पेज 8 पर)

# नामधारी ने रची पोंटी हत्याकांड की साजिश

## दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में किया दावा- नामधारी ने ही मारी हरदीप को गोली

**पायनियर समाचार सेवा**। नयी दिल्ली

**शराब** कारोबारी पोंटी चड्ढा और उसके भाई हरदीप सिंह की मौत की उलझी गुत्थी को दिल्ली पुलिस ने सुलझा लेने का दावा किया है। जांच टीम का कहना है कि उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी ने ही पूरे मामले की साजिश रची। कोर्ट में पुलिस ने यह भी कहा कि नामधारी ने अपनी रिवाल्वर से पोंटी के भाई हरदीप पर गोली चलाई। इतना ही नहीं टीम ने यह भी दावा किया कि सुखदेव ने पुलिस के सामने अपना गुनाह भी कबूल कर लिया है। दूसरी तरफ नामधारी ने पुलिस के दावों को कोर्ट के बाहर ही ठुकरा दिया। उन्होंने साफ कहा कि पुलिस के सामने हरदीप पर गोली चलाने की बात कभी नहीं कही।

राजधानी के साकेत स्थित कोर्ट में शनिवार को पुलिस ने नामधारी को मेट्रोपोलिटिन मेजिस्ट्रेट संदीप गर्ग के सामने पेश किया। न्यायालय ने नामधारी को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजते हुए कहा कि अपराध की गंभीरता से लेते हुए जांच टीम को मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाने का समुचित समय दिया जा रहा है। इस दौरान, पुलिस को हत्या को साबित करने के लिए आरोपी का इरादा और प्रयुक्त हथियार को भी ढूंढ़ना है। इसी को संज्ञान में लेते हुए कोर्ट नामधारी को 28 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज रही है।



कोर्ट द्वारा पांच दिन की हिरासत में भेजे जाने के बाद नामधारी को ऑटो में ले जाती पुलिस

पुलिस ने कोर्ट में दावा किया कि नामधारी ने चड्ढा भाइयों की मौत के बाद एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन उसमें कहीं भी यह नहीं बताया कि उसने भी गोली चलाई थी। पुलिस का कहना है कि इस मामले में बहुत गहरी साजिश रची गई है, जिसमें तमाम लोग शामिल हैं। टीम का कहना है कि जांच के दौरान उन लोगों को पुलिस ने ढूंढ़ भी निकाला जो नामधारी के साथ छतरपुर फॉर्म हाउस तक हत्यावाले दिन गए थे। इनमें से कुछ अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इनकी तलाश उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में की जा रही है। टीम का दावा है कि पूछताछ में एक आरोपी ने नामधारी के गोलीकांड में शामिल होने की बात को स्वीकार भी कर लिया है। मजिस्ट्रेट के सामने पुलिस ने कहा कि नामधारी की पृष्ठभूमि आपराधिक है। (शेष पेज 8 पर)

### हरदीप ने दिल्ली के एक कांग्रेसी नेता से की थी बात!

**पायनियर समाचार सेवा**। नयी दिल्ली

**चड्ढा भाइयों** के मर्डर के मामले की जांच अब स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। उत्तराखंड के अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी सहित तमाम आरोपियों से पूछताछ एसआईटी के अफसर ही करेंगे। दिल्ली पुलिस के सूत्रों की मानें तो मामले की तह तक जाने की शुरुआत पोंटी और हरदीप के मोबाइल से किए गए काल रिकार्ड खंगाल कर की जा रही है। उन करीबियों की (शेष पेज 4 पर)

## केजरीवाल ने बनायी 'आम आदमी की पार्टी'

**पायनियर समाचार सेवा**। नयी दिल्ली

**सड़क** से संसद तक पहुंचने की मुहिम को निर्णायक मोड़ पर लाते अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को अपने राजनीतिक दल का नाम आम आदमी की पार्टी रखकर जनलोकपाल लाने और मंहगाई खत्म करने का वादा किया। उन्होंने खुद को आम आदमी बताते हुए कहा कि वह लाएंगे देश में पूर्ण आजादी और स्वराज। कांस्टीट्यूशन क्लब में लगभग तीन सौ से ज्यादा सदस्यों की बैठक में राष्ट्रीय परिषद का गठन हुआ और पार्टी संविधान भी मंजूर किया गया। राष्ट्रीय परिषद बाद में तीस सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बनाएगी जो निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था होगी। रोचक बात यह है कि आम आदमी की पार्टी का न कोई अध्यक्ष होगा न उपाध्यक्ष और न ही महामंत्री। अलबत्ता एक राष्ट्रीय संयोजक जरूर होगा जिसका चुनाव राष्ट्रीय कार्यकारिणी करेगी। कारण बताते केजरीवाल ने कहा कि यह आम आदमी की पार्टी है जिसमें आलाकमान वाली शैली या परिवारवाद नहीं चलेगा। रविवार को युवा रैली (शेष पेज 8 पर)

अभिनेता आमिर खान ने शनिवार को मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की

## लखनऊ-दिल्ली रूट की ट्रेनों में मारामारी

**पायनियर समाचार सेवा**। लखनऊ

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत क्या हुई कि लखनऊ से दिल्ली रूट पर आने-जाने वाले आम यात्रियों की तो छोड़े दीजिए मंत्री-संतरी से लेकर अफसर और वीआईपी लोगों को भी आरक्षण कराने के लिए खूब पापड़ बेलने पड़ रहे हैं। ज्ञात हो कि इस महीने के आखिरी तक चलने वाले यूपी विधानसभा व दोनों सदनों के शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए उक्त रूट पर संचालित तकरीबन सभी ट्रेनों में रोजाना जनप्रतिनिधियों व उनके साथियों का तांता लगा रहता है। ऐसे में साधारण यात्रियों का मजबूरन जनरल क्लास में ही जैसे-तैसे सफर करना पड़ रहा है।

वहीं इसके चलते राजधानी स्थित डीआरएम कार्यालयों का इन दिनों आलम यह है कि कोटे के तहत अपना-अपना आरक्षण कन्फर्म कराने वाले तमाम खासो-आम का तांता लगा रहता है। वहीं यहां पर कार्यरत कुछ रेल अधिकारियों की मानें तो नियमतः कोटे के लिए निर्धारित



व्यक्तियों के आरक्षण को कन्फर्म कराने में तो कोई विशेष दिक्कत नहीं होती मगर उनके नाम या पत्रक का फायदा उठाकर कोटे का लाभ लेने वाले लोगों का आरक्षण कन्फर्म करा पाना बहुत ही मुश्किल होता है। वहीं ऐसे समय में दलालों या ट्रैवल एजेंटों की भी खूब चांदी निकल जाती है। सूत्रों की मानें तो रेल प्रशासन द्वारा लगाये गये तमाम अंकुश के बावजूद इनका नेटवर्क अभी भी चल रहा है और वो कन्फर्म टिकट के नाम पर यात्रियों से मोटी रकम वसूल रहे हैं।

मालूम हो कि राजधानी से होकर दिल्ली की ओर जाने वाली मेल, एक्सप्रेस, सुपरफास्ट व शताब्दी आदि ट्रेनों में आगामी एक सप्ताह तक हर क्लास का आरक्षण पूरी तरह फुल हो चुका है। खासकर वीआईपी ट्रेनों में गिने जाने वाले लखनऊ मेल, गोरखधाम, बिहार-संपर्क क्रान्ति, दुरंतो व शताब्दी आदि गाड़ियों में तो आने वाले कई दिनों तक रिग्रेट की स्थिति दिख रही (शेष पेज 8 पर)

# टूजी घोटाले पर भाजपा-कांग्रेस में फिर छिड़ी जुबानी जंग

## विपक्षी पार्टी ने रिटायर अधिकारी पर भरोसा कर कैग, पीएसी की साख धोने वाली सरकार पर दागे सवाल

**पायनियर समाचार सेवा**। नयी दिल्ली

**टूजी स्पेक्ट्रम** घोटाले में कैग के पूर्व अधिकारी आरपी सिंह के कथित खुलासे से भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। घोटाले की छानबीन कर रही लोकलेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी पर कैग से मनचाही रिपोर्ट तैयार करवाने का आरोप लगाने वाले सिंह के पास उन सवालों का कोई जवाब नहीं जो उनकी लंबी चुप्पी को लेकर उठ रहे हैं। पहले भी वह ऐसी कोशिश कर चुके हैं लेकिन सफलता नहीं मिली। अब जबकि भ्रष्टाचार का मुद्दा संप्रग सरकार व कांग्रेस की जान का बवाल बन गया है उनका दोबारा सामने आकर पुराने आरोप दोहराना, सामान्य नहीं माना जा सकता। संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने वाली सरकार की नीयत पर शक करती भाजपा जहां आक्रामक हो गई है वहीं, सत्तापक्ष इस प्रकरण को बतौर



निर्मला सीतारमण



मनीष तिवारी

हथियार इस्तेमाल कर भ्रष्टाचार विरोधी विपक्षी मुहिम की धार कुंद करने में जुट गया है। सूचना प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनीष तिवारी ने घाटे पर कैग के आकलन को ठुकराते हुए कहा कि टूजी के तथ्यों पर खुली बहस होनी चाहिए। तिवारी ने विपक्ष पर तथ्यों को अनदेखा करने का आरोप भी मढ़ा।

भाजपा ने कैग और पीएसी जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर कांग्रेस पार्टी और केंद्रीय मंत्रियों के लगातार हमलों की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से जानना चाहा है कि क्या यह सब उनके इशारे पर हो रहा है। क्या उन्होंने अपने कैबिनेट सहयोगियों से कहा है कि वह कैग-पीएसी की साख धूल में मिलाएं। भाजपा प्रवक्ता निर्मला सीतारमण और वरिष्ठ सांसद वेंकैया नायडू ने सत्ताधारी दल के इस रवैये की भर्त्सना करते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का नैतिक बल तोड़ना बेहद आपत्तिजनक है।

सीतारमण ने लाखों करोड़ के घोटाले पर सोनिया गांधी की खामोशी को लेकर फिर हैरानी जताई है। साथ ही कैग रिपोर्ट संबंधी खुलासे पर कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी के बाबत नसीहत दी कि दूसरों पर पत्थर फेंकने के बजाय उन्हें अपनी पार्टी को यह बताना चाहिए कि भ्रष्टाचार से कैसे निबटें। यदि उनकी सरकार के मंत्री इसी तरह संस्थाओं की प्रतिष्ठा खत्म करते रहेंगे तो भला वह अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कैसे कर सकेंगी। भाजपा और पूरा देश कांग्रेस अध्यक्ष के मुंह से कोयला, राष्ट्रमंडल खेल, केजी बेसिन, नागरिक उड्डयन और राबर्ट वाड्रा से जुड़े घोटालों पर कुछ सुनने को तरस रहा है लेकिन वह चुप हैं। उनकी बोली तभी सुनाई पड़ती है जब संवैधानिक संस्थाओं पर उनके लोग गलत तरीके से सवाल खड़े करते हैं। सोनिया गांधी को यह समझना होगा कि इसके अलावा बहुत से दूसरे मुद्दों पर उनकी टिप्पणी अपेक्षित है। सोचने वाली बात यह है कि कैग पीएसी या इस जैसी तमाम संवैधानिक संस्थाओं को अस्थिर बनाकर जनता को भ्रमित करना ही कांग्रेस की रणनीति तो नहीं। एक ऐसा अधिकारी जो रिटायर हो चुका है और जिसने खुद ही कैग की रिपोर्ट तैयार की थी और पीएसी को सौंपी थी, उसके कथित आरोपों को आधार मानकर तमाम केंद्रीय मंत्रियों ने कैग व लोकलेखा समिति को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है, इससे बड़ा आश्चर्य दूसरा कुछ नहीं हो सकता। विपक्षी पार्टी यह जानना चाहती है कि इस पूर्व अधिकारी ने रिपोर्ट पर हस्ताक्षर के समय जो कहा वह ज्यादा महत्वपूर्ण था या जो अब कह रहा है वह। इस पूरे प्रकरण का सबसे रोचक पहलु यह है कि कांग्रेस और उसके मंत्री भ्रष्टाचार हुआ, इस बात को नहीं नकार रहे बल्कि उनकी आपत्ति घोटाले की (शेष पेज 8 पर)

# उच्चीकृत तकनीक से प्रभावित हुई है डॉक्टरों की योग्यता: डॉ. हरि गौतम

## समुद्र पार है केजीएमयू के शिक्षकों के ज्ञान की रोशनी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**वर्तमान समय** में चिकित्सकीय क्षेत्र में आए नवीन बदलावों अलग-अलग क्षेत्रों में आयी उच्चीकृत टेक्नोलॉजी से डॉक्टरों की अपनी योग्यता प्रभापित हुई हैं। चिकित्सकीय क्षेत्र में मशीनीकरण के बढ़ते हस्तक्षेप ने डॉक्टरों की अपनी क्लीनिकल योग्यता को कम किया है, इसलिए मशीनीकरण का निरन्तर हावी होना बहुत ज्यादा उचित नहीं है। चिकित्सकों को अपने ज्ञान व चिकित्कीय क्षेत्र में प्रतिदिन हो रहे बदलावों से अपने आप को शिक्षित करना होगा, जिससे नवीन तकनीकें व मशीन उनके नियंत्रण में रहें। यह विचार शनिवार को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के 108 वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आए संस्थान के पूर्व कुलपति प्रो. हरि गौतम ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उच्चीकृत तकनीकों के निरंतर विकास से डॉक्टरों ने अपनी पहचान खो दी है, इसलिए डॉक्टरों को अपने ज्ञान को बढ़ाना होगा। उन्होंने केजीएमयू की निरंतर सफलता के सम्बन्ध में कहा कि केजीएमयू देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व का ऐसा अकेला संस्थान है जिसने अपनी ख्याति को प्रतिदिन जारी रखा है। यह ऐसा संस्थान है जिसने शिक्षा, रिसर्च व इलाज के क्षेत्र में हमेशा अपना स्थान सर्वोपरि ही रखा है। इस संस्थान का भूतकाल काल गोल्डेन पीरियड, वर्तमान काल सिलवर पीरियड रहा है, जिससे इस बात का आभास होता है कि केजीएमयू का आने वाला समय प्लेटिनम पीरियड होगा। केजीएमयू ने ऐसे शिक्षक व छात्र बनाए हैं जिन्होंने अपने अपनी योग्यता का परंचम विदेशों में भी लहराया है। उन्होंने कहा कि जार्जियन्स होना अकेले उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में गौरव की बात है, जार्जियन्स की अहमियत को पहचानकर अपने ज्ञान के प्रकाश को पूरे विश्व में फैलाना ही जार्जियन्स की सबसे बड़ी योग्यता है। प्रो. हरि गौतम ने स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित हुए छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि अपने वर्तमान को संवारें, उन्हें भगवान ने एक अद्वितीय अवसर दिया है कि वह केजीएमयू जैसे नामचीन संस्थान से मेडिकल की पढ़ाई करें। इसलिए इस योग्य अवसर को बेकार न करें अपने वर्तमान को संवारें, जो लोग अपने वर्तमान पर ध्यान नहीं देते हैं, वे अपना भविष्य भी खो देते हैं। वर्तमान में किए गए कामों से ही भविष्य बनता है इसलिए वर्तमान में मेहनत कर अपने भविष्य को संवारें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का है, इसलिए ऊंचें सपनों को संजोकर हरदम ऊचांई को छूने का प्रयास करें, जो लोग ऊंचे सपनें देखकर उन्हें छूने की ठान लेते हैं वही एक दिन बहुत ऊचांईयों तक पहुंचते हैं।

इस अवसर पर उन्होंने संस्थान में हुए बदलाव की चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. डी.के.गुप्ता के कार्यों की सराहना की। स्थापना दिवस के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आयी न्यूरोलॉजी विभाग की पूर्व प्रमुख प्रो. देविका नाग ने केजीएमयू में गुजारे अपने समय को सबसे यादगार बताते हुए कहा कि मैंने अपने विद्यार्थी जीवन से लेकर एक शिक्षक तक का जितना भी जीवन संस्थान में गुजारा है, वह मेरे जीवन का सबसे सुखद समय रहा है। हां यह बात जरुर है कि वर्तमान समय में डॉक्टरों में व्यवसायिकता की अधिकता देखी जा रही है। जिसके चलते आए दिन मरीज व डॉक्टरों के बीच रिश्ते खराब हो रहे हैं और कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने वर्तमान समय डॉक्टरों को शिक्षा देते हुए कहा कि मरीज को हरदम अपने परिवार का सदस्य समझ ही उसका इलाज व देखरेख करें, जिससे डॉक्टरों की वास्वविकता हरदम जिन्दा रहे। उन्होंने केजीएमयू की तारीफ करते हुए कहा कि संस्थान की पहचान अन्य चिकित्सा संस्थानों से सबसे पृथक है, इसलिए जार्जियन्स होना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यहां के शिक्षकों को जो सम्मान देश-विदेश में मिलता है उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती, लेकिन मैंने उसे महसूस जरूर किया है। मैंने अपने जीवन में जो कुछ भी पाया है और मैं आज जहां भी हूं वह सिर्फ एक जार्जियन्स होने के नाते व यहां के शिक्षकों के कारण हैं। उन्होंने मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि जार्जियन्स की ख्याति को और बढ़ाएं जिससे केजीएमयू का नाम हमेशा की तरह चमकता ही रहे। इस अवसर पर एनॉटमी विभाग के पूर्व प्रमुख प्रो. अब्दुल हलीम ने कहा कि मेडिकल क्षेत्र में नित्य नए बदलाव हो रहे हैं, इसलिए डॉक्टरों व मेडिकल छात्रों को हरदम अपनी आंखें खुली रखकर मेडिकल क्षेत्र में हो रहे बदलाव पर अपनी नजर बनाए रखनी चाहिए। जिससे वे हर बदलाव व तकनीकियों से वाकिफ हो सकें। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को मेडिकल क्षेत्र की हर चुनौती को स्वीकार करना चाहिए, जिससे वह अपने ज्ञान को बढ़ा सके। केजीएमयू के उपलब्धियों के बारे उन्होंने कहा संस्थान का गौरवशाली इतिहास हरदम जार्जियन्स के गर्व का विषय बना है। उन्होंने इस अवसर पर यूरोलॉजी प्रमुख डॉ दिवाकर दलेला को उनके मेधावी पुत्र दीपांश दलेला के लिए हार्दिक बधाई दी। स्थापना दिवस समारोह में संस्थान के कुलपति प्रो. डी.के.गुप्ता ने बीते एक वर्षों में संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए आगे की रणनीति पर प्रकाश डाला। समारोह में संस्थान के दोनों डीन प्रो. राज मलहोत्रा, प्रो. के.के. वाधवानी, प्रो. जे.वी.सिंह सहित सभी शिक्षक मौजूद थे।

केजीएमयू के 108वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ ( ऊपर ) कार्यक्रम में सिरकत करते अतिथिगण ( नीचे )

### *इन मेधावियों को मिला सम्मान*
### *पीजी 2012 एवार्डीज*

डॉ. प्रियल तिवारी-श्रीमती उत्पलाक्षी नायर गोल्ड मेडल

डॉ. नीलांक सरोहा-पंडित गोविन्द प्रसाद शुक्ल कैश प्राइज

डॉ. मनोज कुमार शुकुल-भगवान दास वाधवा मेमोरियल गोल्ड मेडल, डीपीएच पोस्ट ग्रेजुएड गोल्ड मेडल इन सोशल एण्ड प्रीवेन्टिव मेडिसिन

एमबीबीएस 2012 गोल्ड मेडल एवार्डीज

दीपांश दलेला-इन्द्रिरा रानी एण्ड लक्ष्मी नायर सक्सेना मेमोरियल गोल्ड मेडल, प्रो. के.बी.कुवंर मेमोरियल गोल्ड मेडल, प्रो. पी.सी.दुबे मेमोरियल गोल्ड मेडल, द गोल्ड मेडल प्रेजेन्टेड बाई प्रोविशियल मेडिकल साइंसेज एसोसिएशन, एस.डी.के गोल्ड मेडिकल, राय बहादुर कनौजी लाल गोल्ड मेडल, शेल्बी मेमोरियल गोल्ड मेडल, डॉ. एनएन गुप्ता सिल्वर मेडल, सार्टिफिकेट ऑफ आनर इन मेडिसिन, सर्जरी, ऑबस्ट्रिक एण्ड गॉयकनोलॉजी, पीड्रियाटिक्स, सिल्वर जुबली री-यूनियन एमबीबीएस बैच बुक प्राइज, बुक प्राइज ऑफ रु. दस हजार व श्रीमती डी.पी.ट्रस्ट बुक प्राइज

शिप्रा अग्रवाल-श्री गया प्रसाटंडन मेमोरियल गोल्ड मेडल, श्री देश दीपक मेमोरियल गोल्ड मेडल, लेट. प्रो. ए.डी.इंजीनियर गोल्ड मेडल, श्रीमती कौशल्या देवी धवन मेमोरियल गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ आनर इन सर्जरी, ऑबस्ट्रिक एण्ड गॉयकनोलॉजी, पीड्रियाटिक्स, डॉ. अमी इंजीनियर बुक प्राइज, बुक प्राइज ऑफ रु.800, श्रीमती डी.पी.ट्रस्ट बुक प्राइज ऑफ रु. दस हजार

**सोनालिका-डॉ. आर.एम.एल.मेहरोत्रा मेमोरियल गोल्ड मेडल**

रवि लोहानी-राजवन्ती रानी हरिहार नारायण टिक्कू गोल्ड मेडल, द मैकटागारट बुक प्राइज

सत्यम् श्रीवास्तव-श्रीमती कौशल्या देवी भाटिया एण्ड एम.एल.भाटिया गोल्ड मेडल, सार्टिफिकेट ऑफ आनर इन पीड्रियाटिक्स

सहित अन्य बीस मेधावियों को मिला सम्मान

**एमबीबीएस 2012 सिल्वर मेडल्स सार्टिफिकेट ऑफ आनर्स एण्ड बुक प्राइज एवार्डीज**

वीरेन्द्र कुमार यादव-द सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट फ्रॉम फार्माकोलॉजी सोसाइटी, सिल्वर मेडल विथ सार्टीफिकेट ऑफ ऑनर इन फार्माकोलॉजी, सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन पैथालॉजी, श्रीमती डी.पी.ट्रस्ट बुक प्राइज

प्रियंका गौतम-सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन ईएनटी

कुमारी हर्षा-सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन पैथालॉजी, सार्टिफिकेट ऑफ विथ डिक्टीन्शन इन फार्माकोलॉजी

अंकित कुमार-सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन पैथालॉजी, सार्टिफिकेट ऑफ विथ डिक्टीन्शन इन फार्माकोलॉजी, सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन माइक्रोबायोलॉजी

कंचन लता-सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन पैथालॉजी

सहित अन्य 32 मेधावियों को मिला सम्मान

बीडीएस 2012 गोल्ड एण्ड सिल्वर मेडल एवार्डीज

रानी राना भट्ट-प्रो. के.पी.चौधरी गोल्ड मेडल, प्रो. के.पी.चौधरी गोल्ड मेडल इन फाइल ईयर, श्री त्रिभुवन नाथ राम दुलारी मेमोरियल गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन ऑर्थोडॉन्टिक्स एण्ड डेन्टोफेशियल आर्थोपैडिक्स, पब्लिक हेल्थ डेन्सिटी, ओरल मेडिसिन उण्ड रेडियोलॉजी, प्रोस्थेडॉटिक्स उण्ड क्राउन ब्रिज, पीरिडियोडॉटिक्स, बुक प्राइज ऑफ रु. 1000

रूपम उपाध्याय-डॉ. गोपाल दत्त शर्मा एण्ड श्रीमती दायल देवी गोल्ड मेडल, सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन जरनल मेडिसिन एण्ड ओरल पैथालॉजी, बुक प्राइज ऑफ रु. 1000

साक्षी शर्मा-श्री अखिलेश कुमार मिश्रा एण्ड अजय कुमार गोल्ड मेडल उण्ड बुक प्राइज, सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन जरनल एण्ड डेन्टल फार्माकोलॉजी एण्ड थेरेपियूटीज, सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन प्री क्लीनिकल कॉनजरवेटिव डेनटिस्टी, सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन प्री क्लीनिकल प्रोस्थोडॉन्टिक्स, बुक प्राइज ऑफ रु. 1000

मनीषा दीक्षित-सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन ऑथ्रोडॉटिक्स एण्ड डेन्टोफेशियल ऑर्थोपैडिक्स, सिल्वर मेडल विथ सार्टिफिकेट ऑफ ऑनर इन ओरल एण्ड मैक्जिलोफेशियल सर्जरी, ओरल मेडिसिन एण्ड रेडियोलॉजी, सार्टिफिकेट ऑनर इन पब्लिक हेल्थ डेनटिस्टी, बुक प्राइज ऑफ रु. 800

सहित अन्य 17 मेधावियों को मिला सम्मान

बीडीएस 2012 सार्टिफिकेट एण्ड बुक प्राइज एवार्डीज में 37 मेधावियों को सम्मानित किया गया

इन शिक्षकों का भी हुआ सम्मान

डॉ. अजय सिंह-आर्थोपैडिक सर्जरी
डॉ. प्रदीप टण्डन-एनॉटमी
प्रो. विनीता सिंह-नेत्र रोग विभाग
प्रो. शैली अवस्थी-पीड्रियाटिक्स
प्रो. सुनीता मलिक-एनॉटमी
प्रो. एस.के.सिंह-सीवीटीएस
प्रो. अमिता पाण्डेय-स्त्री रोग विभाग
डॉ. पवित्र रस्तोगी-डेन्टल
डॉ. नृसिंह वर्मा-फिजियोलॉजी

**नर्सें भी हुई सम्मानित**

नियोमी रानी सिंह-महाराजा बलरामपुर गोल्ड मेडल ऑफ नर्सिंग

पद्मा शुक्ला-एसडीके डिसटिंगग्यूशड सिस्टर एवार्ड

**खिलाड़ी भी हुए सम्मानित**

विशाखा शुक्ला-बुक्ले कप ऑफ द बेस्ट स्पोर्टसमैन एण्ड चैम्पियन एथिलीट गर्ल फॉर द इयर 2012

जितेन्द्र त्रिपुरा-बुक्ले कप ऑफ द बेस्ट स्पोर्टसमैन एण्ड चैम्पियन एथिलीट बॉव्य फॉर द इयर 2012

रामेश्वर प्रसाद कश्यप-कैप्टन ऑफ द विनर क्रिकेट टीम गॉयटन 9

# धूमधाम के साथ मनाया गया श्री श्याम बाबा का जन्मोत्सव

## भजन सम्राट लक्खा ने बहायी श्याम नाम की रसधारा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**बीरबल साहनी** मार्ग स्थित श्री खाटू श्याम मन्दिर में शनिवार को श्री श्याम बाबा का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जहां श्री श्याम बाबा को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया तो वहीं 51 किलो का खोये और मेवे का केक भी काटा गया। बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर 'श्याम भजन रस गंगा' का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा ने भजनों की रसधारा बहाई। सारी रात भक्तजन श्री श्याम बाबा के भजनों में डूबते-उतराते नजर आये। इस अवसर पर मंदिर परिसर को कोलकता से आये कलाकारों के द्वारा खूबसूरत फूलों तथा लाइट से सजाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत समस्त देवी देवताओं के पूजन अर्चन के साथ हुई। बाबा का पूजन राधे मोहन अग्रवाल के द्वारा किया गया। इसके बाद शुरू हुआ भजनों का सिलसिला जिसमें सबसे पहले शहर की भजन गायिका मंजू यादव ने घनश्याम तुम्हारे दर्शन को यह दिल दिवाना है... भजन प्रस्तुत किया तो वहीं मास्टर मास्टर पवन मिश्रा ने गांव-गांव गली-गली में श्याम नाम का जोर है... भजन श्रोताओं की नज्म किया। इसके बाद भजनों को सुनाने की कमान संभाली भजन सम्राट लखबीर सिंह लक्खा ने। भजन प्रस्तुत करने से पहले लक्खा ने श्री श्याम बाबा के दरबार में मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। इसके बाद भजनों का सिलसिला शुरू किया गणेश स्तुति के साथ। लक्खा ने सच्चे मन से जिसने हर पल श्याम का नाम लिया... कदम कदम पर उस प्रेमी को श्याम ने थाम लिया है... बाबा बैठयो खाटू नगरिया, लेव सबकी खबरिया...कन्हैया के दर पे जो सुनवायी न होती, किस्मत मेरी रंग लाई न होती... श्री श्याम प्रभु की जिस घर में ज्योत जलाई जाती है उस घर का भक्तों क्या कहना खुशियां पायी जाती हैं...जैसे मंत्रमुग्ध करने वाले कई भजन प्रस्तुत किये। एक ओर जहां भक्तजन अपने प्रिय भजन गायक द्वारा गाये जाने वाले श्री श्याम प्रभु के भजनों का आनंद लेते रहे तो वहीं श्री श्याम बाबा के दर्शनों और उनके प्रसाद को प्राप्त करते रहे। प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रात से लेकर अगली सुबह तक जारी रहा।

# शहर में आयोजित हुई 'सीक्रेट रेसिपी' ऑडीशन





पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**शहरवासियों द्वारा** पकाये गये लजीज पकवानों का जायका शनिवार को फूड-फूड चैनल पर प्रसारित होने वाले कुकिंक शो के शेफ हरपाल सिंह शोखी ने शहर में आयोजित हुए 'सीक्रेट रेसिपी' ऑडीशन के तहत चखा। शेफ आज सीक्रेट रेसिपी के ऑडिशन के लिये शहर आये थे। शेफ ने शहरवासियों के द्वारा पका कर लाये गये कुछ चुनिन्दा व्यंजनों को चुना। इन व्यंजनों को तैयार करने की विधियों तथा विजेताओं को मास्टर शेफ संजीव कपूर के साथ 'सीक्रेट रेसिपी' शो में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। यह कार्यक्रम फूड और लाइफ स्टाइल चैनल 'फूड फूड' पर प्रसारित किया जायेगा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूरे देश से लजीज व्यंजन चुनना है। शो में चुने गये व्यंजनों के पीछे की दिलचस्प कहानियां भी शामिल की जाएंगी। इस शो का प्रसारण संभवत: दिसम्बर महीने के पहले सप्ताह में किया जायेगा। इस अवसर पर शेफ हरपाल सिंह शोखी ने कहा कि मुझे लखनऊ के लोगों में व्यंजनों के प्रति उत्साह को देखकर काफी हैरानी है। यहां के लोगों ने व्यंजनों के प्रति मेरे उत्साह को और भी पुख्ता कर दिया है। उन्होंने कहा कि सीक्रेट रेसिपी शो के माध्यम से चैनल का उद्देश्य खोई हुई प्रतिभाओं को तलाशना तथा ऐसे व्यंजनों के पीछे छुपी हुई कहानियों को उजागर करना है। यह एक सुनहरा मौका है क्योंकि प्रतिभागियों को शो में अपने व्यंजन के हुनर को दिखाने का मौका मिल रहा है।

# कैंसर के इलाज में रोबोटिक साईबरनाइफ का बढ़ रहा योगदान

**लखनऊ।** कैंसर के उपचार में विशेषज्ञ, हेल्थकेयर ने आज पूरे शरीर की रोबोटिक साईबरनाइफ की उपयोगिता के सम्बन्ध में जानकारी दी। इस अवसर पर आंकोलॉजी विशेषज्ञ प्रो. रमेश एस.बिलीमगा ने बताया कि विश्व भर में कैंसर रोग के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। जीवनशैली के तौर तरीकों ने भी इसके प्रसार को बढ़ावा दिया है। तकनीकी में आयी प्रगति के कारण कैंसर का इलाज आज अधिक आसान बन गया है। जिसमें रोबोटिक साईबरनाइफ ने कैंसर के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। उन्होंने बताया कि साईबरनाइफ पहली गैर शल्य क्रिया वाली होल बाडी रोबोटिक रेडियो सर्जरी है। साईबरनाइफ रोगियों में ट्यूमर व घाव उपचार की नई उम्मीद जगाता है। उन्होंने बताया कि पूर्व में मौजूदा तकनीक के जरिए उपचार व आपरेशन नहीं करवाने योग्य करार दिए गए रोगियों के लिए भी आशा की नई किरण है। साईबरनाइफ में क्रूज मिसाइल तकनीक के समान अधुनातन रीयल-टाईम इमेज गाइडेन्स का इस्तेमाल होती है जो युई की नोंक जितनी सटीकता के साथ शरीर में कहीं भी ट्यूमर को अत्यंत सूक्ष्मता से लक्ष्य बनाकर रेडिएशन की उच्च डोज देता है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूचनार्थ मेरी दुकान की चाभियों, बिक्री व खरीद के पर्चों तथा फार्म नं0 31 सं0 F/QQ 1134762 व अन्य कागजातों वाला बैग वास्तव में कहीं खो गया है। इन प्रपत्रों का प्रयोग विधि विरूद्ध व गलत होगा। सुरेश चौधरी बटुआ, ए-31, जनपथ मार्केट, हजरतगंज, लखनऊ।

चिकित्सा




# आरएलबी मेमोरियल स्कूल का वार्षिक समारोह सम्पन्न

**लखनऊ।** रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल स्कूल सी ब्लाक इंदिरा नगर का वार्षिक समारोह शनिवार को अमर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह का उद्घाटन संस्था के संस्थापक-प्रबन्धक जयपाल सिंह ने पारम्परिक दीप प्रज्वलित कर तथा अमर शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण करके किया। रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना से हुआ।

इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा विभिन्न शैक्षिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीगणेश वंदना से की गयी। भारतीय संस्कृति की सत्यता को दर्शाते हुए नाटक सच्ची राजभक्ति का मंचन किया गया तो वहीं नाटक आम आदमी बेहाल पावरफुल मालामाल नाटक की भी उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गयी।

वहीं नृत्य तथा गायन में उठो अर्जुन अब गांडीव उठाओ, फिर कुरूक्षेत्र को जाना है... लालने तू इतना बड़ा हो गया कि पालने में अब तू आता नहीं.... कहां गये वो रिश्ते नाते सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। वहीं गरबा डांस, ढम ढम बाजे ढोल तथा वेस्टर्न डांस कर बच्चों ने खूब तालियाँ बटोरीं। समारोह का समापन सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा, हम बुलबुले हैं इसके यह गुलसितां हमारा तथा भारत हमको जान से प्यारा है भावना से ओत प्रोत गाने के साथ किया गया।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक-प्रबन्धक जयपाल सिंह सभी मेधावी तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति तथा पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

# तीस नवम्बर को रिलीज होगी फिल्म 'जीत लेंगे जहान'

**लखनऊ।** फिल्म निर्माता संजू सिंह द्वारा निर्मित फिल्म जीत लेगें जहान 30 नवम्बर को देश के सभी सिनेमाघरों में रिलीज की जायेगी। सात गानों की इस फिल्म को सुरों से सजाया है शान, श्रेया घोषाल और शंकर महादेवन ने। यह फिल्म निर्देशक ललित के द्वारा निर्देशित की गयी है। राजा पंडित इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर हैं, जो विख्यात कव्वाल शंकर-शंभू के बेटे हैं। फिल्म का एक गीत सोणी कुड़ी इन दिनों काफी पॉपुलर हो रहा है।यह फिल्म दिल्ली के एक गैंगरेप हादसे को छूती है। फिल्म कालेज से शुरू होती है और ऐसे कई रास्तों से गुजरती है, जहां सामाजिक विडंबनाएं फैली हैं, कानून की धज्जियां उड़ाने वाले लोग हैं और तमाशबीन भी, लेकिन इन सबके बीच कुछ युवा चेहरे ऐसे भी हैं, जो अन्याय के खिलाफअपनी आवाज। फिल्म में अभिजीत दत्त, मुकुल नाग, पूनम माथुर, मनमीत सिंह, नासिर अब्दुल्ला और ऐना ने अहम भूमिका निभाई है।

## गुरुनानक देव जी महाराज के 544वें प्रकाश पर्व पर निकलेगी शोभा यात्रा

**लखनऊ।** साहिब श्री गुरुनानक देव जी महाराज के 544वें प्रकाश पर्व का आयोजन गुरुद्वारा नाका हिण्डोला में रविवार को धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर एक शोभा यात्रा भी निकाली जायेगी। यह यात्रा दोपहर 12:30 बजे गुरुद्वारा नाका हिण्डोला से निकलेगी और नाका चौराहा, पानदरीबा, गुरुनानक मार्केट, चारबाग, बांस मण्डी चौराहा, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, हुसैनगंज चौराहा, हीवेट रोड, लाटूश रोड, श्रीराम रोड, अमीनाबाद तथा गणेशगंज होती हुई सायं 7 बजे वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचेगी।

# वार्षिकोत्सव में बच्चों का धमाल




पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**एल.पी.एस.** प्राइमरी शाखा, जेल रोड, आनंद नगर का वार्षिकोत्सव शनिवार को विद्यालय के प्रेक्षागृह में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रामकरण आर्य, राज्यमंत्री वाह्य सहायतित परियोजना, समग्र ग्राम विकास खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग उ.प्र. शासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। प्री नर्सरी के बच्चों ने देश के सिपाही, नर्सरी के बचचों ने ब्राजील, के.जी. के बच्चों ने बुग्गी-बुग्गी तो कक्षा दो के बच्चों ने माँ तुझे सलाम पर मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं स्कूल के बच्चों के द्वारा नाटक अंधेर नगरी-चौपट राजा का मंचन भी किया गया। वहीं स्नो व्हाइट और कृष्ण लीला का मंचन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में शाखा की प्रधानाचार्या मीना तिवारी ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह, एसोसिएट एडिटर: राम सागर। फोन: ( 0522 ) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

स्थापना दिवस आज

# 92 बरस का हुआ अपना लविवि

## स्थापना से पूर्व 'द पायनियर' के लेख में राजा मुहम्मद अली मुहम्मद खान ने जताई थी विश्वविद्यालय की आवश्यकता

सतीश सिंह। लखनऊ

**लखनऊ विश्वविद्यालय** की नींव बादशाहबाग की जमीं पर स्थित है। इतिहासकारों के मुताबिक यह बादशाहबाग अवध के नवाब नसरूद्दीन हैदर के निवास स्थान के रूप में विख्यात था। जिसे वर्ष 1905 में प्रदेश सरकार ने कालेज की स्थापना को लेकर तकरीबन 90 एकड़ भूमि आवंटित की थी।

वैसे तो विश्वविद्यालय की स्थापना में अवध के ताल्लुकेदारों का विशेष हाथ रहा है। लेकिन इस योगदान में तत्कालीन संयुक्त प्रान्त के उपराज्यपाल सर हरकोर्ट बटलर का भी योगदान अमूल्य रहा है। विश्वविद्यालय की स्थापना से पूर्व अवध के तालुकेदारों ने लार्ड कैनिंग की स्मृति में 27 फरवरी 1864 को लखनऊ में कैनिंग कालेज के नाम से एक विद्यालय स्थापित करने के लिए पंजीकरण कराया। 1 मई 1864 को कैनिंग कालेज का औपचारिक उद्घाटन अमीनुद्दौला पैलेस में हुआ था। प्रारम्भ में 1867 तक कैनिंग कालेज कलकत्ता विश्वविद्यालय से सम्बद्ध था। कालान्तर में इसे 1888 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया। सन 1905 में प्रदेश सरकार ने गोमती की उत्तर दिशा मे लगभग 90 एकड़ का भूखण्ड कालेज को स्थानांतरित किया। जिसे बादशाहबाग के नाम से जाना जाता है। मूलरूप से यह अवध के नवाब नसीरूद्दीन हैदर का निवास स्थान था। कालेज की स्थापना के बाद एक विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य लेकर राजा मुहम्मद अली मोहम्मद खान ने 'द पायनियर' समाचार पत्र में एक लेख के माध्यम से अपनी भावनाओं से जनता को रूबरू कराया था। समाचार पत्र में लेख प्रकाशित होने के बाद मुहम्मद अली खान अपने विचारों के साथ संयुक्त प्रान्त के उपराज्यपाल सर हरकोर्ट बटलर से मिले। मुलाकात के बाद बटलर ने प्रस्ताव को सामान्य सभा की बैठक में रखे जाने का आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद गवर्नमेंट हाउस, लखनऊ में 10 नवम्बर 1919 को हुई सामान्य सभा की बैठक के दौरान एक विश्वविद्यालय की स्थापना का आशय पारित किया गया। सम्मेलन में विश्वविद्यालय की स्थापना एक आवासीय के रूप में कलकत्ता विश्वविद्यालय की तर्ज पर रखे जाने की सहमति बनी। इसके लिए कई उप समितियों का गठन भी किया गया।

उप समितियों के सदस्यों की बैठक नवम्बर, दिसम्बर 1919 में और जनवरी 1920 में हुई। बैठक के बाद तैयार ड्राफ्ट को लेकर 26 जनवरी 1920 को सामान्य सभा की बैठक के दौरान राजा महमूदाबाद और राजा जहांगीराबाद ने एक-एक लाख रुपये डोनेशन देने की घोषणा की थी। कई दौर की बैठक में मंत्रणा को अंतिम रूप दिये जाने को लेकर सर हरकोर्ट बटलर महमूदाबाद के राजा मुहम्मद अली खान आदि के प्रयासों से 7 अगस्त 1920 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की सीनेट ने अतिविशिष्ट बैठक में अपनी सहमति प्रदान की। सहमति के दो महीनों बात 8 अक्टूबर 1920 को विधान परिषद ने लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना संबधी विधेयक पारित किया। जिसे 1 नवम्बर 1920 को उपराज्यपाल और 25 नवम्बर 1920 को गवर्नर जनरल की मंजूरी मिली। जिसमें कैनिंग कॉलेज,किंगजार्ज मेडिकल कॉलेज और ईसाबेला थॉबर्न कॉलेज केन्द्र में थे।



राजा मुहम्मद अली मुहम्मद खान

अपनी पुरातत्वकला के लिए प्रसिद्ध लखनऊ विश्वविद्यालय ने समय-समय पर राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना नाम दर्ज कराया है। देश के उत्कृष्ट पुरस्कारों में से 2 पद्म विभूषण, 4 पद्मभूषण, एवं 18 पद्मश्री पुरुस्कारों के साथ-साथ बीसी राय और शान्तिस्वरूप भट्नागर पुरुस्कार भी यहाँ के छात्रों ने प्राप्त किये हैं। इनके अलावा विश्वविद्यालय ने ऐसे भी छात्र देश को दिये हैं, जिन्होंने देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

इनमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, योजना आयोग के पूर्व अध्यक्ष के. सी. पंत, पूर्व मुख्य न्यायधीश ए. एस.आनन्द, पूर्व राज्यपाल सुरजीत सिंह बरनाला तमिलनाडु, सैयद सिब्ते रजी झारखंड के अतिरिक्त प्रो. टी. एन.मजूमदार, प्रो.डी.पी. मुखर्जी, प्रो. कैमरॉन, प्रो. बीरबल साहनी, प्रो. राधाकमल मुखजी, प्रो.राधाकुमुद मुखजी. प्रो.सिद्धान्त, आचार्य नरेन्द्र देव .प्रो.काली प्रसाद,डा.पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, शामिल हैं।

### आज होंगे सम्मानित

**स्थापना के** 92 वर्ष के सफर को पूरा करने के बाद रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय पुरातन छात्र समिति के माध्यम से जिन लोगों को सम्मानित किया जायेगा, उनमें पदमश्री डा. मंसूर हसन, जस्टिस राजीव शर्मा, प्रो. एस.के. सिंह, आलोक रावत, वी.के.श्रीवास्तव, डा. एन.सी.मेहरोत्रा, दिलराज कौर और के.विक्रमराव शामिल हैं।



# बलवा व मारपीट के प्रत्यक्ष गवाह को दबंगों ने जमकर पीटा

### गवाह को असलहे के दम पर थाने ले जाकर अपने पक्ष में बयान दिलाया

### पीड़ित ने की केन्द्रीय अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग में की शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**गुडम्बा क्षेत्र** में बीते बृहस्पतिवार को कुछ दबंग लोगो ने कुछ दिन पहले हुई मार पीट के प्रत्यक्ष गवाह को व उसके माता पिता को पहले तो जम कर मारापीटा और फिर गवाह को कार में डाल कर असलहे के बल पर अगवा कर थाने ले गए और एसओ के सामने अपने पक्ष में गवाही दिलाई। अगले दिन दबंगों के खिलाफ शिकायत करने थाने पहुंचे पीड़ित को पुलिस ने फटकार कर भगा दिया।

पीड़ित ने केन्द्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक आदिलनगर निवासी व केन्द्रीय सेतु निगम के कर्मचारी रामज्यावन रावत व उनकी पत्नी तथा पुत्र रंजीत कुमार रावत को बीते बृहस्पतिवार की देर रात पड़ोस के ही रहने वाले दबंग बिमल सिंह,रवि सिंह,पुत्रगण धर्मेंद्र सिंह व उनका नौकर राजेश व लगभग एक दर्जन अज्ञात लोगो के साथ आए और रामज्यावन के घर मे घुस कर उक्त लोगों को जमकर पीटा तथा जातिसूचक गालियां देते हुए रंजीत रावत को असलहे के बलपर कार मे डाल कर गुडम्बा थाने ले गये। पुलिस की मौजूदगी में दबंगों ने अपने पक्ष मे बयान दिलाया। गौरतलब है कि बीते 20 नवम्बर को उक्त दबंग लोगो से पडोस मे ही रहने वाले एक परिवार से विवाद हुआ था। इस विवाद के प्रत्यक्ष गवाह रंजीत था। आरोप है कि इसी रंजिस के चलते दबंगों ने उक्त घटना को अन्जाम दिया। पीड़ित का पुलिस पर आरोप है कि जब वह इसकी शिकायत लेकर अगले दिन थाने पहुंचा तो थाने पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने उसे फटकार कर भगा दिया। क्षुब्द पीड़ित ने अन्ततः न्याय पाने के लिए केन्द्रीय अनुसूचित जाति,जनजाति,आयोग मे अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

# ट्रैक्टर ट्राली पलटने से हादसा, दो दर्जन घायल



### घायलों को पुलिस ने सीएचसी मोहनलालगंज में कराया भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**उन्नाव से** श्रद्धालुओं को लेकर बाराबंकी जा रही ट्रैक्टर ट्राली का बायां टायर फट गया। जिससे ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई तथा उसमें सवार करीब दो दर्जन लोग बुरी तरह चोटिल हो गए। जिन्हें नजदीक के निजी अस्पताल के साथ सीएचसी में भर्ती कराया गया। जबकि गम्भीर रुप से घायल एक अन्य को ट्रामा सेण्टर रेफर कर दिया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बतायी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक शनिवार को उन्नाव के मौरावां स्थित कई गावों के करीब तीन दर्जन ग्रामीण ट्रैक्टर ट्राली से बाराबंकी स्थित देवा शरीफ दर्शन करने जा रहे थ। रास्ते में ट्राली जैसे ही सिसेण्डी के टिकरा गांव के निकट पहुंची उसका बायां टायर अचानक जोरदार धमाके के साथ फट गया और ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे उसमें सवार तमाम श्रद्धालु उसके नीचे दब गए। चीख-पुकार सुनकर एकत्रित हुए आसपास के लोगों ने कुछ को कालूखेड़ा के एक निजी अस्पताल तथा बाकी को सीएचसी मोहनलालगंज ले जाकर भर्ती कराया। जिसमें से गम्भीर रुप से घायल रामस्वरुप (30) को डाक्टरों ने ट्रामा सेण्टर रेफर कर दिया। जबकि अन्य का इलाज चल रहा है।

इस हादसे में घायल व्यक्तियों के नाम इस प्रकार हैं, रामस्वरुप (30), रमापति (60), रामपाल (55), रामशंकर (50), बाबादीन (25), फूलमती (18), कलावती (40), नन्हें (38), राजपाल (20), छेदाना (55), मुन्नी (48), महादेई (40), बुझाना (18), नौखा (45), राजरानी (30), बाबूदेई (28), मनीष (01), राकेश (25), राम जियावन (35) मातादीन (40), राजपाल (38), राधे (40), भुइयादीन (50)

### अवैध रूप से चल रही हैं ट्रैक्टर ट्राली

ट्रैक्टर ट्राली का रजिस्ट्रेशन सिर्फ कृषि कार्य के लिए होता है। इसके बावजूद लोग पैसा कमाने की चाहत में राष्ट्रीय राजमार्ग समेत अन्य सड़कों पर पुलिस की मिलीभगत से इनका व्यवसायिक प्रयोग कर रहे हैं। आलम यह है कि इन ट्रैक्टर ट्रालियों से आए दिन बल्ली, भूसा, बिल्डिंग मैटेरियल, मिट्टी आदि की ढुलाई की जाती है लेकिन सब कुछ आँखों के सामने होने के बाद भी लापरवाह पुलिस इसे नजर अंदाज कर वसूली में मस्त रहती है। नतीजन पुलिस की लापरवाही इस तरह की दुर्घटनाओं के रुप में प्रकाश में आती है।



शनिवार को मोहर्रम के मद्देनजर रिक्शे पर लादकर ताजिया ले जाती महिला पायनियर

**भारतीय स्टेट बैंक, 24 जी.बी मार्ग लखनऊ**
**माँग नोटिस**

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने भारतीय स्टेट बैंक , 24 जी.बी. मार्ग ,लखनऊ का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूतिहित प्रर्वतन अधिनियम – 2002 की धारा 13 (2) के तहत प्रदत्त शक्तियो के अनुप्रयोग में निम्नलिखित ऋणी को माँग सूचना जारी की थी तथा माँग सूचना पत्र उसके निवास पतो पर रजिस्टर्ड डाक से भेजी गयी थी जो वापस आ गई। पुनः इस सूचना के प्रकाशन के द्वारा ऋणी गृहिताओं को जिन्होने हमारी लखनऊ की जी.बी. मार्ग शाखा से ऋण प्राप्त किया था विशिष्ट रुप से सूचित किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनो के भीतर अपने ऋण (विवरण अधोलिखित) का भुगतान कर दें । ऋणी/बन्धक को विशिष्ट रुप से और सर्वसाधारण को सामान्य रुप से ऋणी / जमानतदार का विवरण इस प्रकार है:-

| क्र.स. | ऋणी / जमानतदार का नाम एवं पता | बन्धक सम्पत्ति का विवरण | माँग नोटिस के अनुसार बकाया धनराशि / तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री रामानन्द प्रसाद पुत्र श्री सौदागर एवं श्रीमती ललिता पत्नीश्री रामानन्द प्रसाद निवासी 1/671,सेक्टर एच जानकीपुरम , लखनऊ<br>जमानतदार<br>श्री अवधेश कुमार गौतम पुत्र श्री राजा राम, गौतम निवासी 1/598 सेक्टर एच जानकीपुरम, लखनऊ | मकान नं0 1/671,सेक्टर एच जानकीपुरम , लखनऊ<br>क्षेत्रफल 30 वर्ग मी0 | रु 877809.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे 18-7-2012 |

लखनऊ
दिनांक 23-11-2012
प्राधिकृत अधिकारी

# दसवीं मोहर्रम पर पुराने लखनऊ में डायवर्जन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**शहर के** पुराने लखनऊ में मुहर्रम के मददेनजर शिया समुदाय द्वारा एक जुलूस नाजिम साहिब इमामबाड़ा से नक्खास, टुड़ियागंज, लाल माधव तिराहा, मिल एरिया, विक्रम काटन मिल, राजाजीपुरम होते हुए कर्बला तालकटोरा तक निकाला जायेगा। जिसमें यातायात के सुगम संचालन हेतु यातायात प्रतिबन्ध मार्ग डायवर्जन किया जायेगा। जानकारी के अनुसार....

- ऐशबाग की तरफ से आने वाला यातायात लाल माधव तिराहा हैदरगंज तिराहा से दाहिने टूड़ियागंज एंव बॉय मिल एरिया बुलाकी अडडा की ओर नहीं जा सकेगा।
- कमलानेहरु क्रासिंग से पाटानाला चौकी की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। यह यातायात कमलानेहरु क्रासिंग से चौक एवं मेडिकल कालेज चौराहा से अपने गन्तव्य को जा सकेगा।
- याहियागंज रकाबगंज की तरफ से आने वाला यातायात नक्खास तिराहे से बॉये टूड़ियागंज की ओर नहीं जा सकेगा तथा जुलूस प्रारम्भ होते ही इस मार्ग से यातायात बन्द कर दिया जायेगा।
- आलमबाग लंगड़ा फाटक की तरफ से आने वाला यातायात जलालपुर रेलवे क्रासिंग पारकर एंव ए ब्लाक राजाजीपुरम तिराहा से बॉये मुड़कर अपने गन्तव्य को जा सकेगा।
- राजाजीपुरम की ओर आने वाला यातायात मीना बेकरी चौराहा से मिल एरिया तिराहा एंव बुलाकी अड्डा ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात मीनाबेकरी चौराहा से दाहिने ई ब्लाक राजाजीपुरम की ओर एंव बांये सआदतगंज होकर अपने गन्तव्य को जा सकेगा।
- मवैया चौराहा की तरफ से आने वाले वाहन एवरेडडी तिराहा से पहले तिराहा भूषा मण्डी से दाहिने होकर अपने गन्तव्य को जा सकेगा।
- तेजीखेड़ा हरदोई रेलवे क्रासिंग से कर्बला राजाजीपुरम की ओर वाहन नहीं जा सकेगा।

## जहर खाकर विवाहिता ने दी जान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**नगराम थाना** क्षेत्र में एक विवाहिता ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। विवाहिता के पिता ने पति पर आरोप लगाया है कि आये दिन मेरी बेटी को मारता पीटता था और इसी के चलते उसने मेरी बेटी को जहर खिला दिया है। फिलहाल सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है और उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मौरांवा जनपद उन्नाव निवासी सुरेश कुमार ने नगराम थाने पर सूचना दिया कि मेरी बहन की शादी पांच वर्ष पूर्व ग्राम सलेमपुर थाना नगराम निवासी राजू के साथ हुई थी। शादी में मैने अपनी हैसियत के हिसाब से दान दहेज दिया। तब भी मेरा बहनोई मेरी बहन को आये दिन मारता पीटता और शराब पीकर घर आता था। शुक्रवार की शाम मेरे बहनोई ने गांव के पुत्तीलाल नामक व्यक्ति को फोन पर बताया कि तुम्हारी बहन अवध रानी ने जहर खा लिया है जिससे उसकी मौत हो गयी। खबर सुनते ही हम लोग नगराम थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव पहुचे तो देखा कि मेरी बहन की मौत हो चुकी थी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज कर लिया।,

### विवाहिता की मौत

**लखनऊ।** काकोरी इलाके में एक विवाहिता की रहस्यमय हालात में मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मूल रूप से महमूदपुर सफीपुर उन्नाव निवासी रमेशचन्द्र यादव यहां काकोरी के बिगरिया गांव में रहते हैं। इनकी पूर्व पत्नी का दो वर्ष पहले देहान्त हो गया था। तब इन्होंने गीता नाम की एक महिला से शादी कर ली थी। रविवार की सुबह इन्होंने काकोरी पुलिस को सूचना देकर बताया कि मेरी पत्नी की बीमारी से मौत हो गयी है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पति रमेश चन्द्र यादव का कहना है कि मेरी पत्नी काफी समय से बीमार रहती थी जिससे उसकी मौत हो गयी है। लेकिन इस सम्बंध में मृतिका के परिजनों का कहना है कि मेरी बेटी की पति द्वारा हत्या की गयी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की छानबीन करने में जुट गयी है।

# 'मिशन-2014 के झण्डे व स्टिकर पर लगे प्रतिबंध'

## सपा के झण्डे से आतंक पैदा कर रहे अराजकतत्व

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**भाजपा ने** अराजकत्वों के सपाईकरण पर गहरी चिन्ता व्यक्त की है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डा. मनोज मिश्र ने कहा कि पूरे प्रदेश में अराजक तत्व सपा का झण्डा, लक्ष्य 2014 का स्टिकर तथा हूटर लगाकर आतंक के वातावरण का निर्माण कर रहे है। प्रदेश की जनता पर गुण्डागर्दी का भय फैल रहा है तथा पुलिस और प्रशासन मजबूर होकर तमाशबीन बनी हुई है। डा. मिश्र ने मांग की कि सरकार तत्काल मिशन 2014 के स्टिकर व झण्डे बन्द कराये ताकि प्रशासन तथा जनता अपराधी व दबंग प्रवृत्ति के लोगों के दबाव से मुक्त हो सके। सरकार को आगाह करते हुए कहा कि सरकार न चेती तो डग्गामार वाहनों पर भी सपाई झण्डा, हूटर और स्टिकर लगाकर कानून की धज्जियाँ उड़ाते दिखेंगे।

प्रदेश प्रवक्ता डा. मिश्र ने कहा कि हूटर और नेमप्लेट लगाना मोटर व्हीकल एक्ट में भी प्रतिबंधित है तथा उच्च न्यायालय ने भी पिछली सपा सरकार को फटकार लगाई थी। इस बार भी हाल वहीं है। अनेक बार सरकार कई मामलों में माननीय उच्च न्यायालय के फटकार के बाद आप अपने निर्णयों को बदलने को मजबूर हुई। डा. मिश्र ने प्रश्न किया कि उच्च न्यायालय की फटकार से ही इस मामले पर सपाईयों की अराजकता पर रोक लगाई जा सकेगी। सपाईयों ने सरकारी कार्यालयों, अधिकारियों तथा शिक्षा संस्थानों को भी अपनी जद में ले लिया है। कहा कि सरकार आम जनता से पूरी तरह दूर होती जा रही है। डा. मिश्र ने कहा कि मात्र लगभग आठ महीने के सपा शासन में हत्या, बलात्कार, अपहरण तथा डकैती के रिकार्ड कायम हो रहे हैं, जन विरोधी निर्णय लिए जा रहे है तथा लोकतन्त्र का अपहरण हो रहा है। प्रदेश की जनता भयाक्रांत है और पुलिस प्रशासन महत्वहीन हो गया है। पुलिस प्रशासन का काम केवल सपाईयों की अराजक गतिविधियों का संरक्षण भर रह गया है।

## सरकार न चेती तो डग्गामार वाहनों पर भी होंगे सपाई झण्डे

बली प्रेक्षागृह से लखनऊ महोत्सव के नाट्य समारोह के अन्तर्गत रंगयात्रा निकालते रंगकर्मी पायनियर

# योजनाओं को धरातल पर लागू करें विभागीय अधिकारीः बलराम

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**प्रदेश सरकार** गांवों का चहुमुखी विकास करके प्रदेश को समृद्ध एवं खुशहाल बनाने के लिए कटिबद्ध है। पंचायती राज की आवश्यकता का अनुभव हर स्तर पर किया जा रहा है। अधिकारी विभागीय योजनाओं को पूरी निष्ठा के साथ धरातल पर लागू करें। गांव की खुली सभा की बैठकों में भी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर चर्चा की जाए ताकि आम जनता इन योजनाओं की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लाभ उठा सकें। उक्त बातें उप ग्राम पंचायत अधिकारी संघ द्वारा लाल बहादुर शास्त्री किसान गंगा संस्थान में आयोजित पंचायती राज दिशा व दशा विषयक गोष्ठी को संबोधित करते हुए पंचायती राज मंत्री बलराम यादव ने कही।

उन्होंने कहा कि विधानसभा व विधान परिषद में चुनी गयी महिला प्रतिनिधि स्वयं विधान मंडल की कार्यवाही में भाग लेती हैं। उसी प्रकार त्रिस्तरीय पंचायतों में चुनी गई महिला प्रतिनिधियों को सभी बैठकों में खासतौर से ग्राम सभा की खुली बैठकों में स्वयं प्रतिभाग करना चाहिए, ताकि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन कर सकें। ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों एवं जिला पंचायतों की बैठकों में महिला प्रतिनिधि शत-प्रतिशत प्रतिभाग करें। इसमें किसी प्रकार की कोई रियायत न दी जाए। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही हैं। पंचायत महिला प्रतिनिधि स्वयं बैठकों में भाग लेकर यह साबित करें कि वे पुरूषों से पीछे नहीं हैं। बल्कि देश एवं प्रदेश के विकास में कदम से कदम मिलाकर चल सकती हैं और समाज को एक नई दिशा प्रदान कर सकती हैं।

प्रदेश में संपूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम को सही तरीके से लागू करने में महिलाएं आगे आएं सभी घरों में शौचालय निर्माण कराएं खुले स्थानों पर शौच करने न जाएं और न बच्चों का जाने दें। प्रदेश सरकार सभी घरों में शौचालय निर्माण कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए सघन अभियान चलाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत अब तक लगभग 1.66 करोड़ व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया गया हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत अधिकारियों की उचित मांगों पर विचार करने का आश्वासन देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत अधिकारियों की गांव विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। प्रमुख सचिव पंचायती राजा माजिद अली ने कहा कि प्रदेश के विकास में पंचायती राज विभाग की अहम भूमिका है और जनता की अपेक्षाएं इस विभाग से जुड़ी हुई हैं।

# केतन देसाई सहित अन्य आरोपियों को जमानत

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**धोखाधड़ी** एवं कूट रचना कर जनपद बरेली स्थित श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ साईसेज को मान्यता दिलाने के एवज में करोड़ों रूपये हड़पने के मामले में आरोपी भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) के तत्कालीन चेयरमैन केतन देसाई, देवमूर्ति, निदेशक आदित्य मूर्ति व डीन वेद प्रकाश श्रोनिया की शनिवार को विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) आरवी शर्मा ने जमानत अर्जी मंजूर करते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। वहीं अदालत ने चारों आरोपियों को इस मामले में आरोपमुक्त करने की मांग को लेकर दायर अर्जी खारिज कर दी है।

पूर्व में अदालत ने इसी मामले में आरोपी देवमूर्ति की अंतरिम जमानत खारिज करते हुए उसे जेल भेज दिया था। वहीं शनिवार को अदालत में आरोपी केतन देसाई, आदित्यमूर्ति व वेद प्रकाश श्रीतियो ने आत्मसमर्पण किया। कोर्ट में चारों आरोपियों की ओर से जमानत व आरोपमुक्त करने की मांग को लेकर अर्जियां प्रस्तुत कर कहा गया कि सभी आरोपी प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं व उन्होंने विवेचना के दौरान सीबीआई को पूरा सहयोग किया था जिसके कारण सीबीआई ने बिना किसी अभियुक्त को गिरफ्तार किये आरोप पत्र प्रेषित कर दिया था। कहा गया कि इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। कोर्ट ने चारों आरोपियों को एक-एक लाख रुपये की दो-दो जमानतें व इतनी ही धनराशि का मुचलका दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया। आरोपी देवमूर्ति को छोड़कर शेष तीनों आरोपी अंतरिम जमानत पर थे।

# धान की खरीद के प्रति सरकार उदासीनः कांग्रेस

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**कांग्रेस ने** कहा कि धान की खरीद तथा रबी की बुआई को लेकर प्रदेश सरकार की उदासीनता किसान विरोधी एवं गैर जिम्मेदाराना है। एक तरफ जहां धान की खरीद के लिए सरकार द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की गयी वहीं दूसरी तरफरबी की बुआई के लिए बीज, खाद एवं पानी के कारण पूरे प्रदेश का किसान बदहाल है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता द्विजेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश की समाजवादी पार्टी सरकार पूरी तरह किसान विरोधी सरकार साबित हो चुकी है, क्योंकि अपने चुनावी घोषणा पत्र में किसानों को सिंचाई के लिए नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने व 16 घंटे बिजली देने का जो वादा समाजवादी पार्टी ने किया था उसे वह सरकार बनने के 8 बाद अभी तक पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि रबी की फसल की बुआई शुरू हो चुकी है किन्तु किसानों को न तो सिंचाई के लिए नहरों से पानी मिल रहा है और न ही बिजली मिल रही है। पूरे प्रदेश का किसान पानी और बिजली के लिए त्राहि-त्राहि कर रहा है। उन्होंने कहा कि कमोवेश यही हाल पूरे प्रदेश में खाद और बीज का है।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि इतना ही नहीं खरीफ की फसल लगभग एक माह पहले ही तैयार हो चुकी है और धान क्रय केन्द्रों का कहीं अता-पता नहीं है, जिसके कारण किसान बिचौलियों के हाथों लूटे जाने को मजबूर है। अपने को किसान हितैषी सरकार होने का दंभ भरने वाली वर्तमान राज्य सरकार किसानों के मुद्दे पर पूरी तरह असंवेदनहीन साबित हुई है और जनहित के सभी मोर्चे पर विफल साबित हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि एक तरफ जहां प्रदेश सरकार किसानों को खाद, बीज, बिजली एवं पानी देने की घोषणा करके श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, जबकि दूसरी ओर वास्तविक हालात बिल्कुल इसके विपरीत है। सच्चाई तो यह है कि किसान अपने आपको बेबस और लुटा हुआ महसूस कर रहा है। हालत यह है कि एक तरफ जहां बुन्देलखण्ड के किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं वहीं पूरे प्रदेश का किसान सरकार से निराश होकर अपने हालात पर बेबसी के आंसू बहा रहा है।

# डिजनी का कार्टून सफर जारी

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**डिजनी चैनल** पर शनिवार को सुबह 11 बजे एक रहस्यमयी और मनोरंजन से परिपूर्ण कार्टून कार्यक्रम का आगाज हुआ जिसे देखकर खासकर बच्चों के बीच काफी उत्साह दिखा। कार्टून में कुछ रहस्यमयी, कुछ अनजान, कुछ अलग 100 एकड वुड जैसे रोमांचक तत्वों का समावेश है। एक हैफलम्ब खरखराहट की आवाज बहुत ही अधिक खूंखार हो सकती है। विनी दि पूह तथा सी एकड वुड में पहली बार हेफलम्ब को लेकर खोज होती है। इस दौरान दोनों इस बात को भूल जाते हैं कि इस खतरनाक मिशन के लिए अभी वो छोटे हैं। मिशन के दौरान ही उसे लम्पी नाम का एक छोटे हेफलम्ब मिलता है। उसे पता चलता है कि हेफलम्ब बिलकुल भी वैसा नहीं है जैसा उसे बताया गया था। इस सफर में उनका दोस्त लम्पी बन जाता है। जीवन भर एक-दूसरे का साथ देने व दोस्ती की इस कालजयी प्यारी कहानी पर अभी आगे की कड़ियों में कई और दिलचस्प और रोमांचक मोड़ आएंगे।

# कार्पोरेशन बैंक की भगवानपुर शाखा का उद्घाटन

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

कार्पोरेशन बैंक की भगवानपुर शाखा का उद्घाटन मंडल महा प्रबंधक श्रीमती एस एम स्वाति के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री के वेंकटेश राव, सहायक महा प्रबंधक, लखनऊ आंचलिक कार्यालय, श्री श्रीनाथ कामत, सहायक महा प्रबंधक एवं श्री दीपक चन्दानी, शाखा प्रबंधक मौजूद थे। अध्यक्षीय भाषण देते हुए श्रीमती एस एम स्वाति, मंडल महा प्रबंधक ने उपस्थित ग्रामीण भाइयों को संबोधित करते हुए कही कि वे जमा एवं ऋण से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के लिए उससे कभी भी मिल सकते हैं।

दक्षिण भारतीय होते हुए भी मैडम ने अपनी भाषण हिन्दी में दी। स्वागत भाषण श्री के वेंकटेश राव एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री दीपक चन्दानी द्वारा किया गया। मंच संचालन सुश्री गरिमा सिंहए सहायक प्रबंधक द्वारा किया गया। इस अवसर

पर लखनऊ-मुख्य शाखा के शाखा प्रमुख श्री जी पी मिश्रा, खुदरा आस्ति हब के मुख्य प्रबंधक श्री अशोकन, लखनऊ-तेलीबाग के शाखा प्रमुख श्री अभीष खरेए नटकुर शाखा के शाखा प्रमुख श्री जुगल किशोर श्रीवास्तव, खुर्दई बाजार के शाखा प्रमुख श्री अनूप कुमार सिन्हा इत्यादि भी मौजूद थे।

# हज कार्यक्रम घोषणा के पूर्व बनवा लें पासपोर्ट

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**प्रदेश के** हज समिति के अध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक कल्याण हज व नगर विकास मंत्री आजम खां ने 2013 में हज करने के इच्छुक लोगों से अपील की है कि जिन लोगों के पास अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट नहीं है वे हज-2013 की घोषणा होने से पहले रीजनल पासपोर्ट आफिस में आवेदन कर इसे बनवा लें। अब हज यात्रा के लिए अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट का होना अनिवार्य हैं।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट है वे यह सुनिश्चित कर लें कि उनका पासपोर्ट 31 मार्च 2014 तक वैध या नही और उसमें एक दूसरे से जुड़े हुए कम से दो रिक्त पृष्ठ उपलब्ध होने चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट की यह व्यवस्था बच्चों व शिशुओं पर भी लागू होगी। यदि पासपोर्ट की वैधता 31 मार्च 2014 से पहले समाप्त हो रही है या फिर उसके सभी पन्ने भर गए हैं तो ऐसी दशा में हज-2013 की घोषणा होने से पहले इस पासपोर्ट का नवीनीकरण अवश्य करा लिया जाए। उन्होंने यात्रियों को हिदायत दी है कि यदि उनका खाता किसी ऐसे बैंक में है जहां आईएफएस कोड नहीं है तो वह पहले से ही अपना किसी ऐसे बैंक में खुलवा लें जहां पर यह कोड उपलब्ध हो। ऐसा करना जरूरी है क्योंकि इच्छुक हज आवेदकों को निरस्त चेक की प्रति आईएफएस कोड सहित हज आवेदन फार्म में लगाना होगा। ऐसा करने से धनराशि वापस करने के कार्य में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि इन तैयारियों को पहले से ही पूरा कर लेने से उन्हें हज 2013 की घोषणा होने पर आवेदन करने में सुविधा होगी।

# प्रशिक्षित हुए बाल क्लब के सदस्य

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**विज्ञान** फाउण्डेशन व पैक्स के संयुक्त तत्वाधान में सशक्त बचपन परियोजना के तहत गठित बाल क्लब समूह के पदाधिकारियों को बाल अधिकारों व नेतृत्व क्षमता विकास पर प्रशिक्षित किया गया। इसका आयोजन परियोजना क्रियान्वयन क्षेत्र के तहत आने वाले सभी 79 प्राथमिक विद्यालयों के बाल क्लब के पदाधिकारियों के साथ किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बाल क्लब सदस्यों में बाल अधिकारों व पदाधिकारी होने के नाते समूह में उनकी जिम्मेदारी पर समझ विकसित करना है, जिससे वे अपने अधिकारों को जानते हुए अपनी भूमिका समाज व अपने समूह में बना सकें।

इस संबंध में शहरी क्षेत्र की संकुल सहजकर्ता प्रतिमा दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण से जहां बच्चों में बाल अधिकारों पर समझ विकसित होगी वहीं उनमें शिक्षा के प्रति संवेदित करने का काम भी करेगा। बच्चों में बाल अधिकारों की समझ के साथ-साथ उनकों नेतृत्व क्षमता विकास पर भी प्रशिक्षित किया गया। जिससे वे अपनी जिम्मेदारियों को समझ कर अपने बाकी साथियों को भी विकास के पथ पर ले जा सकें। ग्रामीण क्षेत्र के सहजकर्ता सचिन ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इन बच्चों को उनके अधिकारों से रूबरू कराने वाला कोई नही हैं। जिसके कारण आज भी बाकी निजी विद्यालयों में जाने वाले बच्चों के मुकाबले बहुत पिछड़े हैं। दोनों सहजकर्ताओं ने बताया कि प्रशिक्षण अगले दो दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

# आज बंद रहेगी गोश्त की दुकानें

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**प्रदेश सरकार** ने समस्त सम्बंधित अधिकारियों को कल 25 नवम्बर को साधु टीएल वासवानी के जन्म दिवस पर प्रदेश में संचालित सभी पशुवधशालाओं एवं गोश्त की दुकानों को बन्द रखे जाने के आदेश दिये हैं।

इस संबंध में समस्त मण्डलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं नगर आयुक्तों को भेजे गये शासनादेश में प्रदेश के प्रमुख सचिव नगर विकास प्रवीर कुमार ने कहा है कि इस आदेश का प्रदेश में कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। पूर्व में जारी शासनादेशों के अनुरुप इस बार भी महावीर जयंती, बुद्ध जयंती, गाँधी जयंती तथा शिवरात्रि महापर्व की ही भाँति साधु टीएल वासवानी के जन्मदिवस पर प्रदेश की समस्त स्थानीय निकायों में स्थित पशु वधशालाओं एवं गोश्त बेचने वाली दुकानों को बन्द रखने के आदेश दिये गये हैं।

## राष्ट्रीय लोक दल का सदस्यता अभियान शुरू

# 'राज्य सरकार में चार पावर सेंटर होने से फैली अराजकता'

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**राष्ट्रीय लोक** दल के महासचिव और सांसद जयंत चौधरी ने शनिवार को प्रदेश में सदस्यता अभियान की शुरुआत पार्टी मुख्यालय से की इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने अखिलेश सरकार की कार्यप्रणाली पर कई टिप्पणियां की। उन्होंने सरकार में चार पावर सेंटर होने को प्रदेश में फैली अराजकता के लिए जिम्मेदार ठहराया।

एयरपोर्ट मुद्दे पर उन्होंने साफ कहा कि राजनीतिक विद्वेष से काम न करते हुए, सहयोगात्मक ढंग से विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। हालांकि जयंत चौधरी पावर सेंटर को चिन्हित नहीं किया लेकिन उसके बाद भी उन्होंने सपा सरकार की कई खामियां गिना दी। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था, अधिकारियों के तबादलों, और गन्ना समर्थन मूल्य और प्रदेश में हवाई अड्डों की स्थापना के लिए राज्य सरकार का सहयोग न मिलने पर नाराजगी जताई। इस मसले पर उन्होंने कहा कि डब्बूयन मंत्रालय से मिलने वाली सभी योजनाओं का भरपूर लाभ लेना चाहिए। मेरठ, आगरा, कुशीनगर, फैजाबाद व झांसी समेत छह स्थानों में एयरपोर्ट के लिए सरकार भूमि उपलब्ध करा दे तो विकास का पहिया तेजी से दौड़ेगा। अन्य राज्यों की ओर से भूमि देकर हवाई अड्डे स्थापित करने के प्रस्ताव आ रहे हैं परन्तु यूपी की ओर से ऐसा नहीं हो रहा। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जयंत ने कहा कि रालोद ने सदस्यता अभियान शुरू किया है। वर्ष 2016 तक के लिए सदस्य बनाए जा रहे है।

## राष्ट्रीय लोक दल महासचिव ने प्रदेश सरकार की गिनायी खामियां

पिछली बार बने दस हजार सक्रिय सदस्यों की संख्या को बढ़ाते हुए तीन गुना करने का लक्ष्य तय है। संगठन गठन पूरा होने के बाद प्रत्याशी चुनने की प्रक्रिया शुरू होगी। केंद्रीय कार्यकारिणी की दिल्ली में जल्द होने वाली बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। रालोद अभी यूपीए का घटक दल है। ऐसे में गठबंधन की बात करना बेमानी है। उन्होंने कहा कि छोटे राज्यों के निर्माण के लिए संघर्ष जारी रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष मुन्ना सिंह चौहान के नेतृत्व में संगठन को मजबूत कर आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने मायावती सरकार द्वारा भेजे गए विभाजन प्रस्ताव को अपूर्ण बताया। सदस्यता अभियान के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि सड़क पानी बिजली, खाद व अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर जन चेतना रैली निकालें तथा चौधरी अजित सिंह की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का काम करें। जयन्त चौधरी ने सपा सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि किसानों का कर्जा माफकरना भी एक धोखा है, जिस तरीके से प्रदेश के नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता न देकर उनके साथ सरासर धोखा किया उसी तरह से प्रदेश के किसानों के साथ सरकार का छलावा है।

उन्होंने गेहूं के समर्थन मूल्य की घोषणा न करने के लिए भारत सरकार के कृषि मंत्री से सम्पर्क कर जल्दी से जल्दी गेहूँ का समर्थन मूल्य घोषित करने के लिए अनुरोध किया। 1 दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक सदस्यता अभियान बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक चलाया जाएगा। 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस को किसान दिवस के रूप में प्रदेश के प्रत्येक जनपदों में मनाया जाएगा।

लखनऊ के बृचरी ग्राउण्ड पर एनसीसी दिवस पर मार्चपास्ट करते जवान पायनियर

भारतीय जनता पार्टी

# बड़े नेताओं में उलझी लोकसभा चुनाव की तैयारियां

धीरज त्रिपाठी। लखनऊ

**भाजपा में** पिछले सप्ताह लोकसभा चुनाव की तैयारियों की रूपरेखा तय करने बैठी कोर कमेटी की बैठक नए असमंजस व उलझनों को लेकर उठी। बैठक शुरू होते ही यह बात नई उलझन लेकर आ गई कि पार्टी के मौजूदा सांसदों में कुछ अपना क्षेत्र बदलना चाहते हैं। इनमें कुछ बड़े नेता भी हैं। किसी की समझ में नहीं आया कि करें तो क्या करें। इसलिए दावेदारों के नामों पर हल्के-फुल्के ढंग से विचार करके सूची को छांटने की औपचारिकता पूरी कर ली गई। तय हुआ कि यह काम कुछ बड़े नेताओं की इच्छा को समझे बगैर करना ठीक नहीं है। जल्दी की जरूरत इसलिए नहीं है क्योंकि गुजरात चुनाव के चलते फिलहाल अभी केंद्रीय नेतृत्व के पास भी लोकसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश के बारे में विचार-विमर्श के लिए मौका नहीं है।

वैसे तो पार्टी के पास उत्तर प्रदेश से सिर्फ दस ही सांसद है लेकिन इनमें कुछ ऐसे हैं जो भविष्य की राजनीति या समीकरणों के चलते नई जगह से लड़ना चाहते हैं। कुछ विधायक भी ऐसे हैं जो लोकसभा चुनाव में भी हाथ आजमाना चाहते हैं। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कलराज मिश्र मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, उन्हों्ने तो कुछ नहीं कहा लेकिन उनके भी लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा की बात बैठक में उठी। यह संकेत भी सामने आए कि उन्होंने विधानसभा का चुनाव तो लड़ लिया। जीत भी गए लेकिन अपनी मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं है। विधायक का पद उन्हें अपने कद से छोटा लग रहा है। इसलिए उनकी इच्छा भी लोकसभा चुनाव लड़ने की है। इसके लिए उनकी लखनऊ या कानपुर प्राथमिकता है।

लेकिन लखनऊ के बारे में फैसला इतनी आसानी से हो नहीं सकता क्योंकि लालजी टंडन यहां से सांसद हैं। टंडन भी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और जब तक वह न चाहें तब तक उनकी सीट पर पैनल में या दावेदार के रूप में नया नाम रखना किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है। इसी तरह गाजियाबाद से राजनाथ सिंह के बारे में भी यह चर्चा है कि वह भी किसी नई सीट से लड़ना चाहते हैं। डा. मुरली मनोहर जोशी के भी ऐसी ही चर्चा बैठक में सामने आई। पता चला कि वाराणसी की वैकल्पिक पसंद में शामिल स्थानों में एक नाम लखनऊ भी है। मेनका गांधी और वरुण गांधी के बारे में क्षेत्र बदलने की इच्छा बैठक में बताई गई। इसी तरह कुछ अन्य नामों के भी लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा बैठक में सामने आई। इनमें ओमप्रकाश सिंह व हुकुम सिंह जैसे नाम भी हैं। पश्चिम के बारे में विचार-विमर्श करने के आड़े कल्याण सिंह का नाम आ गया।

**मौजूदा सांसदों में कई क्षेत्र बदलने की जुगत में**

**कहीं-कहीं एक ही जगह पर कई नेताओं की निगाहें**

यह बात उठी कि कल्याण का आना जब तय हो चुका है और लोकसभा चुनाव में उनका उपयोग भी करना है तो पश्चिम ही क्या पूरे प्रदेश के बारे में उनकी राय समझना जरूरी हो जाता है। उनकी राय के बगैर कोई निष्कर्ष निकालने का मतलब नए विवाद को जन्म देना होगा। बात सिर्फ इन प्रमुख नेताओं के बारे में फैसला लेने की या सीटों की नहीं है बल्कि इनके लड़ने का स्थान तय होने के बाद ही आगे विचार-विमर्श करना ठीक रहेगा। कारण, क्षेत्रीय, सामाजिक और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को भी ध्यान में रखना होगा। इसलिए उचित यही है कि फिलहाल इस मामले में कोई निष्कर्ष निकालने से बचा जाए। नतीजतन लगभग 270 दावेदारों के नामों की सूची प्रदेश प्रभारी नरेन्द तोमर को सौंपकर बैठक की औपचारिकता पूरी कर ली गई।

पर्यटन भवन में आयोजित सम्मान समारोह में अभिनेता प्रेम चोपड़ा को सम्मानित करते लोकायुक्त पायनियर

# कर्मचारी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से निलम्बित न किया जाए: मुख्यमंत्री



**लखनऊ।** मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी कर्मचारी को प्रताड़ित करने के उद्द्श्य से कतई निलम्बित न किया जाय।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश गोपाल बालिका जूनियर हाईस्कूल ककड़खेड़ा मेरठ के सहायक अध्यापिका सुश्री लीना वालिया के निलम्बन आदेश के प्रकरण के दौरान दिए। सुश्री वालिया ने प्रार्थना पत्र देकर मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था कि उसे प्रबन्धक द्वारा प्रताड़ित करने के उद्देश्य से निलम्बित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में उच्च अधिकारियों द्वारा प्रकरण को गम्भीरता से संज्ञान में लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल प्रकरण का गम्भीरता से परीक्षण कर नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए गये। सुश्री वालिया ने मुख्यमंत्री को ई-मेल के माध्यम से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा है कि उसने अपने अनुचित निलम्बन के विरुद्ध कई अधिकारियों से गुहार लगाई, परन्तु कहीं से कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई।

# सहारा गंज 'शॉप एन विन' कार्निवाल शहर में मचा रहा धूम

**बच्चों ने टैलेन्ट हंट में किया धमाल**

**लखनऊ।** सहारा गंज 'शॉप एन विन' कार्निवाल लगातार समारोह में आने वाले लोगों को भरपूर मौज-मस्ती का अवसर दे रहा है। शनिवार को बच्चों ने भी 'टैलेन्ट हंट' में खूब मस्ती की। बच्चों ने मिमिक्री, नृत्य व गायन तथा एक्टिंग के द्वारा अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लगभग 20 बच्चों ने इस टैलेन्ट हंट में हिस्सा लिया और सभी बच्चों के किड्डीज एंड टीन्स के तरफसे गिफ्ट हैम्पर दिये गये। आज के मुख्य आकर्षण में 'मार्बल्स एंड चॉपस्टिक्स', 'टंग ट्विस्टर्स', 'गुब्बारे में मोमबत्ती भरो' आदि अनेक कार्यक्रम रहे, जिन्होंने भीड़ को आकर्षित किया और उनका भरपूर मनोरंजन किया।

दिन की शुआत पिछले दिन के 'सर्वाधिक खरीदार' रहीं विजेता श्रीमती लता दशमना के नाम की घोषणा से हुई। उन्होंने. 38,566/- की खरीदारी की थी, जिसके एवज में उन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्निवाल के दौरान प्रत्येक. 500 और अधिक की खरीद लकी ड्रॉ कूपन का हकदार बनाती है और रेफ्रिजिरेटर, कलर टेलीविजन, डीवीडी . होम थियेटर, माइक्रोवेव ओवन, फूड प्रोसेसर, प्रेस, वैक्यूम क्लीनर, डीवीडी प्लेयर्स, गीजर्स एवं अन्य अनेक आकर्षक पुरस्कार जीतने की संभावना बनाती है। इसके साथ ही दिन के सर्वाधिक खरीदार के लिए भी गिफ्ट है।



गिफ्ट और प्राइज बिग बाजार, होम टाउन, पैण्टालून, क्लब महिन्द्रा, डॉलसिस लंदन, रिनोल्ड्स राइट साइट, के. लाउन्ज, यूएस पिज्जा, वोग और किडीज एण्ड टीन्स द्वारा प्रायोजित किये गए हैं।

# डॉ. सचान की पत्नी ने अदालत में दाखिल की आपत्ति

**सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**डिप्टी सीएमओ** योगेन्द्र सिंह सचान की जिला कारागार में रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मृत्यु के मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के विरोध में शनिवार को मृतक की पत्नी मालती सचान की ओर से विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट नीलकांत मणि त्रिपाठी की अदालत में आपत्ति दाखिल की गई। अदालत ने इस आपत्ति पर सीबीआई को जवाब दाखिल करने के लिए समय प्रदान करते हुए 15 दिसंबर को सुनवाई करने का आदेश दिया है। अदालत में मृतक की पत्नी मालती सचान की ओर से आपत्ति प्रस्तुतकर वकील वीके शाही ने कहा कि 19 जून को जिला कारागार लखनऊ में डिप्टी सीएमओ योगेन्द्र सिंह सचान की रहस्मय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी जिस पर मृतक की पत्नी ने 26 जून को अज्ञात लोगों के विरुद्ध अंतर्गत धारा 302/120 बी के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी इस मामले में एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय में विवेचना सीबीआई को सौंप दी। कहा गया कि सीबीआई की विवेचना से पहले इस मामले की न्यायिक जांच कराई गई। इस पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेश उपाध्याय ने पूरे मामले की गहना से न्यायिक जांच की एवं 11 जुलाई 2011 को अपनी रिपोर्ट भेज दी। कहा गया न्यायिक जांच में सचान द्वारा आत्महत्या करने का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया। बल्कि जांच रिपोर्ट में सचान की मृत्यु को हत्या ठहराया गया है। वादनी के वकील ने डा. सचान द्वारा डिप्रेशन में आत्महत्या करने के सीबीआई के दावे को नकारते हुए कहा कि जेल में डा. ने सचान की नियमित जांच की एवं जिला कारागार के चिकित्सक राजेश अग्रवाल एवं डा. योगेश कुमार ने 10 जून से घटना के दिन के दौरान डा. सचान को अवसाद ग्रस्त नहीं पाया और न ही उन्होंने अवसाद की कोई दवाई दी थी। डा. योगेश कुमार ने बयान में कहा कि

इन सभी पुलिस अधिकारियों में से एक अधिकारी ने फार्मासिस्ट कक्ष में से सर्जिकल ट्रे में से एक सर्जिकल चाकू निकाली थी और यह कहते हुए कार्यालय से निकल गए थे कि इसकी भी जांच करा लेते है। इन लोगों ने इसकी कोई रिसीविंग मेरे सामने नहीं दी थी और मेरी जानकारी में अभी तक उस सर्जिकल चाकू को वापस नहीं किया गया। जिला कारागार के फार्मासिस्ट संजय कुमार सिंह ने अपने बयान में कहा कि आईजी पुलिस ने सर्जिकल चाकू उठाया और कहा कि इसकी भी जांच करा लेते है और इसकी भी फर्द बना ली जाए लेकिन उन लोगों ने वहां पर कुछ नहीं किया और न ही सर्जिकल चाकू वापस नहीं किया। वादिनी की आरोप है कि घटनास्थल से किसी धारदार हथियार की बरामदगी सीबीआई की थ्योरी से कोई मेल नहीं खाता है।

वादिनी के वकील वीके शाही ने न्यायिक जांच के दौरान गोसाईगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह के बयान का हवाला देते हुए कहा कि डिप्टी जेलर सुनील कुमार सिंह के कहने पर ड्रेनेज के अंदर से एफएसएल की टीम ने स्वीपर के निकालने पर आधा ब्लेड लिया था ब्लेड के एक तरफ खुन लगा था दूसरी तरफ नहीं लगा था। कोई सर्जिकल चाकू या धारदार हथियार वहां पर नहीं मिला था आरोप है कि मृतक के शरीर पर जो गहरी चोटे पाई गई है वह किसी शेविंग ब्लेड से नहीं आ सकती है। कहा गया आईजी जेल वीके गुप्ता ने डा. सचान द्वारा लिखित पत्र लेकर कुछ लोगों के सामने पढ़ा था एवं इलेक्ट्रानिक चैनल के समक्ष इस तथ्य को स्वीकार किया था। परंतु बाद में जुबान फिसलने का हवाला देते हुए आईजी जेल वीके गुप्ता सीबीआई के समक्ष मुकर गए। वादिनी का आरोप है कि सीबीआई ने ऐसे वरिष्ठ अधिकारी के कथित आचरण की गहनता से जांच नहीं की।

मृतक डा. सचान का विसरा सुरक्षित नहीं किया गया। आरोप है कि सीबीआई ने पांच डाक्टरों द्वारा सचान की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को दरकिनार कर ऐम्स के डाक्टरों की रिपोर्ट को विश्वसनीय ठहराया जबकि एम्स के डाक्टरों ने न तो घाव का परीक्षण किया एवं न ही मृतक के शरीर पर आई चोटों का निरीक्षण किया। आरोप है कि मृतक डाक्टर सचान के गले में फांसी लगाने का कोई निशान नहीं पाया गया। जबकि मृतक के गले में आई चोट का निशान मृत्यु के बाद का है। वादिनी का आरोप है कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस मामले में सीबीआई की विवेचना आत्महत्या की थ्योरी के इर्द-गिर्द घुमती रही। वही उस बेल्ट का परीक्षण नहीं कराया जिससे डाक्टर सचान द्वारा आत्महत्या करने की बात कही गई। आपत्ति में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को निरस्त कर अग्रिम विवेचना कराने की मांग की गई है। वहीं दूसरी ओर सीएमओ विनोद कुमार आर्या एवं डा. वीपी सिंह हत्याकांड में इसी अदालत में मामले के विचारण के लिए 29 नवंबर की तिथि नियत करते हुए सभी अभिुक्तों को उपस्थित रहने का आदेश दिया है।

प्रतीक को प्रत्याशी बनाने की मांग

# समर्थकों ने की सपा मुख्यालय पर नारेबाजी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ



**सत्तारुढ़** दल सपा में आजमगढ़ संसदीय क्षेत्र से प्रतीक यादव को टिकट दिए जाने की मांग से सूबे में सियासी गर्माहट का बढ़ा दिया है। शनिवार को सपा के प्रदेश मुख्यालय पर हमारा सांसद कैसा हो, प्रतीक यादव जैसा हो इन नारेबाजी के साथ प्रतीक के समर्थकों ने घंटों पार्टी मुख्यालय पर जमावाड़ा किया। समर्थकों को कहना था कि आजमगढ़ से प्रतीक यादव को टिकट दिया जाना चाहिए। आजमगढ़ जिले के से आए समर्थकों से पार्टी कार्यालय में कोई वरिष्ठ पदाधिकारी नहीं मिला तो प्रतीक यादव को उम्मीदवार बनाने के लिए आजमगढ़ में धरना देने का ऐलान करते हुए लौट गए। प्रधान जगदीश यादव व रामसकल की अगुवाई में प्रदर्शन करने पहुंचे आजमगढ़ के लोग केवल टिकट का ही ही दबाव नहीं बना रहे थे बल्कि क्षेत्रीय विधायकों की उदासीनता से भी नाराज भी थे। उनका कहना था कि आजमगढ़ का कमिश्नरी घोषित करने के बीस वर्ष बाद भी क्षेत्र का विकास पूरी तरह ठप है। पार्टी के विधायक भी क्षेत्रवासियों की सुध नहीं लेते है। उनका कहना था कि सपा सुप्रीमों मुलायम सिंह यादव के परिवार से किसी प्रभावशाली व्यक्ति को प्रत्याशी बना दिया जाए तो क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। ऐसे में प्रतीक से बेहतर अन्य कोई उम्मीदवार नहीं हो सकता। समर्थकों का कहना था कि प्रत्याशियों की पहली सूची आने से पहले भी आजमगढ़ से लोगों ने मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने कहा कि जब रामगोपाल यादव के पुत्र अक्षय यादव को फिरोजाबाद सीट से टिकट दिया गया तो प्रतीक यादव को क्यों नहीं टिकट दिया गया। मौजूदा समय में सपा ने आजमगढ़ से पंचायती राज मंत्री बलराम यादव को टिकट दिया है। आजमगढ़ से प्रतीक यादव को प्रत्याशी बनाने की मांग के पीछे पंचायती राज मंत्री बलराम यादव का विरोधी खेमा होने की आशंका जतायी जा रही है।

## आरबीआई का मिला बैंकिंग लाइसेंस

**लखनऊ।** प्रदेश के सहकारिता मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने जिला सहकारी बैंक कानपुर को बैंकिंग लाइसेंस दे दिया है। अब प्रदेश के 34 जिला सहकारी बैंकों के पास कारोबार के लिए आरबीआइ का लाइसेंस मिल गया है। सहकारिता मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को बताया कि ग्रामीण अंचलों में फसली ऋण वितरण के लिए अल्पकालीन सहकारी साख व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए जिला सहकारी बैंकों के बैंकिंग लाइसेंस की निर्धारित अर्हता को पूर्ण करने के लिए 219 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गयी थी। इसके फलस्वरूप बीते दिनों नौ जिला बैंकों को रिजर्व बैंक ने लाइसेंस दिया था और शुक्रवार को इस कड़ी में कानपुर भी जुड़ गया।

**निविदा सूचना**

राज्य परियोजना निदेशक उ.प्र. के पत्रांक संख्या अधि. यूनीफार्म/01/2099/2012–13 दिनांक 07/08/2012 के अन्तर्गत यूनीफार्म क्रय (159 छात्र व 180 छात्राएं) हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक रजि. फर्म टिन नं./पैन नं. धारक बिक्रीदर एवं सैम्पल के साथ एक सप्ताह के अन्दर आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करें।

**राजकुमार सिंह**
**प्रधानाध्यापक प्रा.वि. मोहारी**
**वि.क्षे. सकरन–सीतापुर**
**एवं प्रबन्ध समिति मोहारी**

# गर्मी सहने वाली वैराइटियों के जरिए बढ़ेगी गेहूं की पैदावार

हरीश तिवारी। लखनऊ

**खास बातें**

**कुल गेहूं उत्पादन में 34 फीसदी की हिस्सेदारी**

**गर्मी सहने वाली नई वैराइटियों को तैयार कर रहे हैं वैज्ञानिक**

**अन्य राज्यों की तुलना में क्लाइमेटिक जोन होने का उत्पादकता में असर**

**अगर कृषि** वैज्ञानिकों के दावों पर यकीन किया जाए तो केवल उत्तर प्रदेश पूरे देश की गेहूं जरूरतों को पूरा कर सकता है। बस उत्पादकता में इजाफा हो जाए? सबसे ज्यादा क्षेत्रफल में गेहूं की खेती होने और सबसे ज्यादा पैदावार के बाजजूद उत्पादकता के मामले में यूपी पीछे है। लिहाजा अब वैज्ञानिक गेहूं की ऐसा वैराइटियों पर शोध कर रहे हैं, जिनमें गर्मी सहने की क्षमता ज्यादा हो और पानी की कम खपत। वैज्ञानिक कहते हैं की प्रदेश में 9 एग्रोक्लाइमेट जोन होने के कारण प्रदेश के लिए अलग अलग वैराइटी तैयार कर रहे हैं।

हरियाणा के करनाल में स्थित गेहूं शोध निदेशालय की प्रोजेक्ट डाइरेक्टर के मुताबिक देशभर में गेहूं उत्पादकता में इजाफा हो रहा है और इस मामले में अब उत्तर प्रदेश भी पीछे नहीं है, लेकिन यूपी से पंजाब की तुलना करना काफी हद तक ठीक नहीं होगा। पंजाब में नई तकनीक का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं, जबकि यूपी इसमें मामले में पिछड़ा है। उनके मुताबिक देश में गेहूं की उत्पादकता में आसानी से इजाफा हो सकता है, बस कुछ नए प्रयोग करने और ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

असल में पिछले पांच सालों के दौरान प्रदेश की उत्पादकता में .5 टन प्रति हेक्टेयर की उत्पादकता बढ़ी है। प्रदेश में 96 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती होती है और पूरे देश में गेहूं उत्पादन के मामले में यह 33 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी निभाता है। पंजाब में गेहूं की उत्पादकता 4.6 टन प्रति हेक्टेयर है तो हरियाणा में ये आंकड़ा 4.6 टन प्रति हेक्टेयर है। दिलचस्प ये है कि प्रदेश में ये महज 3.1 टन प्रति हेक्टेयर है। दरअसल पंजाब की तुलना में प्रदेश में नौ एग्रो क्लाइमेटिक जोन हैं यानी जमीन की उर्वरा और मिट्टी पूरे प्रदेश में एक समान नहीं है। हालांकि पहले वैज्ञानिकों ने चार जोन में प्रदेश को विभाजित किया था। प्रदेश के चार जिले बांदा मेरठ, चित्रकूट व महोबा को ड्राई एरिया माना जाता है और यहां की उत्पादकता 1 से 2 टन प्रति हेक्टेयर है, वहीं गाजियाबाद, मेरठ और बागपत जिले उच्च उत्पादकता वाले जिले हैं, यहां 4 टन प्रति हेक्टेयर से ज्यादा की उत्पादकता दर्ज की गयी है। हालांकि प्रदेश के 31 जिलों 3 से 4 टन प्रति हेक्टेयर और 26 जिलों में 2 से 3 टन प्रति हेक्टेयर गेहूं की पैदावार हो रही है।

हालांकि अब वैज्ञानिक इन इलाकों के लिए गर्मी सहने वाली नई-नई वैराइटियों को तैयार कर रहे हैं, वैज्ञानिक खास तौर के प्रदेश के इन एग्रो क्लाइमेटिक जोन के हिसाब से वैराइटी बना रहे हैं। कुछ समय पहले निदेशालय ने डीबीडब्लू- 17 वैराइटी तैयार की थी, जिसकी उत्पादकता 6 टन प्रति हेक्टेयर होने के दावा किया गया था।

वैज्ञानिक कहते हैं कि एचडी-2967, डीपीडब्लू 621-50, डीबीडब्लू ऐसी वैराइटियां है जो महज 140 दिन में तैयार होती हैं। जबकि देर से बोई जाने वाली डब्लूएच-1021 को 20 दिसंबर तक बो देना चाहिए इसके अलावा एचडी-3043 ऐसी वैराइटी तैयार की गयी है जिसे महज एक या दो बार पानी देने से 4 टन प्रति हेक्टेयर की पैदावार मिल सकती है। इन सभी वैराइटियों में गर्मी को सहने की क्षमता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि प्रदेश में गेहूं की फसल के अलावा किसान गन्ना और देर से धान की फसल बोते हैं,जिसके चलते सही समय पर गेहूं की बुआई नहीं हो पाती है। क्योंकि मानसून की देरी के कारण धान की बुआई में देरी होती है और इसका गेहूं की पैदावार पर असर होता है, जबकि पंजाब में स्थिति उलट है वहां सही समय पर गेहूं की बुआई होती है और इससे दाने को पकने का पूरा समय मिल जाता है, जिससे उत्पादकता में बढ़ोत्तरी होती है।

## फर्नीचर गोदाम में लगी आग से हजारों का सामान स्वाहा

**लखनऊ।** गुडम्बा क्षेत्र में शनिवार की प्रात: एक फर्नीचर के गोदाम में आग लगने से उसमें रखी हजारो की कीमती लकड़ी जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुॅची फायर बिग्रेट की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक कुर्सी रोड आदिल नगर निवासी व फर्नीचर व्यवसायी रामचन्द्र यादव की कुर्सी रोड़ स्थित एन.आर.एल पेट्रोलपम्प के पास फर्नीचर का गोदाम है।शनिवार की सुबह करीब 8बजे उक्त गोदाम मे आग लग गई दुकान से धुवां निकलता देख रामचन्द्र की पत्नी रामावती यादव ने शोर मचाया शोर सुनकर आस-पास के लोग दौड़कर वहां पहुॅचे और आग लगने की सूचना स्थानीय पुलिस और फायर बिग्रेट को दी और खुद भी आग बुझाने मे जुट गये। सूचना पर पहुॅची फायर बिग्रेट की दो गाड़ियो के दमकल कर्मियों ने कड़ी मसक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

**उ०प्र० मत्स्य विकास निगम लि०**
तृतीय तल, सेवराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, फैजाबाद रोड, लखनऊ

निविदा सूचना संख्या-13/मविनि/निर्माण/2012-13 दिनांक: 23.11.2012

**अल्पकालीन निविदा सूचना**

निगम के अनुभवी एवं अन्य शासकीय विभागों में पंजीकृत, अनुभवी, आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं सम्बन्धित कार्यों को करने हेतु सक्षम ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा प्रपत्र एवं विशिष्टियां निगम कार्यालय से दिनांक 04.12.2012 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त की जा सकती है। निगम द्वारा निविदायें दिनांक 06.12.2012 को अपरान्ह 3.00 बजे तक प्राप्त की जायेगी तथा उसी दिन अपरान्ह 3.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

| कार्य स्थल का नाम | धरोहर धनराशि (रू.) | निविदा का मूल्य (रू.) | कार्य पूर्ण करने की तिथि/समय |
|---|---|---|---|
| त्रिवेणी हैचरी, इलाहाबाद पर मुख्य सड़क से हैचरी तक सी. सी. रोड का निर्माण। | 15000.00 | 300+ वैट | दो माह |

नियम व शर्तें–1. [illegible]

मुख्य परियोजना अभियंता/मुख्य महा प्रबन्धक

# लंबी नहीं चलेगी असहज शान्ति

गेस्ट कालम
कंचन गुप्ता

**इज़राइल को अब अबू माज़ेन के साथ पुनः व्यवस्था के लिए जोर देना चाहिये। केवल शान्ति ही सुनिश्चित कर सकती है कि उस सीमा के दोनों ओर ज्यादा लोगों की जान न जाये जो इज़राइल और फिलिस्तीन को विभाजित करती है।**

लगभग एक सप्ताह के कड़े संघर्ष और इसके परिणाम स्वरूप हताहतों की संख्या बढ़ने के बाद अन्ततः इज़राइल और हमास ने युद्धविराम पर सहमति दी है। झड़प की एक दो घटनाओं को छोड़ कर इज़राइल और गाजा को विभाजित करने वाली सीमा पर खामोशी है, भले ही इसे शान्ति न कहा जा सके। इससे लगातार हवाई हमलों का संकेत देने वाले साइरन बंद हो गये हैं। जहां गाजा अपने मृतकों की गिनती कर रहा है, वहीं हमास नुकसान का जायजा ले रहा है। इस स्थिति में इज़राइल आपरेशन पिलर आफ डिफेंस की विस्तृत विवेचना कर रहा होगा। आश्चर्यजनक रूप से प्रभावी 'आयरन डोम' ने भविष्य में युद्ध के दौरान प्रयोग की जाने वाली तकनीक की एक झलक पेश की है जिसकी समीक्षा भी होगी। मिसाइलों से बचाव के लिए यह एक आश्चर्यजनक कवच है। इससे एक नया प्रतिरोधक तैयार किया जा सकता है जो इस बात पर आधारित होगा कि दुश्मन को अपना गोला बारूद बर्बाद करने दे। वर्तमान समय तथा अगली बार 'आयरन डोम' के सक्रिय होने के बीच हम इसकी ज्यादा सटीकता की उम्मीद कर सकते हैं और यह बेहतर तरीके से उच्च सटीकता के साथ मिसाइलों और राकेटों का पता लगा कर उनको रोक कर नष्ट कर देगा। भारत के लिए अच्छा होगा कि वह इस कृत्रिम बुद्धि पर आधारित आश्चर्यजनक हार्डवेयर को फौरन खरीद लेगा नहीं तो इसके खरीदारों की सूची लंबी हो जायेगी।

नवीनतम झड़प इज़राइल के पुनर्जन्म के दुखद इतिहास में एक और घटना जोड़ेगा। जमीन का यह छोटा सा टुकड़ा पहले जूडा के राज्य द्वारा नियंत्रित था और जहां से यहूदियों को देश निकाला मिला था तथा यहूदी राष्ट्र के निरन्तर संघर्ष के बाद उनको अस्तित्व का अधिकार मिला। हम जानते हैं कि दुनिया में दूसरे स्थान पर व्याप्त शान्ति कभी इज़राइल और उसकी यहूदी, अरब व ईसाई जनता तक नहीं पहुंची या उसे सेना की राजनीति से अलग होने का अवसर नहीं दिया गया।

इसके बाद जो सवाल उठता है वह हिंसा और नृशंस दंड का कभी समाप्त न होने वाले दुष्चक्र के बारे में है। इज़राइल में कोई भी स्वयं के मारे जाने या किसी को मारने का विकल्प नहीं चुनना चाहता है। हालांकि यह यहूदी राष्ट्र के बचे हिस्से को बचाये रखने का एकमात्र विकल्प है जो वैश्विक स्तर पर एक अल्पसंख्यक की स्थिति में है तथा उसकी उम्मीदें भी इसी स्थिति में हैं। एक अरब से अधिक जनसंख्या वाले भारत से देखने पर आपरेशन पिलर आफ डिफेंस निसंदेह असाधारण रूप से आक्रामक दिखता है क्योंकि यहा एक आतंकवादी घटना में 166 लोगों को अपने प्राण गंवाने पड़ते हैं तथा एक आतंकवादी की फांसी होती है। इस आपरेशन के कारण हमारे देश में फिलिस्तीन के समर्थन की अनेक अभिव्यक्तियां सामने आती हैं। हमारी कल्पना में यहूदियों से घृणा करने वाले फिलिस्तीनी हमास या इस्लामी जिहाद से जुड़े हैं और उनको संरक्षण देने वाले अरब राज्य तथा इस्लामी ईरानी गणतंत्र है।

विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद को वह बयान देने की आवश्यकता नहीं थी जिसमें भारत को लंबे समय से अपनाई जाने वाली स्थिति स्पष्ट की गई है जो अरब दुनिया के संदर्भ में इतिहास का विकृतीकरण है। लेकिन वे इस मामले में अकेले नहीं हैं। उनसे पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक निरर्थक बयान देकर देश में व्याप्त इन भावनाओं की अनदेखी की थी कि भारत, इज़राइल और फिलिस्तीन दोनों के अस्तित्व के प्रति प्रतिबद्ध है तथा यह भी कि वे एक दूसरे की सुरक्षा का उल्लंघन न करें। अरबों ने कभी भी भारत की जम्मू कश्मीर के मामले पर खिंचाई बंद नहीं की थी और कभी भारत के मामले पर पाकिस्तान का समर्थन करने में हिचक भी नहीं दिखाई थी। भारत के प्रति उनकी घृणा इस कारण है कि उसने तेलअबीब के लिए अपने दरवाजे खोले तथा इज़राइल ने भी ऐसा ही किया। अरबों अथवा हमास या अबू मेज़ान के इज़राइल के खिलाफ हमलों के लगातार समर्थन से अरब महलों या अरब सड़कों पर हमारे प्रति दृष्टिकोण बदलने वाला नहीं है। इसके बावजूद हम लगातार इस विकृति का शिकार हैं और यह इस कारण ज्यादा दयनीय है कि भारत की सुरक्षा अब इज़राइली तकनीक, सप्लाई और सहयोग पर निर्भर है। एक अस्तित्वहीन विमान वाहक के लिए हम रूस को भारी मात्रा में भुगतान करने को तैयार हैं और उम्मीद करते हैं कि वह पाकिस्तान या चीन द्वारा सीमा पर की गई अगली चालबाजी की स्थिति में हमारी रक्षा करेगा।

उदाहरण के लिए, याद करें कि इज़राइल कैसे सातोंरात भारत की सहायता के लिए सामने आया और कारगिल में उसने पाकिस्तान की धोखाधड़ी के खिलाफ मामला उलट दिया। फर्जी नैतिकता का प्रदर्शन और खोखले विचारधारात्मक विचारों का भू-रणनीति की कठोर दुनिया में कोई स्थान नहीं है। वे हमारे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ जाते हैं। लेकिन हमें लड़ाई के मैदान पर गौर करना चाहिये जहां हमास ने ईरानी राष्ट्रपति महमूद अहमदीनादजे की इच्छा पूरी करने का प्रयास किया जो इज़राइल को दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहते हैं तथा वे ईरान द्वारा सप्लाई किये राकेटों से इज़राइल के नागरिक क्षेत्रों पर हमले करते हैं।

युद्धविराम प्रभावी होने के बाद जल्दी से इस स्थिति की समीक्षा करने पर पता चलता है कि दुनिया आपरेशन पिलर आफ डिफेंस की वास्तविकता समझ रही है। वह देख रही है कि यह फिलिस्तीनियों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई नहीं थी लेकिन हमास की बढ़ते आक्रमण को देखते हुए एक सुविचारित प्रतिक्रिया थी। राकेटों की लगातार वर्षा के कारण इज़राइल को अपनी आत्मरक्षा में यह कार्रवाई करनी पड़ी तथा पहली बार राकेटों से तेलअबीब और येरूशलम को निशाना बनाया गया था।

कोई भी संघर्ष बिना दोनों पक्षों के नुकसान के नहीं होता है। इज़राइली हताहतों की संख्या इस बार गाजा पट्टी में विनाश की तुलना में कई गुना कम थी। इसके बावजूद यह एक असमान युद्ध का परिणाम था जिसे हमास को समझना चाहिये। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि हमास के इज़राइल पर हमले के जवाब में अत्यधिक बल का प्रयोग किया गया है। लेकिन यह सबक हमास के लिए है और इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मृतकों में महिलायें और बच्चे थे। हालांकि, यह प्रचार के लिए अच्छा है खासकर जब फोटोग्राफों को कंप्यूटर साफ्टवेयर का प्रयोग कर समुचित रूप से बदल दिया गया हो। हमास और इज़राइली रक्षा बलों ने सोशल मीडिया का व्यापक प्रयोग किया है जिसने इस विभीषिका की निन्दा को बढ़ावा दिया है। खासकर हमास ने सोशल मीडिया मंचों का प्रयोग अपने प्रचार के लिए किया जबकि इज़राइल ने बदले की कार्रवाई की पारदर्शिता प्रदर्शित करने के लिए ऐसा किया और इसने अपना उद्देश्य बखूबी पूरा भी किया।

इससे हम फिर वहीं पहुंच जाते हैं जहां से बात शुरू हुई थी तथा इसका परिणाम युद्धविराम के रूप में सामने आया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि हमास ने युद्धविराम पर सहमति व्यक्त की थी और बाद में धड़ल्ले से उसका उल्लंघन किया। ऐसा पहली बार होगा भी नहीं। हमास ऐसे समझौते को केवल एक रणनीति के रूप में देखता है ताकि उसे सुधार, फिर से एकत्र होने, हथियारों से लैस होने और फिर हमला करने का मौका मिल सके।

निसंदेह आपरेशन पिलर आफ डिफेंस ने हमास के हथियारों, इसकी कमांड और नियंत्रण संरचनाओं तथा इसकी आतंकवाद फैलाने वाले नेतृत्व को काफी हद तक नष्ट कर दिया है। लेकिन यही काम आपरेशन कास्ट लीड ने भी किया था। यदि कोई समाधान निकाला जाना है तो मिस्र को इस क्षेत्र में शान्ति के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिये तथा उसे सिनाई के माध्यम से हमास को हथियारों की सप्लाई रोकनी चाहिये। मिस्र के राष्ट्रपति मुहम्मद मुर्सी को इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिये ताकि हमास को युद्धविराम के समर्थन के लिए मजबूर किया जा सके। व्यापक राय के विपरीत तथा अन्य अरब राज्यों में सलाफियों व इखवानियों की उम्मीदों के उलट मुर्सी ने इस क्षेत्र में शान्ति निर्धारित करने में अपनी प्रमुख भूमिका अदा की है जिसे ईरान तथा उसके उग्रवादी सहयोगियों से खतरा है। यह अपने आप में आश्वस्त करने वाला है कि संघर्ष का परिणाम संभवतः उचित है, पर यह अपने आप में काफी नहीं है।

इस बीच इज़राइल को अबू माज़ेन के साथ अपना संवाद पुनर्जीवित करना चाहिये, भले ही वे शान्ति वार्ताओं में शामिल होने के इच्छुक न हों। उसे ऐसा काम अपनी शक्तिशाली स्थिति के साथ करना चाहिये जो इज़राइल को अपनी स्थिति पुनः परिभाषित का मौका भी देती है। येरूशलम को अपनी नजर से यह कभी ओझल नहीं होने देना चाहिये कि असहज युद्धविराम की शान्ति ज्यादा लंबे समय तक जारी नहीं रह सकती तथा इज़राइल और फिलिस्तीन को शान्ति का माहौल चाहिये।

# मध्यपूर्व में जारी युद्ध और शान्ति की संभावनायें

स्टेनले एड

**हमास-इज़राइल संघर्ष समाप्त करने के लिए मूल रूप से एक अलग व्यवस्था की आवश्यकता होगी। अधिकांश लोगों का विश्वास है कि इज़राइल और मिस्र के बीच समझौता होना सर्वोत्तम है जिसका समर्थन अमरीका एवं यूरोपीय संघ करें। लेकिन क्या इस स्थिति में हमास खामोश रहेगा?**

कहा जाता है कि इस क्षेत्र में तैयारी से टकराव के बीच अनेक भटकाव आते रहे। अमरीका के राष्ट्रपति चुनावों ने मध्यपूर्व मामलों को जैसे माइक्रोवेव में रख कर उनका समय अनिश्चित कर दिया था। एक समय ऐसा लगा कि 200 मिलियन लोगों का भविष्य दो महाद्वीपों के पार खेले जाने वाले राजनीतिक खेल पर निर्भर हो गया था। आश्चर्य नहीं कि इस नाटक के दो चरित्रों ने अंतराल के बीच में ही हमला कर दिया। हमास तथा इसके बाद इज़राइल ने अपनी युद्ध मशीनरियों का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया कि वाशिंगटन में विजेता को एक सप्ताह की विभीषिका के बाद फौरन इस मामले पर ध्यान देना पड़े।

राकेट हमलों और उसके जवाबी हमलों से एक सप्ताह में मारे जाने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक नहीं है। इस झड़प में लगभग 150 फिलिस्तीनी तथा केवल चार इज़राइली नागरिक मारे गये। वास्तव में इससे बड़ी खबर इज़राइली रक्षा कवच प्रणाली 'आयरन डोम' रही जिसने हमास के सैकड़ों राकेटों को नष्ट कर दिया। इस प्रणाली द्वारा हमलावर राकेटों का पता लगा कर इनको जवाबी मिसाइलों से मार गिराने की खबर ने 19 नवंबर को गाजा पट्टी में बमबारी की उस भयंकर खबर को पीछे धकेल दिया जिसमें चार बच्चों की जान गई थी तथा सात अन्य निरपराध नागरिक मारे गये थे। लेकिन यह 1991 में खाड़ी युद्ध में टीवी कवरेज द्वारा स्थापित प्रवृत्तियों के अनुसार ही रही जिसे आरामकुर्सियों पर बैठे युद्ध पिपासुओं के लिए तैयार किया गया था जो 'अच्छे लोगों' की तकनीकी प्रगति से अभिभूत थे तथा निश्चित रूप से इतने अमीर थे कि इस प्रसारण का खर्च वहन कर सकें।

लेकिन इस युद्ध के गंभीर अध्येता मध्यपूर्व के वर्तमान प्रकरण को अलग प्रकार से देखते हैं। 2008 में हमास के खिलाफ 'आपरेशन कास्ट लीड' नामक अभियान ने दोनों पक्षों के बीच चार साल तक शान्ति बनाये रखी थी, हालांकि यह थोड़ी असहज शान्ति थी। पिछले साल हमास लड़ाकुओं द्वारा लगभग एक हजार फिलिस्तीनी कैदियों के बदले 2006 में पकड़े गये इज़राइली सैनिक गिलाड शालिट की रिहाई से काफी अनुमान लगाये गये थे और उम्मीद की गई थी कि शायद इज़राइल और हमास ने अपने संघर्ष के प्रबंधन का नया तरीका खोज लिया है। सवाल था कि क्या हम बदले हुए इज़राइल को देख रहे हैं जो अपने अधिकारों पर कम जोर देने वाला तथा ज्यादा लचीला था?

जल्द ही ये उम्मीदें उस समय धूल में मिल गईं जब 10 नवंबर को हमास ने इज़राइली क्षेत्र के भीतर इज़राइली गश्ती दल पर हमला किया। इज़राइल की प्रतिक्रिया ने बहुत से लोगों को ज्यादा आक्रामक प्रतिक्रिया पर उसकी निर्भरता की पुरानी यादें ताजा कर दीं। इज़राइल ने आगे बढ़ कर हमास के सेना प्रमुख अहमद जाबारी की हत्या कर दी। इस बिन्दु से आगे जो कुछ हुआ वह पहले की ही तरह था।

हमें समझना चाहिये कि काफी अंतराल के बाद वर्तमान संघर्ष मध्यपूर्व में राजनीतिक ताकतों के पुनः ध्रुवीकरण का नतीजा है। मिस्र अब बदल गया है और वे लोग चले गये हैं जिन्होंने इज़राइल के प्रति व्याप्त घृणा समाप्त करने के लिए अपनी इच्छा से 1977 में कैम्प डेविड समझौता किया था। सीरिया आज अराजकता में घिरा है और इसके पतनशील तानाशाह अपनी सत्ता बचाने के लिए जियनवाद के पुराने भूत जिन्दा कर रहे हैं। हमास का जनक ईरान नाभिकीय क्षमता से थोड़ी ही दूर है या संभवतः उसने इसे प्राप्त भी कर लिया है और वह सभी प्रमुख पक्षों से पहल अपने हाथ में लेना चाहता है। ये सारे बदलाव हमास के लिए अच्छे हैं और कट्टर समर्थकों के अपने साथ होने के कारण वह इस समय पहल अपने हाथ में क्यों नहीं लेना चाहेगा?

अमरीका में नई सोच, मिस्र के राष्ट्रपति मुहम्मद मुर्सी पर दबाव डालने की है कि वे इज़राइल के साथ अक्सर असहज रहे 35 साल पुराने संबंध बनाये रखें। हालांकि, ऐसे संबंधों के लिये इज़राइल में ज्यादा उम्मीद नहीं है, जहां चुनावी दबाव प्रधानमंत्री नेतन्याहू को दक्षिणपंथ पर ज्यादा ध्यान देने को मजबूर कर सकते हैं जो क्रान्ति के बाद मिस्र के इरादों पर गंभीर संदेह व्यक्त कर रहे हैं। दक्षिणपंथियों की लफ्फाजी वाशिंगटन के उन स्वरों जैसी है जहां कांग्रेस सदस्यों का एक समूह यहूदी लोगों पर जिहाद के बढ़ते खतरे का भय प्रकट करता रहता है। लेकिन राष्ट्रपति मुर्सी ने अनेक अवसरों पर कैम्प डेविड समझौते का सम्मान करने का अपना इरादा जताया है। अगस्त में ही इज़राइल ने उनके विदेश मंत्री को येरुशलम आमंत्रित किया था, हालांकि उस समय सिनाई में 'आतंकवादी' समूह अपनी गतिविधियां कर रहे थे तथा उनके समानान्तर समूह ईरान के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर रहे थे। यह स्थिति हुस्नी मुबारक युग के उलट थी जिन्होंने नाभिकीय इरादे वाले राज्य को बढ़ावा नहीं दिया था।

इसके बावजूद अधिकांश मिस्रवासियों की संभवतः अमरीका को सुनाने के लिए यह राय है कि मुर्सी 'व्यावहारिक' हैं और वे शान्ति प्रक्रिया पर कोई दबाव नहीं डालेंगे। लगता है कि राष्ट्रपति ओबामा साहसी उदारवादियों के समर्थन की अमरीकी परंपरा पर चलने में गंभीरता से विश्वास करते हैं। कोई संदेह नहीं कि बदली परिस्थितियों में स्थाई शान्ति के लिए नई व्यवस्था आवश्यक है। युद्धविराम समझौते में आवश्यक रूप से अन्य पक्षों को शामिल किया जाना चाहिये तथा उसमें हिंसा रोकने के अतिरिक्त उपाय जोड़े जाने चाहिये। यदि यह समझौता प्रमुखतः इज़राइल-मिस्र समझौते के आधार पर हो तथा अमरीका व संभवतः यूरोपीय संघ इसका समर्थन करें तो इसके स्थाई होने की संभावना सर्वाधिक होगी।

हमास को ये शर्तें स्वीकार करनी होंगी। मिस्र की मुस्लिम ब्रदरहुड नीत सरकार ने हमास के साथ एकजुटता के अनेक बयान दिये हैं। लेकिन काहिरा को अन्ततः हमास को समर्थन देने के बावजूद युद्धविराम की आवश्यकता है तथा मिस्र की नई सरकार गाजा और मिस्र के बीच राफा रास्ता खोलने के लिए इस समूह को रक्षा गारंटी देने से हिचक रही है। मिस्र के राष्ट्रपति मुहम्मद मुर्सी ने शुक्रवार को इसी बात को रेखांकित करते हुए कहा, 'अब हम युद्ध नहीं चाहते हैं'।

मिस्र अच्छी तरह जानता है कि हमास द्वारा इज़राइली नागरिकों पर राकेट दागने और उसके द्वारा इस संगठन के समर्थन से अंतर्राष्ट्रीय सहायता के रूप में प्राप्त होने वाले देश के अरबों डालर पर संकट आ जायेगा। मिस्र के दीवालिया खजाने को हर साल अमरीका से 450 मिलियन डालर, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष से 6.3 अरब डालर तथा यूरोपीय संघ के विकास बैंक से सालाना 6.3 अरब डालर चाहिये। इससे पता चलता है कि काहिरा द्वारा पिछले कुछ दिनों में इज़राइल विरोधी अनेक बयान दिये जाने के बावजूद मिस्र ने तेलअबीब में अपने नव-नियुक्त राजदूत को वापस बुलाने के सिवा वर्तमान घटनाक्रम के संबंध में कोई और कार्रवाई नहीं की है। इसके साथ ही मिस्र की सेना और खुफिया एजेंसियां इज़राइल के साथ कोई और टकराव नहीं मोल लेना चाहती हैं।

संघर्ष के प्रति मिस्र के आधिकारिक विरोध को देखते हुए मिस्र और इज़राइल को गाजा के बारे में समझ बनाने का प्रयास करना चाहिये। इसके लिये उनको 1979 के मिस्र-इज़राइल शान्ति समझौते को अरब वसंत के बाद वाले युग में स्वीकृति देनी चाहिये। मिस्र-इज़राइल समझदारी के अनेक आयाम हो सकते हैं।

पहला, अपने खुफिया निदेशालय के माध्यम से पीछे रह कर कार्रवाई करने के बजाय मिस्र को सर्वोच्च राजनीतिक स्तर पर इज़राइल-हमास युद्धविराम की पुष्टि करनी चाहिये। अपने आप में यही इज़राइल के साथ संबंध सामान्य बनाने के मामले में मुर्सी प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण होगा जिसने फिलहाल उस देश के साथ सैनिक या खुफिया सहयोग के अलावा और कोई संबंध रखने पर विराम लगा रखा है।

मिस्र को दो चीजों के बीच चुनाव करना है। वह अपने इच्छानुकूल युद्धविराम के लिए इज़राइल से संवाद कर सकता है या गाजा में हिंसा जारी रहने को प्रोत्साहित कर सकता है। लेकिन मिस्र द्वारा राजनीतिक प्रक्रिया में भाग न लेने की इच्छा प्रदर्शित करने पर वाशिंगटन में खतरे की घंटियां बजने लगेंगी।

अन्तिम बात यह है कि गाजा में अधिकांश हथियार मिस्र के क्षेत्र से होकर लाये गये थे, इसलिये काहिरा, हमास का शस्त्रागार फिर बनाने से इनकार कर सकता है। सालों से मिस्र सिनाई प्रायद्वीप में स्मगलिंग के प्रति अपनी आंखे बंद किये है और उन 1200 सुरंगों को सहन कर रहा है जो मिस्र-गाजा सीमा के नीचे बनी हुई हैं। काहिरा इन सुरंगों को बंद करने तथा स्वेज नहर से गुजरने वाले हथियारों पर लगाम लगाने का प्रयास कर सकता है। मिस्र घरेलू रूप से पहले से ही अस्थिर है और उसके पास इस बात के सारे कारण हैं कि हमास और उसके सहयोगियों के सैन्यीकरण पर लगाम लगाई जाये।

# क्या सोशल मीडिया के जरिए होगी आधुनिक क्रांति

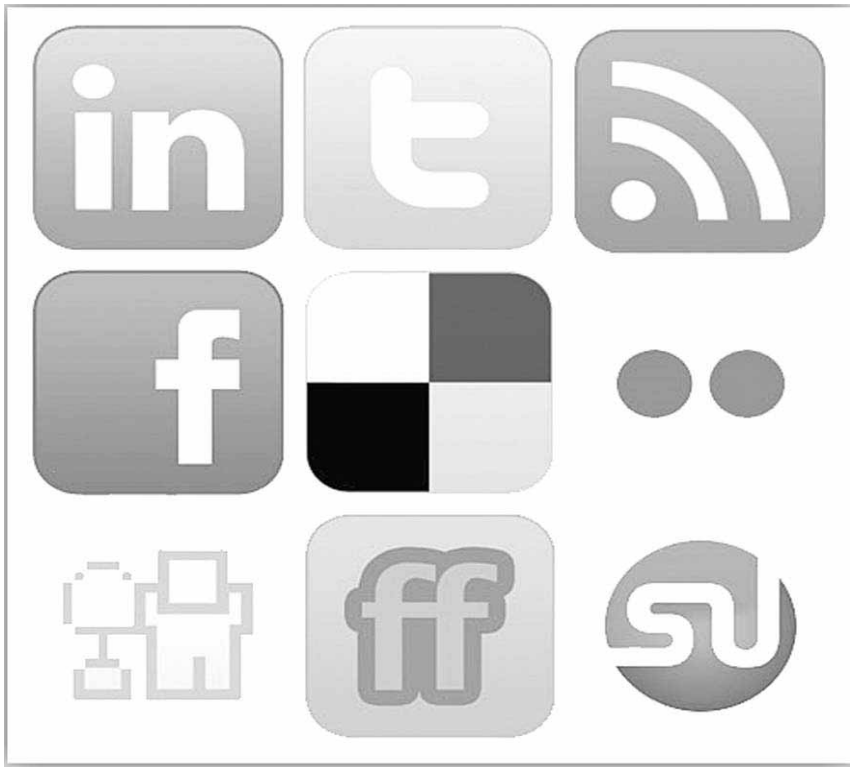

**माना जाता है कि अरब देशों में दमनकारी सत्ता के विरोध में लोगों को एकजुट करने में सोशल मीडिया की भूमिका काफी अहम थी। लिहाजा अब लोगों को क्रांति का नया पाठ पढाने के लिए इटली में एक केन्द्र खोला गया है, जहां छात्रों को इन वेबसाइट्स का इस्तेमाल क्रांति के लिए कैसे किया जाए, इसके बारे में सिखाया जाएगा।**

सॉन कूगलान

**क्या दुनिया** की अगली क्रांति फेसबुक, ट्वीटर और मोबाइल फोन पर लिखी जाएगी? इस बात में कितना दम है इसके बारे में कुछ ठोस नहीं कहा जा सकता लेकिन इन दिनों इस पर चर्चा खूब हो रही है। अरब देशों में हुई क्रांति में इन साइट्स के इस्तेमाल को मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। माना जाता है कि अरब देशों में दमनकारी सत्ता के विरोध में लोगों को एकजुट करने में सोशल मीडिया की भूमिका काफी अहम थी। लिहाजा अब लोगों को क्रांति का नया पाठ पढाने के लिए इटली में एक के न्द्र खोला गया है, जहां छात्रों को इन वेबसाइट्स का इस्तेमाल क्रांति के लिए कैसे किया जाए, इसके बारे में सिखाया जाएगा। दुनिया भर के छात्रों को मानवाधिकार की लड़ाई के लिए ऑनलाइन तकनीक सिखाने के लिए इटली के फ्लोरेंस में एक अंतराष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र खोला गया है। फ्लोरेंस में प्रशिक्षण केन्द्र खोलने वाली अमरीकी संस्थान रॉबर्ट कनेडी मानवाधिकार और न्यायिक केन्द्र का कहना है यह केन्द्र लोगों को मानवाधिकार की लड़ाई के लिए ऑनलाइन तौर तरीकों के व्यवहारिक और शैक्षणिक पहलुओं की जानकारी देगा।

### मानवाधिकार के ऑनलाइन तरीके

**फ्लोरेंस में** ये केन्द्र एक पुराने जेल में खोला गया है जिसे फ्लोरेंस शहर की तरफ से केन्द्र को दान में दिया गया है। केंद्र के प्रमुख फेडरिको मोरो का कहना है कि इस संस्थान का मूल उद्देश्य तकनीक के जरिए जनतांत्रिक और न्यायिक व्यवस्था कायम करना है। मोरो कहते हैं कि सोशल मीडिया के जरिए समाज में बड़े बदलाव संभव हैं। उनके मुताबिक,-क्रान्तिकारियों के पास जूनून होता है, विश्वास होता है लेकिन इनको व्यवहारिक जानकारी की भी जरूरत होती है। बदलाव के लिए जरूरी है आपके भीतर कौशल का होना। रॉबर्ट कनेडी संस्थान उन छात्रों को स्कॉलरशिप देकर इस पढ़ाई के लिए मदद करेगा, जो ब्लॉग लिखते हों और क्रान्तिकारी हों, उन्हें नामांकन में प्राथमिकता दी जाएगी। अपने किस्म का यह एक अनोखा केन्द्र है जहां ऑनलाइन क्रान्ति का पाठ पढ़ाया जाएगा। लेकिन ब्रूकलैंड के मानवाधिकार समूह के कार्यकर्ता क्रिश माइकल ऑनलाइन क्रान्ति को सिरे से खारिज करते हैं। माइकल का कहना है कि सोशल मीडिया के जरिए क्या तानाशाही खत्म की जा सकती है? क्या यू ट्यूब और ट्वीटर के माध्यम से हिटलर और स्तालिन सरीखे लोगों की पोल खोली जा सकती है।

### मोबाइल और फेसबुक से आएगी क्रान्ति

**क्या वाकई** आधुनिक क्रान्ति मोबाइल फोन के स्क्रीन और आई-फोन से बाहर निकलेगी? लेकिन यह सब इतना आसान नहीं है। क्रिश का कहना है कि आप अपनी बातों और जज्बातों को कहीं पर लिख सकते हैं, छाप सकते हैं, दिखा सकते हैं तो इसका यह मतलब नहीं है कि आप समाज में बदलाव भी ला सकते हैं। जबकि जॉर्डन की एक कार्यकर्ता और पत्रकार राना हुसैनी, माइकल से अलग राय रखती हैं। सम्मान के लिए हत्या के मसले पर काफी काम कर रही हुसैनी कहती हैं कि इंटरनेट ने आम लोगों को अपनी आवाज बुलंद करने का एक मंच दिया है। आम लोगों को विरोध दर्ज करने के लिए पहले जहां सड़कों पर उतरना जरूरी होता था, वहीं अब कुछ लोग फेसबुक और ट्वीटर के जरिए अलख जगा लेते हैं। अरब देशों में दमनकारी सत्ता के विरोध के लिए लोगों ने इन वेबसाइट्स का जमकर इस्तेमाल किया। इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि कई जगहों पर फेसबुक और ट्वीटर के जरिए क्रान्ति का आगाज भी हुआ और अंदाज सड़कों पर दिखा।

अगर ये कहा जाए कि स्ट्रीट प्रोटेस्ट अब ट्वीट प्रोटेस्ट में बदल रहा है तो इसमें कोई दो राय नहीं होगी। लेकिन सच भी यही है कि असली क्रान्ति सड़क पर ही होती है। ऐसे में फ्लोरेंस में खुले संस्थान की भूमिका कितनी अहम होगी ये जानना काफी दिलचस्प होगा।

# भारतीय खेलों में कारोबार तलाशते अप्रवासी

हसित शाह

**कई लोगों** को इस बात से हैरानी होती है कि क्रिकेट में झंडे गाड़ने वाले भारत की आबादी एक अरब से ज्यादा है फिर भी लंदन ओलंपिक में उसे एक स्वर्ण पदक तक नहीं मिल पाता।

लेकिन भारत की विशालता, उसकी युवा आबादी,बढ़ती अर्थव्यवस्था और सुलभ मीडिया दुनिया के तमाम बड़े खेल संगठनों को यहां संभावनाएं तलाशने के लिए आकर्षित कर रहे हैं। भारत में फुटबॉल की लोकप्रियता से स्टीव बेलिस को भी हैरानी हुई जो लिवरपूल एफसी की विदेशों में होने वाली गतिविधियों से जुड़े हैं और एक साल में दस बार भारत का दौरा करते हैं। वह कहते हैं कि मैं जब पहली बार भारत गया तो मुझे लगा कि यहां बस क्रिकेट ही क्रिकेट है, लेकिन मुझे मुंबई में खेल के मैदानों, सड़कों, समंदर किनारे हर जगह बच्चे फुटबॉल खेलते नज़र आए।

स्टीव कहते हैं कि फुटबॉल भारत में लोकप्रिय हो रहा है और इसका यहां बड़ा बाज़ार है। फुटबॉल प्रेमी भारतीयों के लिए इंग्लैंड प्रीमियर लीग बड़ा आयोजन है जो टीवी पर आसानी से देखा जा सकता है। लीवरपूल उन फुटबॉल क्लबों में से है जो भारत में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रतिद्वंद्वी मेनचेस्टर यूनाइटेड ने भारत के प्रमुख शहरों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है और अपने निदेशक मंडल में एक भारतीय को भी जगह दी है।

स्टीव बेलिस तसल्ली से काम करने में भरोसा रखते हैं। उन्हें नहीं लगता कि पैसा आसानी से पैदा होता है और ऐसा करने का उनका कोई इरादा भी नहीं है। वह कहते हैं कि यहां कई क्लब खुल गए हैं जो खुद को अकादमी बताते हैं, यहां कुछ फुटबॉल स्कूल भी हैं जहां वे बच्चे भर्ती होते हैं जिनके माता-पिता कोच का खर्चा उठा सकते हैं। इसका काबिलियत से कोई रिश्ता नहीं है। वह कहते हैं कि हम अपने मुनाफे का इस्तेमाल बाकायदा फुटबॉल अकादमी स्थापित करने में करना चाहते हैं ताकि युवा खिलाड़ी आगे आ सकें। फुटबॉल को आगे बढ़ाने में पैसा लगाने के पीछे कई तर्क हैं:जैसे एक यह कि यदि अधिक से अधिक बच्चे फुटबॉल खेलेंगे तो इससे इस खेल का ही भला होगा। भारत में कारोबार करने में परिवहन और नौकरशाही जैसी तमाम दिक्कतों का सामना करने के बावजूद स्टीव बेलिस को यहां भविष्य के लिए अवसर नजर आते हैं। वह कहते हैं कि यदि आपको सही साझेदार मिल जाए तो बड़ा फायदा है। भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

### खेल उद्योग और वतन वापसी

**डेट्राएट में** रहने वाले 37 वर्षीय आकाश जैन नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन का भारत में कामकाज देखते हैं। वे उन कई भारतीय-अमरीकियों में से एक हैं जो उस वतन की ओर लौट रहे हैं जिसे उनके माता-पिता ने कई वर्षों पहले छोड़ दिया था। आकाश कहते हैं कि फुटबॉल से मेरा लगाव रहा है, इसे आगे बढ़ाने का काम करना मुझे अच्छा लगता है। उनका कहना है कि अमरीका का नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन भारत में अपनी जगह तलाशने की कोशिश कर रहा है। आकाश को मुंबई में रहना अच्छा लगता है और उनकी अगले कुछ वर्षों तक भारत में रहने की योजना है। आकाश कहते हैं कि नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन दुनिया की एकमात्र स्पोर्ट्स लीग है जो भारत में अपना पुख्ता आधार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आकाश जैन का कहना है कि भारत में पचास लाख लोग हैं जो नियमित रूप से बॉस्केटबॉल खेलते हैं और नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन से जुड़ने वालों की संख्या में 50 फीसद इजाफा हुआ है। आकाश के अनुसार,-आपको यहां धंधा करना है तो यही रहना होगा। गौरतलब है कि नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन ने बॉस्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में एक बड़े प्रसारण करार पर दस्तखत किए हैं जिसके तहत इस खेल के चाहने वाले एक सीज़न में लगभग 100 गेम्स का सीधा प्रसारण देख सकेंगे।

**डेट्राएट में रहने वाले 37 वर्षीय आकाश जैन नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन का भारत में कामकाज देखते हैं। वे उन कई भारतीय-अमरीकियों में से एक हैं जो उस वतन की ओर लौट रहे हैं जिसे उनके माता-पिता ने कई वर्षों पहले छोड़ दिया था। आकाश कहते हैं कि फुटबॉल से मेरा लगाव रहा है, इसे आगे बढ़ाने का काम करना मुझे अच्छा लगता है।**

### कारोबार की राह नहीं आसान

**एक तरफ** जहां बड़े फुटबॉल क्लब और नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन जैसी प्रमुख लीगें अपने लोगों को भारत भेज रही हैं, वहीं ऐसे कई भारतीय भी हैं जो विदेशों में पल-बढ़े हैं और अब खेल उद्योग से जुड़ने के इरादे से वापस भारत लौट रहे हैं। दिल्ली में पैदा हुए और कार्नेल यूनिवर्सिटी से स्नातक, 32 वर्षीय खेलप्रेमी विवेक सेतिया ने न्यूयॉर्क में एक अग्रणी कन्सलटेंसी के साथ काम भी किया है। सेतिया कहते हैं कि मेरे पास यदि करोड़ों रूपए होते तो मैं सबका निवेश भारत में कर देता, लेकिन भारत में खेल उद्योग निवेश के मामले में उतना रिटर्न नहीं देता, जितना रिटर्न प्रॉपर्टी मार्केट में मिलता है। पैसे बनाने के हिसाब से स्पोर्ट्स कोई आसान कारोबार नहीं है। लगभग हर बड़े फुटबॉल क्लब को मुनाफा कमाने के लिए जूझना पड़ता है। भारत में खेल उद्योग की राह आसान नहीं है। विकास की वैसी ही दीर्घकालीन रणनीतियों की जरूरत है जैसी लीवरपूल और नेशनल बॉस्केटबॉल एसोसिएशन अपना रहे हैं।

# व्यापार मेले के लिए घर से निकलें जल्दी

## समय से पहले बंद की जा सकती है टिकट की बिक्री

**पायनियर समाचार सेवा।** नयी दिल्ली



**रविवार** को छुटटी के दिन अगर आप प्रगति मैदान में चल रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में घूमने जाना चाहते हैं, तो घर से थोड़ा जल्दी निकलिए। लोगों की सुरक्षा के लिहाज से टिकटों की बिक्री निर्धारित समय से पहले बंद की जा सकती है। सप्ताह के बाकी दिनों में जहां टिकट शाम 4 बजे तक उपलब्ध होते हैं, वहीं छुटटी वाले दिन या शनिवार और रविवार को टिकटों की बिक्री सिर्फ 2 बजे तक किए जाने की व्यवस्था है। ऐसा मेले में जरूरत से ज्यादा भीड़ नहीं पहुंचने देने और व्यवस्था बनाए रखने के लिहाज से किया गया है।

लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइजेशन ने मेले के अंदर व्यवस्थाओं में कई बदलाव किए हैं। आईटीपीओ की सीएमडी रीटा मेनन के मुताबिक इस बार नई लांचिंग हाल नंबर-8 में की जा रही है। पिछले सालों में सभी हाल में उत्पाद की लांचिंग के कार्यक्रम होने से दर्शकों को दिक्कत होती थी। रविवार को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का टिकट चुनिंदा मेट्रो स्टेशनों पर सुबह साढे 8 बजे से 2 बजे तक ही उपलब्ध है। आईटीपीओ काउंटर गेट नंबर 1,2 भैरों रोड और पार्क एंड राइड शटल से भी टिकट खरीदे जा सकते हैं। आज आपको टिकट महंगा भी खरीदना होगा। आम दिनों में जहां वयस्कों के लिए टिकट का मूल्य 50 रुपये है, वहीं छुट्टी वाले दिन यही टिकट 80 रुपये का मिलेगा। बच्चों के लिए यह टिकट 50 रुपये का है। छात्र समूहों के लिए प्रवेश निशुल्क या रियायती दर पर नहीं है।

आयु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर वरिष्ठ नागरिकों और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रखा गया है। लेकिन वरिष्ठ नागरिकों और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियो के साथ आने वाले सहायक को गेट नंबर 1 और 2 से निर्धारित टिकट खरीदना होगा।

दर्शकों के लिए पेड किंग की सुविधा दिल्ली चिड़ियाघर, भैरों रोड, पुराना किला रोड, प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन और इंडिया गेट पर उपलब्ध है। भैरों मंदिर के पास कार पार्किंग के लिए दर्शकों को 125 रुपये और स्कूटर, मोटरसाइकिल पार्क करने के लिए 50 रुपये देने होंगे। प्रगति मैदान के किसी भी गेट के बाहर रुकने या गाड़ी खड़ी करने की इजाजत नहीं है। प्रगति मैदान के दर्शकों के लिए पार्किंग की कोई सुविधा नहीं है। मेले के बारे में ताजा जानकारी हर वक्त उपलब्ध कराने का खास इंतजाम किया गया है।

नयी दिल्ली में हीमोफीलिया से पीड़ित मरीजों ने शनिवार को अपनी मांगों को लेकर निकाली रैली

## 20 वर्षीय ऋण पर विचार कर सकता है केंद्र : मित्रा

**नयी दिल्ली।** पश्चिम बंगाल सरकार ने आज सुझाव दिया कि केंद्र सरकार उसके लिए 20 वर्षीय दीर्घकालिक रिण, रिण पुनर्गठन तथा ब्याज भुगतान पर तीन साल की रोक जैसे विकल्पों पर विचार कर सकता है ताकि राज्य अपनी वित्तीय दिक्कतों से उबर सके। वित्तमंत्री अमित मित्रा ने हालांकि कहा कि राज्य सरकार वित्तीय मदद के लिए भीख नहीं मांगेगी। पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार भारी ऋण बोझ तले दबी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि नए वित्तमंत्री अपने ही मुद्दों में व्यस्त है। हम किसी के पास भीख मांगने नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि अनुमानित रिण बोझ लगभग दो लाख करोड़ रुपए का हो सकता है। हालांकि मित्रा ने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार कम से कम 20 साल के रिण पर तो विचार कर सकती है। तृणमूल कांग्रेस ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। उन्होंने कहा कि केंद्र ऋण पुनर्गठन तथा ब्याज भुगतान पर तीन साल के लिए रोक पर भी विचार कर सकता है।

# 2जी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर के दिए गए लिखित आदेश

**पायनियर समाचार सेवा।** नयी दिल्ली

**नियंत्रक एवं** महालेखापरीक्षक के पूर्व अधिकारी आर.पी. सिंह ने आज दावा किया कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने लिखित में आदेश दिए जिसके बाद उन्होंने 1.76 लाख करोड़ रुपए का अनुमानित नुकसान बताने वाली 2जी स्पेक्ट्रम की अंतिम रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर दिए।

सिंह के वक्तव्य को लेकर राजनीतिक क्षेत्र में तूफान मचा हुआ है। सिंह ने कैग में रहते हुए 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन की लेखापरीक्षा करने वाली टीम का नेतृत्व किया था। उन्होंने दोहराया कि उन्होंने कभी भी अपने मसौदा रिपोर्ट में 1.76 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा नहीं रखा।

सिंह ने पेट्र से कहा कि उन्होंने (वरिष्ठ कैग अधिकारियों) ने मुझसे कहा कि यह अंतिम रिपोर्ट है और मुझे लिखित आदेश देकर कहा कि इस पर हस्ताक्षर करो। मैंने उनके आदेश का पालन किया और रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर दिए। उन्होंने कहा कि उसमें किसी को भी अपने वैचारिक मतभेद दिखाने का कोई मौका नहीं दिया गया। सिंह ने ब्यौरा देते हुए कहा कि मैं उनके फील्ड अधिकारी हूं। मैंने रिपोर्ट तैयार की। मैंने आंकड़ें क्यों हटाए मैंने उन्हें बता दिया। मैंने उन्हें आंकड़े हटाने का कारण बता दिया और उसके बाद उसे उच्चाधिकारियों को सौंप दिया। यह उनकी रिपोर्ट है और उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने फिर से उन आंकड़ों को रख दिया। फिर उसमें मैं क्या कर सकता हूं? सिंह से जब यह पूछा गया कि कैग की अंतिम रिपोर्ट में जो आंकड़े दिए गए हैं क्या वह उनसे मतभेद रखते हैं। जवाब में उन्होंने कहा कि यह मतभेद का सवाल नहीं है। मैंने अपनी रिपोर्ट से उन आंकड़ों को हटा दिया था। मैंने अपनी रिपोर्ट से आंकड़े क्यों हटाए, उन्हें बता दिया था। लेकिन वह मेरी बात से सहमत नहीं हुए और उन्होंने उन आंकड़ों को फिर से रिपोर्ट में शामिल कर दिया। सिंह ने कहा कि उन्होंने मुझ से कहा कि यह अंतिम रिपोर्ट है और एक लिखित आदेश के जरिए मुझसे इस पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। इसलिए मैंनें आदेश का पालन किया और रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर दिए। सिंह ने अपनी मसौदा रिपोर्ट में वर्ष 2008 में 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन में 2,645 करोड़ रुपए के नुकसान की बात कही थी। जब उनसे पूछा गया कि अब उन्होंने इस मुद्दे पर बोलने का फैसला क्यों किया। सिंह ने कहा कि 2जी की नीलामी अभी समाप्त हुई है, इसमें दाम बाजार की स्थिति के अनुसार सामने आए हैं, जो दाम प्राप्त हुआ है वह बहुत कम है। जबकि कैग की रिपोर्ट में इसे काफी उंचा रखा गया। कुछ संवाददाताओं ने कम मूल्य मिलने के बारे में पूछा। मैंने कहा रिपोर्ट में जो भी आंकड़े दिए गए हैं वह सब अनुमानित नुकसान है और यह वास्तविक मूल्य है जो सामने है। उन्होंने कहा कि कैग पहले ही यह कह चुके हैं कि नुकसान के जो भी अनुमानित, संभावित आंकड़े दिए गए हैं वह विचारणीय है, उनपर बहस हो सकती है और सवाल खड़ा किया जा सकता है और यह वास्तविक नुकसान नहीं है। सिंह ने कहा कि यह वास्तविक दाम है जो कि बाजार स्थिति के अनुसार सामने आया है। इसलिए इसमें अंतर होना लाजिमी है और यही मैंने पत्रकारों से कहा। कैग की 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन रिपोर्अ वर्ष 2010 में संसद में पेश की गई और इससे राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। स्पेक्ट्रम आवंटन पर उठे विवाद की वजह से इस साल फरवरी में उच्चतम न्यायालय ने दूरसंचार कंपनियों के 122 लाइसेंस निरस्त कर दिए। लोकलेखा समिति के अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने उनसे कोई सवाल नहीं किया, यह बताते हुए सिंह ने कहा कि संभावित नुकसान के बारे में मुझसे किसी ने कोई सवाल नहीं पूछा। यह कैग की रिपोर्ट थी। रिपोर्ट को अंतिम रुप देने के बाद मुझे इस पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया।

## जेठमलानी के खिलाफ कार्रवाई के संकेत

**नयी दिल्ली। भाजपा** ने आज संकेत दिए कि वह राम जेठमलानी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है। वह पार्टी अध्यक्ष नितिन गडकरी का इस्तीफा मांग चुके हैं और सीबीआई के नए निदेशक की नियुक्ति पर पार्टी के रुख से सहमत नहीं हैं। पार्टी प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जेठमलानी भाजपा अध्यक्ष के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं और अब विपक्ष के दोनों नेताओं के खिलाफ बातें कहीं हैं। हम इनके खिलाफ उनके आरोपों का पूरी तरह खंडन करते हैं। पार्टी ने उनके बयानों का कड़ा संज्ञान लिया है और उचित समय पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच शत्रुघ्न सिन्हा ने भी गडकरी के इस्तीफे की मांग कर डाली।

**शत्रुघ्न ने भी मांगा गडकरी का इस्तीफा**



# जेठमलानी को खला सीबीआई निदेशक मामले में भाजपा का विरोध

## गडकरी को पत्र लिखकर पार्टी में रंजीत सिन्हा के आलोचकों पर रोक लगाने का किया अनुरोध

**पायनियर समाचार सेवा।** नयी दिल्ली

**भाजपा के** राज्यसभा सांसद राम जेठमलानी ने एक बार फिर पार्टी के फैसले पर ऊंगली उठाई है। इस बार उन्होंने सीबीआई निदेशक पद पर रंजीत सिन्हा की नियुक्ति को लेकर दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज और अरुण जेटली की ओर से दर्ज कराए गए विरोध पर आपत्ति की है। सिन्हा की नियुक्ति के लिए सरकार की सराहना करते जेठमलानी ने यहां तक कहा है कि भाजपा नेताओं की मुखालफत के पीछे उस व्यक्ति का हाथ है जो सीबीआई निदेशक पद की दौड़ में पीछे रह गया। सच तो यही है कि रंजीत सिन्हा को इस पद पर तैनात कर सरकार ने राष्ट्र को संभावित विपदा से बचाने का काम किया है। पिछले महीनों से लगातार विपक्षी पार्टी को पसोपेश में डालने का काम कर रहे राज्यसभा सांसद ने भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी को बाकायदा पत्र लिखकर उक्त मामले में ऐतराज जताया है। इसकी प्रति उन्होंने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और मीडिया को भी जारी की है। जेठमलानी ने लिखा है कि जब उन्हें यह जानकारी मिली कि भाजपा ने सीबीआई निदेशक पद पर आननफानन में रंजीत सिन्हा को नियुक्त करने का फैसला लेने के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री और कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला है, तब वह हैरान रह गए। वह अफसोस के साथ यह कहना चाहते हैं कि सिन्हा को सीबीआई निदेशक बनाए जाने की आलोचना करते समय वाजिब तथ्यों को पूरी तरह से अनदेखा कर दिया गया और, इसके पीछे वह अवांछित प्रतिस्पर्धी है जिसे शुक्रवार को कैट में दायर अपनी याचिका वापस लेने पर मजबूर होना पड़ा।



जेठमलानी के मुताबिक, इस व्यक्ति के पास ताकतवर दोस्तों की कमी नहीं लेकिन यह लोग इस बात से अनजान हैं कि यदि सिन्हा के बदले वह सीबीआई निदेशक बनने में सफल हो जाता तो देश के लिए यह कितनी बड़ी त्रासदी होती। पार्टी सांसद ने गडकरी को सूचित किया है कि वह अपनी बात पुष्ट करने के लिए आवश्यक दस्तावेज भी उन्हें भेजेंगे। उनकी गुजारिश है कि तथ्यों से अवगत होने तक पार्टी के आलोचकों को इस मामले में किसी तरह की टिप्पणी करने से रोका जाए। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस आयुक्त नीरज कुमार ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में सीबीआई निदेशक पद पर उनके बजाय सिन्हा के नाम पर विचार को चुनौती दी थी लेकिन नियुक्ति का फैसला होने के बाद उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली। नीरज कुमार सीवीसी की तरफ से प्रधानमंत्री को भेजे गए तीन नामों के पैनल में अपना नाम शामिल नहीं किए जाने से नाराज थे।

लोकसभा व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज और अरुण जेटली ने कल प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सिन्हा को नियुक्त करने के फैसले का यह कहकर विरोध किया था कि सरकार को लोकपाल पर प्रवर समिति की रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए था। समिति ने सीबीआई निदेशक की नियुक्ति कोलेजियम के मार्फत करने की सर्वसम्मत सिफारिश के साथ अपनी रिपोर्ट शुक्रवार को ही राज्यसभा में पेश की। विपक्षी नेताओं का आरोप था कि सरकार ने कुछ घंटों की प्रतीक्षा क्यों नहीं की और यह मांग की गई कि कोलेजियम प्रणाली संबंधी कानून लागू होने तक सिन्हा की नियुक्ति के फैसले पर रोक लगाई जाए।

हालांकि, सरकार ने तत्काल भाजपा की मांग ठुकराते हुए दलील दी कि रंजीत सिन्हा को निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत चुना गया है। कानून बनने में वक्त लगेगा और तब तक देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी के निदेशक का पद रिक्त नहीं रखा जा सकता। मौजूदा निदेशक एपी सिंह आगामी तीस नवंबर को रिटायर होने वाले हैं।

## पेज एक का शेष

### गतिरोध टूटने के...

करना है। बसपा के एक राज्यसभा सांसद की ओर से दिए गए तटस्थ रहने जैसे संकेत को पार्टी महासचिव सतीश मिश्रा ने पायनियर से बातचीत के दौरान यह कहकर खारिज कर दिया कि जो फैसला होगा बसपा सुप्रीमो लेंगी। किसी और का कुछ भी कहना बेमतलब है। सपा-बसपा की तरह संप्रग की सबसे बड़ी सहयोगी द्रमुक भी एफडीआई पर खुलकर सरकार का साथ देने से हिचक रही है। उसका भी यह मानना है कि यह फैसला लाखों कारोबारियों की रोजी रोटी को प्रभावित करने वाला है, उनके खिलाफ जाने का मतलब अच्छे खासे वोटबैंक को खोना होगा। मित्र दलों की दुविधा के उलट, मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा, वामपंथी दल और तृणमूल कांग्रेस अपने रुख से जरा भी झुकने को तैयार नहीं। खासकर सपा और बसपा की कलई खोलने पर उतारू भाजपा बार-बार उन्हें साथ आने का न्योता दे रही है। उसका कहना है कि पिछले साल भारत बंद में जो भी पार्टियां सरकार के फैसले के खिलाफ विपक्षी एकजुटता दिखाकर सड़क पर उतरी थीं, उन्हें संसद में भी इसके विरुद्ध वोट डालना चाहिए ताकि सरकार जनविरोधी निर्णय पलटने पर बाध्य हो जाए। सोमवार को इस गतिरोध को तोड़ने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भी भाजपा-लेफ्ट वोटिंग के प्रावधान वाले नियम के तहत ही चर्चा पर अड़ेंगी।

### हाथ में कैश...

वित्त मंत्री के मुताबिक पांच सप्ताह बाद नया साल शुरू होने जा रहा है। सरकार ने तैयारी की है कि नए साल पर लोगों को मनचाहा तोहफा दिया जाए। उनके मुताबिक पहले चरण में देश के पन्द्रह राज्यों के 51 जिलों को योजना के दायरे में शामिल किया जा रहा है, अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार चला तो साल के अंत तक गिनती छह सौ जिलों तक पहुंच सकती है। चिदंबरम ने कहा कि हर तिमाही योजना में कुछ नए जिलों को जोड़ने का प्रस्ताव है। हालांकि, उन्होंने पूरी योजना पर से पर्दा नहीं उठाया, लेकिन यह जरूर कहा कि इसका आधार कार्ड को ही आधार बनाया गया है। सरकार कई चीजों के लिए तकरीबन 1.8 करोड़ रुपये बतौर सब्सिडी देती है, इनमें अनाज, खाद और पेट्रोलियम प्रमुख हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की ऊंची कीमतों की वजह से सब्सिडी का बजट भी बढ़ने के आसार हैं। उन्होंने कहा की नई योजना के तहत लाभार्थियों के आधार-आधारित बैंक अकाउंट में सीधे धन भेजा जाएगा। बैंकों के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, चिदंबरम ने देश के आर्थिक हालातों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था एक मुश्किल दौर से गुजर रही है, इसके पीछे की वजह विकास दर में पहली तिमाही के दौरान आई गिरावट ही है।

### नामधारी ने रची...

उस पर उत्तराखंड के विभिन्न थानों में कई संगीन मामले दर्ज हैं। उसके मुताबित 1993 से 2009 के बीच दायर 26 केसों में से आठ हत्या के प्रयास से संबंधित हैं। उधर, पुलिस के आरोपों को खारिज करते हुए नामधारी के वकील आरएस मलिक ने दलील दी कि घटना के समय मौजूद होने भर से कोई आरोपी नहीं बन जाता। नामधारी ने ही सबसे पहले पुलिस को घटना की जानकारी दी और पोंटी को अस्पताल तक ले गए। नामधारी ने भी कोर्ट के बाहर आते ही पुलिस की थ्योरी को ठुकरा दिया। उसने साफ कहा कि पुलिस को उसने हरदीप पर गोली चलाने का बयान कभी नहीं दिया। नामधारी ने कहा कि मैं इस मामले में अभी ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता हूं, बस इतना साफ कर देना चाहता हूं कि यह एक दुर्घटना थी, यह कहना कि मैंने किसी पर गोली चलाई सरासर झूठ है और जांच का भी विषय है। गौरतलब है कि शराब कारोबारी पोंटी चड्ढा और उनके भाई हरदीप सिंह की मौत उस समय हो गई थी जब एक विवादित संपत्ति को लेकर दोनों भाइयों में झगड़ा हुआ। घटना छतरपुर स्थित एक फॉर्म हाउस में हुए। गोलीकांड के वक्त सुखदेव सिंह नामधारी भी पोंटी के साथ मौजूद थे। इस मामले की जांच में लगी पुलिस टीम अब तक छह लोगों को हिरासत में ले चुकी है। जिनमें पोंटी के चार गार्ड और दो अन्य विजय कुमार और मदन राणा शामिल हैं।

### हरदीप ने दिल्ली...

एक लिस्ट बनाई गई है, जिनसे घटना वाले दिन मृत भाइयों ने बात की। पहला नाम दिल्ली के एक कांग्रेसी नेता का आया है जिससे हरदीप ने छतरपुर फार्महाउस पहुंचने से ठीक पहले बात की थी। सूत्रों का दावा है कि विवादित प्रॉपर्टी पर पोंटी के आदमियों के धावे की खबर हरदीप को तब मिली जब वह नोएडा में कारोबारी दोस्तों के साथ मीटिंग कर रहा था। यहां से निकलने के साथ ही उसने अपने वकील और कांग्रेस के एक नेता को फोन किया, जो उसके ससुर परमजीत सिंह सरना के करीबी बताए जा रहे हैं। गौरतलब है कि परमजीत सिंह का काफी रुतबा है और वह दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष भी हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि नामधारी ने घटनास्थल पर अपनी .30 बोर की लाइसेंसी रिवाल्वर से तीन गोलियां चलाई थीं। अब हथियार की तलाश में दिल्ली पुलिस उसे उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड ले जाने की तैयारी कर रही है।

### केजरीवाल के दल...

निकाली जाएगी जो राजघाट से शुरू होकर शहीद पार्क पर खत्म होगी। सोमवार को केजरीवाल के कई विरोध प्रदर्शनों का गवाह रहे जंतर मंतर पर आम आदमी की पार्टी की औपचारिक शुरुआत होगी। उस दिन वहां पहुंचने वाले हर व्यक्ति को पार्टी का संस्थापक सदस्य माना जाएगा। नवंबर की 26 तारीख को ही औपचारिक लांच के लिए चुने जाने की वजह यह बताई गई क्योंकि 1949 में इसी दिन भारत का संविधान मंजूर किया गया था। पार्टी चिह्न को लेकर विचार-विमर्श जारी है। केजरीवाल की कोर टीम के सदस्य योगेंद्र यादव ने बताया कि पुस्तक जो संविधान की प्रतिकृति हो या फिर आम आदमी का प्रतीक कहलाने वाला फलों का राजा आम, इन दोनों के बारे में गंभीरता से सोचा जा रहा है। शनिवार की बैठक में आम आदमी की पार्टी का नाम केजरीवाल ने सुझाया जिसका सभी ने अनुमोदन किया। इस बीच, केंद्रीय सूचना प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनीष तिवारी ने कहा कि आम आदमी कांग्रेस का नारा है जिसे किसी और को नहीं लेने दिया जा सकता। बैठक से पूर्व केजरीवाल ने कहा कि आम लोग जिनमें औरतें और बच्चे भी शामिल हैं, अपनी पार्टी बना रहे हैं। यह लोग राजनेता नहीं हैं बल्कि नेताओं, उनके भ्रष्टाचार और महंगाई से त्रस्त लोग हैं। यही कारण है कि आम आदमी ने राजनेताओं को चुनौती देने का फैसला किया है। अब समय आ गया है जब देश के आम लोग संसद में बैठेंगे। योगेंद्र यादव ने कहा कि ऐसे प्रावधान होंगे ताकि किसी एक परिवार का दबदबा कायम न हो सके। बैठक की शुरुआत में तब थोड़ा तनातनी दिखी जब कुछ कार्यकर्ताओं को भीतर नहीं जाने दिया गया। केजरीवाल की पार्टी के अस्तित्व में आने से पहले समाजसेवी अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने देश भर का माहौल बदल दिया था। तेज होते आंदोलन के साथ केजरीवाल की राजनीतिक महत्वकांक्षा ने भी कुलांचे भरनी शुरू कर दी। जिसका नतीजा आंदोलन में बिखराव की वजह बनी और, राजनीति न करने की मिन्नत करते अन्ना अंतत: उनसे दूर चले गए। अन्ना के दूसरे करीबी लोग भी केजरीवाल की राजनीतिक इच्छा से नाराज होकर हट गए। दोनों खेमों में आरोप प्रत्यारोप के दौर भी चले किंतु केजरीवाल ने पार्टी बनाकर चुनाव मैदान में उतरने का इरादा नहीं छोड़ा। गत 19 सितंबर को अन्ना और केजरीवाल ने अपनी राहें अलग कर लीं। 2 अक्टूबर को अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह राजनीतिक दल बनाएंगे जिसकी आधिकारिक घोषणा 26 को की जाएगी।

### लखनऊ-दिल्ली रूट...

है। 1255 गोरखधाम एक्सप्रेस में जहां आगामी 12 दिसंबर तक आरक्षण रिग्रेट दर्शा रहा है तो वहीं 1229 लखनऊ मेल में स्लीपर की स्थिति आने वाले कई दिनों तक 250-400 के बीच वेटिंग जबकि थर्ड एसी की वेटिंग 100-150 के मध्य है। वहीं 12553 स्लीपर श्रेणी आगामी चार दिनों तक रिग्रेट व थर्ड एसी में वेटिंग 100 के आसपास है। इसी प्रकार 12565 बिहार-संपर्क क्रान्ति स्लीपर श्रेणी की वेटिंग इन दिनों में 200 के करीब और थर्ड एसी में वेटिंग का आंकड़ा 50 तक है। इस क्रम में 14257 काशी-विश्वनाथ एक्सप्रेस में स्लीपर की वेटिंग 150 के निकट तो थर्ड एसी की 50 तक है। वहीं 12391 श्रमजीवी एक्सप्रेस में आगामी 26 को स्लीपर श्रेणी का आरक्षण रिग्रेट है जबकि आगे वेटिंग 350-500 के करीब है व थर्ड एसी में भी वेटिंग 50 तक बता रहा है। 14207 पदमावत एक्सप्रेस में स्लीपर श्रेणी की वेटिंग 100 तक व थर्ड एसी की वेटिंग 50 के आसपास है। ऐसे ही स्पेशल ट्रेन 19408 आगामी 29 नवंबर को ही स्लीपर की 17 सीटें बची हैं जबकि थर्ड एसी में वेटिंग 50 दिखा रहा है। 15715 गरीब नवाज एक्सप्रेस में स्लीपर व थर्ड एसी की स्थिति ज्यादातर रिग्रेट ही दर्शा रहा है जबकि 12557 सप्तक्रान्ति एक्स्प्रेस में स्लीपर में वेटिंग 90-130 के बीच व थर्ड एसी की वेटिंग 40 तक है। इसी कड़ी में 14205 फैजाबाद-दिल्ली एक्सप्रेस में वेटिंग की आंकड़ा 250-300 तक व थर्ड एसी की वेटिंग 90 तक दिख रही है। वहीं 04012 पटना-दिल्ली पूजा स्पेशल में भी स्लीपर की वेटिंग 50 तक व थर्ड एसी की 30 तक है। 15609 अवध-आसाम एक्सप्रेस में स्लीपर व थर्ड एसी में अधिकांश दिनों तो आरक्षण का ग्राफ रिग्रेट तो 12875 नीलांचल एक्सप्रेस में आगामी दिसंबर के पहले सप्ताह तक स्लीपर की वेटिंग 200 तक व थर्ड एसी में तो रिग्रेट है। ऐसे ही 14007 सदभावना एक्सप्रेस में स्लीपर क्लास की वेटिंग 70 तक जबकि थर्ड एसी में या तो रिग्रेट या फिर लंबी वेटिंग दिख रहा है। वहीं 13483 फरक्का एक्सप्रेस का भी हाल बुरा है, स्लीपर श्रेणी में वेटिंग 130 तक जब थर्ड एसी में वेटिंग का ग्राफ 40 तक पहुंच चुका है। अन्य शेष ट्रेनों में भी लखनऊ से नई दिल्ली जाने वाले लोगों के लिए रेल की डगर बहुत ही मुश्किल दिख रही है।

### टूजी घोटाले पर...

राशि को लेकर है। हैदराबाद में पूर्व भाजपा अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने सीबीआई निदेशक पद पर रंजीत सिन्हा की नियुक्ति रद्द करने की मांग दोहराते हुए आरोप लगाया कि संप्रग सरकार राजनीतिक फायदे के लिए संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल कर रही है। सिन्हा कांग्रेस की कठपुतली हैं जाहिर है कि आने वाले दिनों में वही करेंगे जो सरकार या पार्टी चाहेगी। रहा सवाल पूर्व कैग अधिकारी आरपी सिंह के मुरली मनोहर जोशी पर लगाए गए आरोपों का तो यह पीएसी को बदनाम करने की एक और चाल है। सिंह की यह दलील हास्यास्पद है कि उनके पास अपने सीनियर अधिकारी का निर्देश मानकर रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं था।

**स्वच्छ दिल्ली**

## अपनी भूमिका और बढ़ाएं नागरिक: सीएम

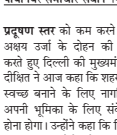



**पायनियर समाचार सेवा।** नयी दिल्ली

**प्रदूषण स्तर** को कम करने के लिए अक्षय उर्जा के दोहन की वकालत करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने आज कहा कि शहर को और स्वच्छ बनाने के लिए नागरिकों को अपनी भूमिका के लिए संवेदनशील होना होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पास पवन उर्जा के दोहन की क्षमता नहीं है और अक्षय उर्जा के संभावित विकल्प सौर और कचड़ा हैं। दीक्षित गोल मार्केट में केंद्रीय सरकारी कर्मचारी आवास कल्याण समिति को 'माई दिल्ली आई केयर फंड' के तहत एक केडब्ल्यूपी सौर उर्जा प्रणाली देते हुए बोल रही थीं।

# आईआईटीएफ टेकमार्ट में 35 करोड़ रुपए की व्यावसायिक पूछताछ

**पायनियर समाचार सेवा।** नयी दिल्ली

**प्रगति मैदान** में चल रहे भारतीय अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेले में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा आयोजित सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की प्रदर्शनी टेकमार्ट इंडिया में अबतक करीब 35 करोड़ रुपए की व्यावसायिक पूछताछ हुई।

स्वरोजगार के तमाम अवसर दिखाने वाली इस महत्वपूर्ण प्रदर्शनी का आयोजन हर साल प्रगति मैदान के हालनंबर 14 में भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान किया जाता है। 5000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैली यह प्रदर्शनी सूक्ष्म, लघु क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों के लिए एक ऐसा मंच है जहां क्षेत्र में नई नई प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी मिलती है। प्रदर्शनी की आयोजक राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के उपमहाप्रबंधक मनोज लाल ने बताया कि प्रदर्शनी के शुरुआती पांच-छह दिनों में ही घरेलू और निर्यात के लिए काफी पूछताछ हुई है और आर्डर भी मिले हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू व्यावसायिक क्षेत्र में 25.50 करोड़ रुपए की 14,197 पूछताछ हुई जबकि निर्यात क्षेत्र में 5.74 करोड़ रुपए की 542 पूछताछ की गई। इसके अलावा घरेलू क्षेत्र में 61.18 लाख रुपए के आर्डर मिले। ए आर्डर 2,125 लोगों ने दिए। इसके अलावा निर्यात क्षेत्र में पांच विदेशी कंपनियों से 2.33 करोड़ रुपए के आर्डर प्राप्त हुए हैं। मनोज लाल ने बताया कि पूछताछ और आर्डर मशीनी कलपुर्जों, विभिन्न उत्पादों, बिजली के सामान, बांस के उत्पाद, हस्तशिल्प और सामान्य उत्पादों के लिए हुई। विदेशी कंपनियों की तरफ से मशीनी औजारों, बेकरी ओवन, हाथ के औजार, आलू की चिप्स बनाने की मशीन, पान मसाला बनाने की मशीन के लिए आर्डर मिले हैं।

एनएसआईसी के प्रबंधक प्रवीण गांधी ने कहा कि एनएसआईसी में स्वरोजगार शुरु करने वाले युवाओं के लिए विभिन्न प्रौघोगिकी का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

## क्विक न्यूज

### गुजरात में मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त

**कच्छ।** कच्छ के नलिया वायु ठिकाने के पास एक नियमित उड़ान के दौरान भारतीय वायु सेना का एक मिग-21 विमान आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन पायलट सुरक्षित उससे बाहर निकल आया। वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि लडाकू विमान एक खुले वन क्षेत्र में बने वायु ठिकाने से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। पायलट को मामूली चोट आई है उसे भुज सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वायु सेना ने दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शी रेंज वन अधिकारी अतुल दवे के अनुसार विमान में आग नहीं लगी। 30 अगस्त को जिले के जामनगर शहर के पास एक वायु ठिकाने से उडान भरने के कुछ समय बाद बीच आसमान में एमआई..17 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसमें सवार पांच अधिकारियों सहित नौ वायु सेनाकर्मियों की मौत हो गई थी।

### अंतरराष्ट्रीय एग्रीनामी कांग्रेस कल

**नयी दिल्ली।** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के साथ मिलकर इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीनामी द्वारा सोमवार को यहां तीसरे अंतरराष्ट्रीय एग्रीनामी कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। कृषि पर इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और उसके कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाले असर पर विचार किया जाएगा। इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीनामी के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि दुनिया में बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों की चुनौतियों के बीच भारत को फसल उत्पादकता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। हमें देखना होगा कि किस प्रकार से जलवायु परिवर्तन के बढ़ते जोखिम के बीच हम लोगों का पेट भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पांच दिन के सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के प्रबंधन, फसलों के विविधीकरण, मिट्टी की घटती उर्वरता तथा किसानों की आय में सुधार के उपायों पर विचार किया जाएगा।

### ग्राम रक्षक की हत्या

**कोरापुट।** माओवादियों ने ओडिशा के कोरापुट जिले के दसमंतापुर गांव में एक ग्राम रक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने कहा कि घटना तब हुई जब गौरा चंद्र दलाई अन्य लोगों के साथ गांव के मंदिर में एक समारोह में हिस्सा लेने गया था। हथियारबंद उग्रवादियों सहित करीब 50 लोग मंदिर में पहुंचे और दलाई को वहां से जबर्दस्ती ले गए। पुलिस ने कहा कि मंदिर से करीब आधे किलोमीटर की दूरी पर ले जाकर उसे नजदीक से गोली मार दी गई। उग्रवादियों ने वहां एक संदेश छोड़ा जिसमें लिखा था कि दलाई उनके बारे में पुलिस को लगातार सूचनाएं देता था। बहरहाल कोरापुट के पुलिस अधीक्षक अबिनाश कुमार ने कहा कि दलाई पुलिस का मुखबिर नहीं था।

### मुठभेड़ में उग्रवादी ढेर

**इंफाल।** बिशनपुर जिले में असम राइफल्स के जवानों के साथ मुठभेड़ में एक उग्रवादी मारा गया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि 33वीं असम राइफल्स के कर्मी बिशनपुर जिले के थंगा लावई इलाके में तलाशी अभियान चला हे थे। कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर गोलियां चलाईं। असम राइफल्स के जवानों ने जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद हुई मुठभेड़ में एक उग्रवादी मारा गया। मौके से एक 9एमएम की पिस्तौल बरामद की गई। उग्रवादी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

### बीएसएफ में 500 कांस्टेबल शामिल

**श्रीनगर।** श्रीनगर के बाहरी इलाके स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) प्रशिक्षण केंद्र में आज हुई पासिंग आउट परेड के बाद 500 नए कर्मी बल में कांस्टेबल के तौर पर शामिल हुए। इनमें बिहार से सबसे अधिक 320, उत्तर प्रदेश से 94, झारखंड से 75, जम्मू कश्मीर से 24, महाराष्ट्र से 11, ओड़िशा से सात और अन्य राज्यों से 14 उम्मीदवार शामिल हैं। पासिंग आउट परेड में महानिरीक्षक (सीमांत) के के शर्मा मौजूद थे।

# बिहार को विशेष राज्य का दर्जा न्याय संगत मांग

एजेंसी। पटना

**बिहार** को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने को न्याय संगत मांग बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि भारत की विकास दर कुछ विकसित प्रदेशों के विकास दर पर निर्भर है। यह समावेशी विकास नहीं है, इसलिए आर्थिक नीति में बदलाव लाई जाए।

सरकार का सातवां वार्षिक रिपोर्ट कार्ड आज जारी करते हुए नीतीश ने कहा कि देश की विकास दर कुछ विकसित प्रदेशों के विकास दर पर निर्भर है, जो समावेशी विकास नहीं है। इसलिए देश में आर्थिक नीति में बदलाव किया जाए, ताकि विकास के मामले में राष्ट्रीय औसत से पीछे जो भी राज्य हैं उन्हें राष्ट्रीय औसत तक पहुंचाने के लिए विशेष और कारगर नीति अपनाई जाए।



बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार का सातवां वार्षिक रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए

उन्होंने कहा कि आज देश के विकास में इतना उतार-चढाव है क्योंकि यहां की आर्थिक नीति ऐसी है कि कुछ चुनिंदा विकसित प्रदेशों के ऊपर ही भारत का विकास दर निर्भर है। नीतीश ने कहा कि भारत के गैर विकसित प्रदेशों का अगर विकास किया जाए तो राष्ट्रीय विकास दर पूरे देश के विकास दर पर निर्भर करेगी।

नीतीश ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में सांप्रदायिक एवं सामाजिक सौहार्द बढाने के साथ समाज के हर तबके को जोडने का काम किया है ऐसे में चाहे वह नारी सशक्तिकरण, अल्पसंख्यकों हो या हाशिए पर चले गए लोग हों सभी के कल्याण की योजनाएं चलाई जा रही हैं। नीतीश ने कहा कि चाहे वह आधारभूत संरचना का सवाल हो या सुशासन का प्रश्न उसमें कोताही नहीं बरतनी चाहिए और अब हमारा जोर सामाजिक आधारभूत संरचना के निर्माण पर है। उन्होंने कहा कि आज बिहार में मानव विकास सूचकांक में बढोतरी हुई है और मंत्रिमंडल के स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और बाल अधिकार प्रदेश में मिशन मानव विकास का गठन किया गया है तथा उस स्तर से निगरानी हो रही है।

उन्होंने कहा कि यहां की उपजाऊ मिट्टी, आबो-हवा विरासत है। हमारा एक ही लक्ष्य है कि न्याय के साथ विकास के मार्ग पर चलते रहें तथा परिस्थितियों से जूझते हुए धैर्य के साथ संकट का मुकाबला करने के साथ चुनौतियों को अवसर में तब्दील करते रहें। नीतीश ने कहा कि सबकी ताकत की बदौलत आज बिहार आगे बढ रहा है, जिसकी चर्चा देश और दुनिया में जरूर हो रही है। लेकिन इस गति से बढने में राष्ट्रीय औसत तक पहुंचने में 25 वर्ष लगेंगे। इसलिए हमारी मांग है कि प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए।

# एनएसजी ने पूर्व कमांडो के दावों को किया खारिज

एजेंसी। नयी दिल्ली

**राष्ट्रीय** सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने आज एक पूर्व कमांडो के वित्तीय अनियमितता संबंधी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मुंबई हमले के जवाबी अभियान के लिए बल को उपहार में देने के लिए मिले चेकों का लेखा जोखा रखा गया है और निजी रूप से देने के लिए आए चेकों को वापस कर दिया गया।

एनएसजी मुख्यालय ने यहां पूर्व कमांडो नाइक सुरेंद्र सिंह के दावों पर स्पष्टीकरण और विस्तृत जवाब जारी किया। सिंह ने 2008 आतंकी हमलों के दौरान अपनी सेवा को सम्मानित करने से जुड़े चेकों और पुरस्कारों के प्रबंधन से संबंधित मुद्दे उठाए थे। एनएसजी ने कहा कि गृह मंत्रालय के निर्देशों पर कमांडो को निजी रूप से जो चेक भेजे गए थे उन्हें इस अपील के साथ लौटा दिया गया कि इन चेकों को उसी स्थिति में स्वीकार किया जा सकता है जबकि वे 'एनएसजी कल्याण कोष' के नाम पर जारी हुए हों।

एनएसजी के ग्रुप कमांडर (खुफिया विभाग) अजय सिंह ने एक बयान में कहा कि कुल 22 लाख रूपए के 15 चेक गुडगांव के हाईटेक गियर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष दीप कपूरिया की ओर से हासिल हुए थे और ए चेक 'आपरेशन ब्लैक टोरनाडो' (मुंबई अभियान) के दौरान घायल हुए जवानों को देने के लिए भेजे गए थे। इसमें नौ जनवरी 2009 का संख्या 4,09,796 का चेक सुरेंद्र सिंह के लिए था। बयान में कहा गया कि वित्तीय मदद स्वीकार करने का प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा गया और यह प्रस्ताव इस विचार के साथ वापस आ गया कि प्रस्ताव पर सीसीएस के तहत विचार विमर्श किया गया और संबंधित प्राधिकार ने इस पर सहमति नहीं जताई। इसमें कहा गया कि यह सूचित किया गया कि यह उचित रहेगा कि धन को एनएसजी कल्याण कोष में जमा किया जाए। इसलिए सभी 15 चेक दीप कपूरिया को लौटा दिए गए जिसमें सुरेंद्र सिंह के लिए आया दो लाख रूपए का चेक शामिल है। इसके बाद कोई राशि वापस नहीं आई। सिंह ने दावा किया था कि मुंबई हमले के अभियान में घायल हुए एनएसजी कमांडोज को चेकों के रूप में कई उपहार मिले थे लेकिन बल ने इन्हें संबंधित लोगों तक नहीं पहुंचाया।

# नीतीश सरकार के रिपोर्ट कार्ड में फिजूल की बात: लालू



**पटना।** बिहार में राजग सरकार के कार्यकाल के सात वर्ष पूरे होने के अवसर पर जारी रिपोर्ट कार्ड पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने आज कहा कि नीतीश सरकार के रिपोर्ट कार्ड में फिजूल की बात है। लालू ने अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा कि रिपोर्ट कार्ड में सब फिजूल की बाते हैं। विकास यात्रा और अधिकार यात्रा के नाम पर मुख्यमंत्री ने लोगों को बेवकूफ बनाने का भरपूर प्रयास किया है। जनता अब इनको :मुख्यमंत्री: अच्छी तरह समझ रही है। शिक्षा और राज्य में विधि व्यवस्था चौपट हो गई है। मुख्यमंत्री को रिपोर्ट कार्ड में माफी मांगनी चाहिए थी, क्योंकि राज्य में महिलाओं के साथ बलात्कार और कमजोर तबके पर अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के कार्यकाल में एक भी चीनी मिल नहीं खुल पाई। नीतीश कुमार ने सभी जाति बिरादरी के लोगों को बहलाने का काम किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी महबूब अली कैसर ने कहा कि राज्य सरकार के विरोध में जनता सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। विधि व्यवस्था की स्थिति में बहुत गिर गई है।

# नि:शक्त स्कूली बच्चों को दिए जाएंगे कृत्रिम हाथ

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के नि:शक्त स्कूली बच्चों को कृत्रिम हाथ देने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि राज्य के ऐसे नि:शक्त स्कूली बच्चों को कृत्रिम हाथ दिए जाएंगे, जिनके किन्ही कारणों से हाथ नहीं है। सिंह ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से प्रथम चरण में ऐसे एक हजार विद्यार्थियों को चिन्हांकित कर कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराए जाएंगे। सिंह ने शुक्रवार रात एक कार्यक्रम में नि:शक्त जनों के लिए कृत्रिम हाथ वितरण योजना का शुभारंभ करते हुए यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने पांचवी कक्षा की छात्रा 10 वर्षीय दिव्या पारख को कृत्रिम हाथ प्रदान कर छह दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि राज्य के सुधर्म जैन समाज ने यहां विभिन्न शासकीय सुरक्षा बलों में सेवा करते हुए अपना हाथ खो चुके जवानों के लिए इस विशेष शिविर का आयोजन किया है। यह शिविर आगामी 28 नवम्बर तक चलेगा। सिंह ने इस दौरान कहा कि कृत्रिम हाथ मिल जाने के बाद नि:शक्तजन सामान्य लोगों की तरह कार्य कर पाएंगे। इससे उन्हें आत्मीय संतुष्टि मिलेगी और नए उत्साह के साथ अपना मुकाम हासिल कर सकेंगे। उन्होंने अनेक आयोजकों को इस तरह के शिविर आदिवासी बहुल बस्तर जिले में लगाने का सुझाव भी दिया। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।



कोलकाता में एक प्रतियोगिता के दौरान आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं दृष्टिहीन बालिकाएं

# केजीएफ में कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का कचरा इकट्ठा करने की योजना नहीं

एजेंसी। चेन्नई

**केंद्र** सरकार ने आज स्पष्ट किया कि कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र का कचरा कर्नाटक में असक्रिय हो चुके कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) में इकट्ठा करने की कोई योजना नहीं है। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री वी. नारायणसामी ने कहा कि कचरे को केजीएफ नहीं ले जाया जाएगा। मीडिया में इस तरह की खबरें थीं कि भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम ने यूरेनियम कचरे को केजीएफ में इकट्ठा करने की योजना बनाई है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कुडनकुलम से परमाणु कचरा निकलने की संभावना भी काफी कम है। हवाई अड्डे पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इस मामले में मैंने केंद्रीय मंत्री के. एच. मुनियप्पा (जो कोलार जिले के रहने वाले हैं) से बात की और अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से विचार-विमर्श भी किया। विभाग की तरफ से मैं दृढ़ता से कह सकता हूं कि यूरेनियम कचरे को वहां नहीं ले जाया जाएगा।

केंद्र के कथित पहल के खिलाफ विभिन्न पार्टियों द्वारा कल कोलार गोल्ड फील्ड्स में किए गए बंद से जनजीवन प्रभावित रहा था। इस बीच, भाजपा के वरिष्ठ नेता अनंत कुमार ने सरकार के दावे को खारिज किया और कहा कि केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में शपथ-पत्र दायर किया और कहा कि वह परित्यक्त सोने के खदान को परमाणु कचड़े के निपटारे के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। इस मुद्दे पर राज्यपाल एच आर भारद्वाज से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से उन्होंने कहा कि केंद्र के उच्चतम न्यायालय में दायर किए गए हलफनामे से यह साफ है जोकि परमाणु कचड़े के प्रसंस्करण की बात करता है। वह केजीएफ में प्रायोगिक जांचें करता रहा है और ऐसी पूरी संभावना है कि कचड़े को केजीएफ में डाला जाएगा क्योंकि यह सबसे करीब है।

कुमार ने कहा कि कर्नाटक से चार केंद्रीय मंत्रियों के होने के बावजूद उन्होंने मनमोहन सिंह को इस बात के लिए राजी नहीं किया है कि केंद्र परमाणु कचड़े को केजीएफ में नहीं डाले। प्रदेश की भाजपा सरकार के रूख के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने केंद्र से इस पर वक्तव्य देने को कहा है ताकि परमाणु कचड़े के केजीएफ में डाले जाने के प्रस्ताव पर लोगों के भय दूर हो सके।

# श्रमिकों का पंजीयन करने वाला एमपी देश का पहला राज्य

**भोपाल।** मध्यप्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम के तहत 22 लाख 59 हजार श्रमिकों का पंजीयन करने वाले देश का प्रथम राज्य हो गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रम विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि प्रदेश के सभी श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को सुविधाएं देने में भी मध्यप्रदेश को देश का पहला राज्य बनाया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में संन्निर्माण कर्मकार मंडल का गठन 2003 में किया गया था। उन्होंने बताया कि म.प्र. से दशकों पहले बोर्ड का गठन करने वाले राज्य कामगारों के पंजीयन के मामले में मध्यप्रदेश से काफी पीछे हैं। प्रदेश में श्रमिकों के कल्याण के लिए भवन निर्माताओं से अब तक 675 करोड रुपए वसूले गए हैं। इस राशि से भवन निर्माण श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति, नि:शुल्क उपचार, विवाह, मृत्यु आदि पर प्रभावी आर्थिक मदद दी जाती है। पिछले छह माह के दौरान ही तीन लाख श्रमिक और उनके परिजन को साढे 56 करोड रुपए की सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भवन निर्माण उप.कर वसूली में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई हो। वसूली की कार्रवाई सभी पात्र भवन निर्माण प्रकरणों में आवश्यक रूप से की जाए।

# चांडी ने केन्द्र से बंधक भारतीयों के बदले जलदस्युओं को छोड़ने के लिए कहा

एजेंसी। नयी दिल्ली

**केरल** के मुख्यमंत्री ओमन चांडी ने केन्द्र सरकार से कहा है कि पिछले दो वर्ष से बंधक बने सात भारतीय नाविकों की रिहाई के लिए हिरासत में मौजूद कुछ सोमाली जलदस्युओं को छोड़ने पर तत्काल विचार किया जाए।

केन्द्रीय जहाजरानी मंत्री जीके वासन और विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद के सामने यह मुद्दा उठाते हुए चांडी ने सोमालिया के जलदस्युओं की भारतीय बंधकों के बदले मुंबई जेलों में बंद सोमाली जलदस्युओं की रिहाई की मांग को पूरा करने में देर पर दुख जताया। चांडी ने यहां कहा कि मुझे नहीं लगता कि 28 सितंबर 2010 से बंधक बने भारतीयों के जीवन को बचाने के लिए कोई और रास्ता है। इन जलदस्युओं को हमारी जेलों में रखने का क्या मतलब है? केन्याई समुद्री सीमा से 'एमवी असफाल्ट वेंचर' का अपहरण करने वाले जलदस्युओं ने इसके मालिकों द्वारा फिरौती की रकम देने के बाद यह पोत छोड़ा था। चालक दल के 15 सदस्यों में से आठ को तभी रिहा कर दिया गया था। लेकिन जलदस्युओं ने सात भारतीयों को रिहा नहीं किया जिसमें से दो केरल के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई की जेलों में बंद सोमालियाई जलदस्युओं की रिहाई के बदले भारतीय बंधकों को हासिल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और तत्कालीन गृह मंत्री पी चिंदबरम के सामने भी यह मुद्दा उठा चुके चांडी ने पीटीआई से कहा कि सरकार का शीर्ष नेतृत्व अदला बदली के इस समझौते के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि कोई फैसला लेने से पहले इसकी सुनवाई होनी चाहिए। चांडी ने कहा कि उन्होंने खुर्शीद से महाराष्ट्र की अदालतों में सोमालियाई जलदस्युओं के खिलाफ मामलों के शीघ्र निबटारे की सभी संभव कोशिश करने के लिए कहा ताकि भारतीय बंधकों की रिहाई जल्द संभव हो सके। मुख्यमंत्री ने पीटीआई से कहा कि वह इस मुद्दे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण को भी पत्र लिखेंगे। चांडी ने कहा कि पीड़ितों के परिजन के दर्द को खत्म करने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। यह एक मानवीय मुद्दा है।



पटना में छठ पर्व की घटना के मृतकों के परिजनों से मुलाकात करते बीजेपी सांसद शत्रुहन सिन्हा और सीपी ठाकुर

## हेमामालिनी ने भाजपा सरकार के विकास की कलई खोली: अजय

**भोपाल।** मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने आज यहां कहा कि अभिनेत्री एवं भाजपा नेता हेमामालिनी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के औद्योगिक विकास और स्वर्णिम मध्यप्रदेश के नारों की कलई खोल दी है।

सिंह ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि ग्वालियर के रास्ते दतिया पहुंची हेमामालिनी ने खराब सडकों की हालत बयां करके मुख्यमंत्री की आंख से विकास रुपी तस्वीर की असलियत खोल कर रख दी है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में सडकों की हालत खराब है और राष्ट्रीय राजमार्गों को दुरुस्त करने की जो राशि मप्र सरकार को मिली है उसका उपयोग भी राज्य सरकार नहीं कर पा रही है। सिंह ने कहा कि प्रदेश का विकास मात्र विज्ञापनों में ही दिखाई दे रहा है, जबकि वास्तविक हालात इसके विपरीत है। आज प्रदेश में जनता बेहाल है और भाजपा एवं उसके मंत्री खुशहाल हैं।

# केंद्र ने जयललिता के आरोपों को नकारा



**चेन्नई।** केंद्र ने तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे जयललिता के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि अहम मुद्दों पर नकारात्मक रूख अपनाया जा रहा है और कहा कि राज्य को पर्याप्त वित्तीय सहायता मुहैया कराया गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री नारायणसामी ने हवाईअड्डा पर संवाददाताओं से कहा कि खास कर अन्य राज्यों से तुलाना में केंद्र ने बंदरगाह, तूतीकोरीन ताप बिजली निगम अथवा नेवेली लिग्नाइट निगम में उत्पादन में बढोतरी के लिए वित्तीय सहायता मुहैया कराया गया है। मुख्यमंत्री जयललिता कावेरी नदी प्राधिकरण की बैठक सहित विभिन्न मुद्दों पर 'नकारात्मक रूख' के लिए केंद्र की आलोचना की और कहा कि उसके तमाम 'बाधाओं' के बावजूद वह प्रदेश के अधिकारों की सुरक्षा करेंगी। केंद्र ने 'नकारात्मक रूख' अपनाकर प्रदेश को अतिरिक्त बिजली देने से इंकार कर दिया। उसने ऐसा ही रूख मुल्लापेरियार बांध को लेकर उठाया जिसे लेकर प्रदेश का कर्नाटक के साथ विवाद चल रहा है। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री जीके वासन ने जयललिता के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि केंद्र राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। तमिलनाडु के लिए संप्रग शासन के 8.5 साल में करोड़ों रुपए की योजनाएं दी गई हैं। कई योजनाओं में मदद दी गई। कावेरी जल पर जयललिता के आरोप पर वासन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु को पानी देने के लिए कर्नाटक को निर्देश दिया था। पिछले डेढ साल के दौरान कुडनकुलम परमाणु संयंत्र के मुद्दे को हल करने के लिए संप्रग सरकार जिम्मेदारी से काम कर रही है। केंद्र को उम्मीद है कि सारी समस्याएं निपटा ली जाएंगी और राज्य में बिजली संकट का जल्द ही समाधान होगा।

## राहत ट्रेन से कार टकराई, तीन की मौत, दो घायल

**बेतिया।** बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में बेतिया मुफस्सिल थाना अंतर्गत बेतिया और कुमारबाग स्टेशन के बीच एक मानवरहित क्रासिंग पर एक दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) से आज टकराकर मारुति वैन पर सवार पति पत्नी समेत तीन लोगों की मौत हो गई, दो अन्य घायल हो गए। थानाध्यक्ष प्रियरंजन ने बताया कि मनुआपुल क्षेत्र में मानवरहित क्रासिंग पर नरकटिया से मेहसी की ओर जा रही एक एआरटी से मारुति वैन के टकरा जाने से उस पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई, दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान पिंटू श्रीवास्तव, उनकी पत्नी नीभा देवी और पुत्री समीक्षा के रूप में हुई है। दो घायलों अनिल श्रीवास्तव और साक्षी को बेतिया के एमजेके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्व मध्य रेलवे के पदाधिकारी अमिताभ प्रभाकर ने समस्तीपुर रेल मंडल अंतर्गत मुजफ्फरपुर-नरकटिया रेलखंड पर हुए हादसे के बाद ट्रेनों के परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। एआरटी मेहसी में पटरी से उतरे एक मालगाडी के डिब्बे को ठीक करने जा रही थी।

# पार्रिकर ने निभाया वादा, क्लीन चिट के बाद ही मल्टीप्लेक्स में प्रवेश

**पणजी।** गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पार्रिकर ने आज सात साल के बाद इनोक्स मल्टीप्लेक्स में कदम रखा और अपने वादे को पूरा किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों पर सीबीआई से क्लिन चिट नहीं मिलने तक वह यहां नहीं आएंगे। मुख्यमंत्री के अपने पिछले कार्यकाल में पार्रिकर ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के बुनियादी ढांचे के तहत इमारत के निर्माण की मंजूरी दी थी जिसे इनोक्स को मल्टीप्लेक्स चलाने के लिए किराए पर दिया गया था। सत्ता गंवाने के बाद उनपर परियोजना की राशि में अनियमितता का आरोप लगा। तब उन्होंने कहा था कि आरोप रहने तक वह इमारत में प्रवेश नहीं करेंगे। पार्रिकर ने प्रेट्र को आज बताया कि आप इसे संकल्प नहीं कह सकते। लेकिन मैंने फैसला किया था कि क्लिन चिट मिलने तक मैं इनोक्स नहीं जाऊंगा। सीबीआई ने पिछले साल कहा था कि भाजपा नेता के खिलाफ कोई मामला नहीं है। पार्रिकर ने मल्टीप्लेक्स में कल कोंकणी फिल्म 'दिगांत' भी देखा जो कि फिल्मोत्सव में दिखाए जाने वाली एकमात्र स्थानीय फिल्म है।

## श्रद्धालुओं को भीड़भाड़ से बचा रही बुकिंग सुविधा

**सबरीमाला।** दुनिया के किसी भी हिस्से में बैठे श्रद्धालु को भगवान अय्यपा के दर्शन के समय की बुकिंग पहले से ही करा लेने पर दर्शन की लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ रहा। सबरीमाला के इस मंदिर की वार्षिक यात्रा शुरू हो चुकी है और इस सुविधा की वजह से मंदिर में भीड़भाड़ पर काबू पाने में काफी मदद मिली है। 6.43 लाख श्रद्धालुओं ने 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.सबरीमालाक्यू.कॉम' पर लॉग इन करके बुकिंग कराई थी। इस साइट पर किए गए कुल हिटों की संख्या असल बुकिंग से कहीं ज्यादा रही। सबरीमाला में ड्यूटी पर तैनात एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस बुकिंग व्यवस्था को लगातार मिल रही प्रतिक्रियाएं दर्शाती हैं कि श्रद्धालु खासकर दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु इस सुविधा के इस्तेमाल को प्राथमिकता देते हैं ताकि घंटों लंबी-लंबी कतारों में लगने से बचा जा सके।

## क्विक न्यूज

### भारतीय युवा मुक्केबाज तैयार

**नई दिल्ली।** दस सदस्ईय युवा भारतीय मुक्केबाजी टीम 25 नवंबर से अर्मेनिया के एरेवान में होने वाली तीसरी विश्व युवा चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए कल तड़के रवाना होगी। टीम पिछले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत पदक के प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करेगी। टीम के मुक्केबाजों की उम्र 17..18 वर्ग है और वे 2010 में विकास कृष्ण के स्वर्ण पदक की उपलब्धि को दोहराने का प्रयास करेंगे। विकास ने इस साल लंदन ओलंपिक में भाग लेने से पहले एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता था। शिव थापा ने पिछली बार रजत पदक अपने नाम किया था। राष्ट्रीय युवा कोच जी मनोहरन ने कहा कि इस बार हमें चार..पांच पदकों की उम्मीद है, हालांकि टूर्नामेंट काफी कठिन होने की संभावना है क्योंकि इसमें 120 से ज्यादा देश शिरकत कर रहे हैं।

### जालंधर में राष्ट्रीय पुलिस निशानेबाजी

**जालंधर।** पंजाब के जालंधर में अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। आगामी सोमवार से शुरू होने वाली इस चैंपियनशिप में अंतरराष्ट्रीय शूटर समरेश जंग, अवनीत कौर और हरवीर स्रावो मुख्य आकर्षण होंगे। पंजाब के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सशस्त्र पुलिस) जी एस सहोता ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी चैंपियनशिप के छठे संस्करण का आयोजन पंजाब पुलिस करवाएगी। उन्होंने कहा कि इसका आयोजन जालंधर में कराया जाएगा। इसमें 23 प्रदेशों, संघ शासित क्षेत्रों की पुलिस और केंद्रीय पुलिस संगठनों के लगभग 450 पुरूष और महिला खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की संभावना है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह चैंपियनशिप आगामी 26 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान विभिन्न राज्यों की पुलिस के अलावा केंद्रीय पुलिस बलों की टीम एक दूसरे के साथ जोर आजमाईश करेंगी।

### शूटिंग रेंज अब आम लोगों के लिए खुला

**जालंधर।** पंजाब के युवकों का ध्यान नशे की ओर से हटा कर खेलों की ओर लगाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पंजाब पुलिस ने जालंधर स्थित पीएपी शूटिंग रेंज अब आम लोगों के लिए खोल दिया है और इसमें अब शूटिंग सीखने के इच्छुक लोग यहां बिना किसी शुल्क के प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। पंजाब के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आर्म्ड पुलिस) जी एस सहोता ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जालंधर स्थित पीएपी के शूटिंग रेंज को हमने अब आम लोगों के लिए खोल दिया है। यह पहले केवल पंजाब पुलिस के कर्मचारियों के लिए था लेकिन अब कोई भी यहां आ कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। एक सवाल के उत्तर में सहोता ने कहा कि इसके लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। शूटिंग का प्रशिक्षण बिल्कुल मुफ्त दिया जाएगा। शूटिंग के इच्छुक युवकों या जो लोग भी ऐसा चाहेंगे उन्हें शूटिंग के लिए हथियार उपलब्ध करवाएंगे। हां, कारतूसों का खर्च उन्हें स्वयं उठाना होगा। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद युवाओं के मन में खेल के प्रति रूझान पैदा करना है ताकि वह आगे चल कर अंतराष्ट्रीय खेलों में पदक जीत सकें। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह पहला मौका है जब जालंधर पीएपी ने अपना शूटिंग रेंज आम लोगों के लिए खोला है।

### सलवान स्कूल ने जीता अंडर 19 टूर्नामेंट

**नई दिल्ली।** सलवान ब्वायज स्कूल ने आज यहां फ्रैंक एंथोनी स्कूल को आसानी से 86 रन से हराकर एच एस सिस्तानी मेमोरियल अंडर 19 क्रिकेट टूर्नामेंट जीत लिया। सुफियां आलम ने 115 रन बनाने के अलावा 32 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सलवान स्कूल ने पांच विकेट पर 247 रन बनाए और फिर फ्रैंक एंथोनी स्कूल को 161 रन पर समेट दिया। राजेश तंगड़ी ने 70 जबकि कैफ अहमद ने विजेता टीम के लिए 47 रन बनाए।

### राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में नहीं होंगी मैरीकोम

**ग्रेटर नोएडा।** ओलंपिक कांस्य पदक विजेता एमसी मैरीकोम इस साल राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि वह चाहती है कि घरेलू टूर्नामेंट में युवाओं को मौका मिले। मैरीकोम ने पिछली बार 2008 में आगरा में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया था और 46 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इस मुक्केबाज ने अपने जुड़वां बच्चों के जन्म के कारण 2009 और 2010 में इस चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था। पांच बार की विश्व चैम्पियन यहां मुक्केबाजी अकादमी स्थापित करने के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के इतर कहा कि मैं इस साल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लूंगी क्योंकि मैं चाहती हूं कि युवा खिलाड़ी आगे आएं। नौवीं सीनियर राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप कल से गुवाहाटी में शुरू होगी। मैरीकोम ने लंदन आंलंपिक की 51 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था और अब उनकी नजरें 2016 रियो खेलों पर टिकी हैं। इस मुक्केबाज ने कहा, कि मैंने सुना है कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ 2016 सत्र में 48 किग्रा वर्ग को शामिल कर सकता है। अगर ऐसा हुआ तो मेरे लिए हिस्सा लेना आसान हो जाएगा।

### भारत का दौरा कठिन होगा:कासिम

**कराची।** पाकिस्तान क्रिकेट के मुख्य चयनकर्ता इकबाल कासिम का कहना है कि वे किसी मुगालते में नहीं हैं और उन्हें मालूम है कि राष्ट्रीय टीम का आगामी भारत दौरा आसान नहीं होगा। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम को 22 दिसंबर से भारत के दौरे पर आना है। इस दौरान वे तीन एक दिवसीय और दो टी.20 मैच खेलेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 के बाद पहली बार द्विपक्षीय श्रृंखला आयोजित हो रही है। कासिम ने कहा कि मुझे किसी प्रकार का भ्रम नहीं है। मैं जानता हूं कि यह मुकाबला कठिन होने जा रहा है। यह दौरा छोटा है लेकिन अहम है कि हमारे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनेक खिलाड़ी ऐसे है जिन्होंने अभी तक भारत का पूर्ण दौरा नहीं किया है। कासिम ने इस बात से इंकार नहीं किया है कि भारत जाने वाली टीम में कुछ युवा क्रिकेटर शामिल हो सकते हैं।

# कुक व पीटरसन ने थामी पतवार

एजेंसी। मुंबई

- दोनो ने लगाए अर्धशतक, इंग्लैंड के दो विकेट पर 178 रन
- भारत की पहली पारी में 327 रन ढेर
- मेहमान टीम पहली पारी से 149 रन से पिछड़ी
- ओझा ने दो विकेट के झटके

इंग्लैंड की टीम कप्तान एलिस्टेयर कुक (नाबाद 87) और केविन पीटरसन (नाबाद 62) के शानदार अर्धशतकों से आज यहां भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 178 रन बनाकर अच्छी स्थिति में पहुंच गई।

पीटरसन 85 गेंद का सामना कर नौ चौके की मदद से यह पारी खेलकर सामना किया। कुक ने अभी तक 209 गेंद खेलकर अपनी पारी में 10




पीटरसन और कुक ने बनाए अर्धशतक

प्रज्ञान ओझा के दूसरे सत्र में दो विकेट के झटकों के बावजूद इंग्लैंड की टीम इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए नाबाद 110 रन की साझेदारी से संभलने में सफल रही। इससे पहले इंग्लैंड ने सुबह भारत को पहली पारी में 327 रन पर समेट दिया था। मेहमान टीम भारत की पहली पारी से 149 रन से पिछड़ रही है। इस दौरे के लिए इंग्लैंड टीम में वापसी करने वाले फार्म में लौटे। यह उनका भारत के खिलाफ पांचवां अर्धशतक है। उन्होंने अश्विन की गेंद पर चौका लगाकर 50 रन पूरे किए। अहमदाबाद में पहले टेस्ट में वह 17 और दो रन ही बना सके थे। अहमदाबाद में दूसरी पारी में शतक जड़ने वाले कुक शानदार फार्म में हैं और अपने शतक से 13 रन दूर हैं। उन्होंने और पीटरसन ने तीसरे सत्र में सहजता से भारतीय गेंदबाजी का चौके और एक छक्का जमाया। कुक और उनके सलामी जोड़ीदार निक कोम्पटन (29 रन) ने दूसरे सत्र में स्पिन करती हुई गेंदों का धैर्यपूर्वक सामना किया लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर ओझा ने जल्दी से दो विकेट झटक लिए। ओझा ने चाय से पहले तीन ओवर के अंतिम स्पैल में पांच रन देकर ए विकेट हासिल किए। कुक और कोम्पटन ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। इंग्लैंड की टीम इस तरह श्रृंखला में पहली बार पुजारा को आउट करने में सफल रही। वह 316 रन के स्कोर पर आउट होने वाले नौंवे बल्लेबाज रहे। उन्होंने कल पूरे दिन और आज लंच से आधा घंटा पहले तक बल्लेबाजी की। चौबीस वर्षीय पुजारा ने अहमदाबाद में पहले टेस्ट में पहली पारी में नाबाद 206 रन बनाए थे और दूसरी पारी में भी वह 41 रन बनाकर नाबाद रहे थे। मेजबान टीम ने यह मैच 77 रन से जीता था। भारत ने दूसरे दिन सुबह धीमी शुरूआत की और अश्विन का विकेट खोकर पहले घंटे में 17 ओवर में महज 27 रन जोड़े। पनेसर की तेजी से टर्न कर रही गेंदों से अश्विन को परेशानी हुई जिन्होंने आज 60 रन से खेलना शुरू किया। उन्होंने अपने पैर का इस्तेमाल करने की कोशिश की लेकिन पगबाधा आउट हो गए। अश्विन ने 147 मिनट में 114 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके जमाए और इस तरह उन्होंने पुजारा के साथ सातवें विकेट के लिए 111 रन की भागीदारी की। अश्विन के आउट होने के बाद हरभजन मैदान पर उतरे। वह स्पिन गेंद के खिलाफ सहज नहीं दिख रहे थे जिससे वह कई बार आउट होने से बचे। हरभजन के पनेसर की गेंद पर लगे चौके से भारत ने दिन के 19वें ओवर में 300 रन पूरे किए। उन्होंने इसके बाद पारी का पहला छक्का लगाया। लेकिन वह स्वान की गेंद पर उनके 48वें मैच में 200वां टेस्ट शिकार बने। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले इंग्लैंड के 14वें खिलाड़ी हैं। इसके बाद स्वान ने पुजारा की श्रृंखला में नाबाद पारियों का अंत किया। जहीर आज स्वान का तीसरा शिकार हुए।

दूसरे दिन 21 रन बनाकर ही आउट हो गए पुजारा

## भारत पहली पारी

**भारत पहली पारी :** गौतम गंभीर पगबाधा बो एंडरसन 04, वीरेंद्र सहवाग बो पनेसर 30, चेतेश्वर पुजारा स्ट प्रायर बो स्वान 135, सचिन तेंदुलकर बो पनेसर 08, विराट कोहली का कोम्पटन बो पनेसर 19, युवराज सिंह बो स्वान 00, महेंद्र सिंह धोनी का स्वान बो पनेसर 29, आर अश्विन पगबाधा बो पनेसर 68, हरभजन सिंह पगबाधा बो स्वान 21, जहीर खान का बेयरटो बो स्वान 11, प्रज्ञान ओझा नाबाद 00, **अतिरिक्त :** 02 , **कुल योग :** 115.1 आवेर में सभी आउट : 327 रन , **विकेट पतन :**1-4 , 2-52 , 3-60 , 4-118 , 5 -119 , 6-169 , 7-280 , 8-315 , 9-316 , **गेंदबाजी :** एंडरसन 18 -3-61-1, ब्राड 12-1-60-0, पनेसर 47-12-129-5 , स्वान 34.1 -7-70-4 , पटेल 4-1-6-0

**इंग्लैंड पहली पारी :** एलिस्टेयर कुक खेल रहे हैं 87, निक कोम्पटन का सहवाग बो ओझा 29, जोनाथन ट्राट पगबाधा बो ओझा 00, केविन पीटरसन खेल रहे हैं 62, **अतिरिक्त :** शून्य, **कुल योग :** 65 ओवर में दो विकेट पर : 178 रन , **विकेट पतन :** 1-66 , 2- 68 , **गेंदबाजी :** अश्विन 22-5-54-0 , ओझा 21-3-65-2 , जहीर 8-4-12-0 , हरभजन 14- 0-47-0

# दोहरे शतक से संतोषजनक यह पारी



रहाणे को ढांढस बधाते हरभजन

**मुंबई।** युवा भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट की पहली पारी में अपने शतक को पहले टेस्ट के नाबाद दोहरे शतक से बेहतर आंका है। इस बल्लेबाज का कहना है कि यह शतक अधिक चुनौतीपूर्ण हालात में बना। पुजारा ने पहली पारी में 135 रन बनाए जिससे भारत बेहतर स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

अहमदाबाद में श्रृंखला के पहले टेस्ट में नाबाद 206 रन बनाने वाले पुजारा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह पारी अहमदाबाद से बेहतर है। यह दोहरे शतक से अधिक संतोषजनक है। हम मुश्किल में थे और टीम को रनों की जरूरत थी। विकेट भी बल्लेबाजी के लिए मुश्किल था। हां, मुश्किल हालात



में शतक जड़ना संतोषजनक है। उन्होंने कहा 'हमारा पहला लक्ष्य 350 रन बनाना था। हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और ठीक ठाक स्कोर बनाया। श्रृंखला में अब तक 1000 मिनट से अधिक बल्लेबाजी करने के बावजूद तीन पारियों में सिर्फ एक बार आउट हुए पुजारा ने स्वीकार किया कि उन्हें आज इंग्लैंड के कुछ और विकेटों की जरूरत थी लेकिन उम्मीद जताई कि वे कल ऐसा करने में सफल रहेंगे।

पुजारा ने कहा कि विकेट थोड़ा आसान हो गया है। हमें अधिक विकेट की जरूरत थी। कुछ फैसले हमारे खिलाफ गए। हमें लगता है कि हमने अच्छी गेंदबाजी की। पुजारा ने कहा कि विकेट थोड़ा आसान हो गया है। हमें अधिक विकेट की जरूरत थी। कुछ फैसले हमारे खिलाफ गए। हमें लगता है कि हमने अच्छी गेंदबाजी की। कल अलग दिन होगा। पहले सत्र में गेंद अधिक टर्न करती है, हमें इसका फायदा उठाना होगा और कल अधिक विकेट हासिल करने होंगे। उन्होंने कहा कि शुरूआत में स्पिनरों को खेलना मुश्किल होता है। लेकिन विकेट थोड़ा धीमा हो गया है। अभी सिर्फ दो दिन हुए हैं।

# भारत ने पाक को हराया

## लैंको हाकी सीरीज में पहली जीत

एजेंसी। पर्थ



भारत ने महज औपचारिकता के राउंड रोबिन मैच में आज यहां पाकिस्तान को 5-2 से हराकर लैंको इंटरनेशनल सुपर सीरीज हाकी टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की।

उपमहाद्वीप की दो दिग्गज टीमों के बीच हुए मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी रहा। यह टूर्नामेंट हाकी नाइन्स के नाम से मशहूर है जिसमें प्रत्एक टीम में नौ खिलाड़ी होते हैं। भारत ने पहले हाफ में तीन जबकि दूसरे हाफ में दो गोल दागे। उसकी ओर से एसवी सुनील नौवें और 33वें मिनट ने दो जबकि वीआर रघुनाथ सातवें मिनट, आकाशदीप सिंह 15वें मिनट और मनप्रीत सिंह 29वें मिनट ने एक-एक गोल किया। दूसरी तरफ पाकिस्तान की ओर से शफकत रसूल और मोहम्मद रिजवान सीनियर ने गोल दागे। इस जीत से पाकिस्तान के खिलाफ कल होने वाले तीसरे-चौथे स्थान के प्ले आफ से पहले भारत का मनोबल बढ़ेगा। इस बीच मेजबान और गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने अपना जीत का क्रम बरकरार रखते हुए इंग्लैंड को 6-2 से हराकर कल इसी टीम के खिलाफ होने वाले फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत किया। आज होने वाले मैच से पहले ही आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे।

# बीसीसीआई के नियमों से हो सकता है विवाद का अंत : न्यूज मीडिया



**नई दिल्ली।** अंतराष्ट्रीय न्यूज मीडिया ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अपने ही मौजूदा मीडिया नियमों के जरिए भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के लिए फोटो कवरेज को लेकर हुए विवाद का निपटारा कर सकती है। न्यूज मीडिया गठबंधन (एनएमसी) ने कहा कि यह सब टाला जा सकता था और बीसीसीआई को अपने रूख से भी हटना नहीं पड़ता। इसके अनुसार, बीसीसीआई के खुद के मीडिया नियम उन गतिविधियों को रोकते हैं जो बीसीसीआई नियंत्रित करना चाहता है। शायद उन्हें अपने नियम खुद देखने होंगे। इसके अलावा न्यूज संगठन खुद अपनी सामग्री को इस्तेमाल करने पर रोक लगाती है ताकि सुनिश्चित किया जा सकते कि इसका इस्तेमाल संपादकीय उद्देश्य के अलावा कहीं और नहीं किया जा सके। बीसीसीआई के गैटी इमेज, एक्शन इमेज और दो अन्य भारतीय फोटो एजेंसियों को भारत-इंग्लैंड श्रृंखला कवर करने से रोकने के फैसले से रायटर्स, एएफपी और एपी ने टूर की रिपोर्ट और फोटो कवरेज स्थगित कर दी। ब्रिटेन की राष्ट्रीय एजेंसी प्रेस एसोसिएशन भी फोटोग्राफ नहीं उपलब्ध करा रही है। अंतराष्ट्रीय फोटो एजेंसियों पर रोक लगाने से इंग्लैंड क्रिकेट टीम के भारत दौरे की फोटो का वैश्विक वितरण रूक गया है।

# धवन व उन्मुक्त का शतक



शिखर धवन

एजेंसी। नई दिल्ली

## दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ एक विकेट पर 287 रन बनाए

कप्तान शिखर धवन और युवा उन्मुक्त चंद के शतकों की मदद से दिल्ली ने रणजी ट्राफी ग्रुप बी मैच के पहले दिन आज यहां तमिलनाडु के खिलाफ एक विकेट पर 287 रन बनाकर विशाल स्कोर की ओर कदम बढ़ाए। टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरे दिल्ली को धवन (104) और उन्मुक्त (नाबाद 134) की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 205 रन जोड़कर शानदार शुरूआत दिलाई। तमिलनाडु ने सात गेंदबाजों को इस्तेमाल किया लेकिन उसे पहली सफलता के लिए 57वें ओवर तक इंतजार करना पड़ा। आफ स्पिनर आर आसिक श्रीनिवास ने धवन को बोल्ड करके तमिलनाडु को दिन की एकमात्र सफलता दिलाई। चाय के विश्राम से पांच मिनट पहले पवेलियन लौटे धवन ने अपने प्रथम श्रेणी शतक के दौरान 175 गेंद का सामना किया और 18 चौके मारे। उन्मुक्त ने भी इसके बाद यो महेश की गेंद पर मिड विकेट पर चौका जड़कर शतक पूरा किया। उन्होंने अब तक अपनी पारी में 228 गेंद का सामना करते हुए 16 चौके और दो छक्के जड़े हैं। धवन के आउट होने के बाद उन्मुक्त को मोहित शर्मा नाबाद 40 के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। दोनों दूसरे विकेट के लिए अब तक 82 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं।

### ओड़िशा 202 रन ढेर

**बेंगलूर।** एसएल अक्षय और विनयकुमार ने मिलकर सात विकेट चटकाए जिससे कर्नाटक ने रणजी ट्राफी ग्रुप बी क्रिकेट मैच के पहले दिन आज यहां ओड़िशा को सिर्फ 202 रन पर ढेर कर दिया। ओड़िशा की ओर से निरंजन बेहड़ा 61 और सुभ्रजीत साहू 45 ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए। कर्नाटक की ओर से अक्षय ने 40 रन देकर चार जबकि विनय कुमार ने 31 रन देकर तीन विकेट चटकाए। एचएस शरत ने दो जबकि स्टुअर्ट बिन्नी ने एक विकेट हासिल किया। कर्नाटक ने इसके बाद दिन का खेल खत्म होने तक बिना विकेट खोए 16 रन बनाए। केबी पवन आठ जबकि रोबिन उथप्पा चार रन बनाकर खेल रहे हैं। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे ओड़िशा को की शुरूआत खराब रही और उसने 36 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए।

### सेना ने असम को 182 रन पर समेटा

**नई दिल्ली।** तेज गेंदबाज सूरज यादव के चार विकेट की मदद से सेना ने रणजी ट्राफी ग्रुप सी मैच के पहले दिन आज यहां असम को 182 रन पर ढेर करके अपना पलड़ा भारी रखा। यादव ने 58 रन देकर चार विकेट चटकाए। निशान सिंह, शाहदाब नजर और यशपाल सिन्हा ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए दो-दो विकेट चटकाए। असम की ओर से तारजिंदर सिंह 29, पल्लव कुमार दास 27, राजदीप दास 26 और धीरज गोस्वामी 22 अच्छी शुरूआत के बाद पवेलियन लौटे।

# शाह और रोहित के शतक से मुंबई बड़े स्कोर की ओर

एजेंसी। हैदराबाद

हिकेन शाह और कप्तान रोहित शर्मा के नाबाद शतकों की मदद से मुंबई ने रणजी ट्राफी क्रिकेट ग्रुप ए मैच के पहले दिन आज यहां दो विकेट पर 325 रन बनाकर विशाल स्कोर की तरफ कदम बढ़ाए। दिन का खेल खत्म होने पर हिकेन 154 जबकि रोहित 102 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। दोनों अब तक तीसरे विकेट के लिए 203 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं। शाह ने 260 गेंद की अपनी पारी में अब तक 17 चौके मारे हैं जबकि रोहित की 161 गेंद की पारी में नौ चौके और तीन छक्के शामिल हैं। इससे पहले टास जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे मुंबई ने एक रन के स्कोर पर ही कौस्तुभ पवार 01 का विकेट गंवा दिया। हिकेन ने इसके बाद आदित्य तारे 62 के साथ दूसरे विकेट के लिए 121 रन जोड़कर पारी को संभाला। तारे के रन आउट होने से यह साझेदारी टूटी। उन्होंने 106 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके मारे।

रोहित

### संदीप के तूफान में उड़ा सौराष्ट्र, पंजाब को बढ़त

**मोहाली।** युवा तेज गेंदबाज संदीप शर्मा के कैरियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत पंजाब ने रणजी ट्राफी क्रिकेट ग्रुप ए मैच के पहले दिन आज यहां सौराष्ट्र के खिलाफ बढ़त हासिल कर ली। अंडर 19 विश्व कप जीतने वाले भारतीय टीम में शामिल रहे उन्नीस संदीप ने 25 रन देकर सात विकेट चटकाए जिससे सौराष्ट्र की टीम पहली पारी में 90 रन पर ढेर हो गई। सौराष्ट्र का स्कोर एक समय एक विकेट पर 73 रन था लेकिन उसने 17 रन जोड़कर अपने अंतिम नौ विकैट गंवा दिए। अंतिम आठ विकेट तो सिर्फ पांच रन जोड़ पाए। सागर जोगियानी (41) और भूषण चौहान (29) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी भी की।

### राहुल का नाबाद अर्धशतक

**रोहतक।** राहुल के नाबाद 64 रन की मदद से हरियाणा ने ग्रुप बी मैच के पहले दिन आज यहां बड़ौदा के खिलाफ पांच विकेट पर 221 रन बनाए। राहुल ने अब तक 117 गेंद का सामना करते हुए अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान पांच चौके मारे हैं। उन्होंने सचिन 42 के साथ पांचवें विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की जिससे टीम 96 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रही। हरियाणा ने हालांकि काफी धीमी बल्लेबाजी की और आज 97 ओवर का सामना करने के दौरान उसकी रन गति केवल 2.27 रही।

### झारखंड के पांच विकेट पर 176 रन

**रांची।** सौरभ तिवारी और सन्नी गुप्ता के नाबाद अर्धशतकों के बावजूद झारखंड की टीम रणजी ट्राफी ग्रुप सी मैच के पहले दिन आज यहां हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पांच विकेट पर 176 रन ही बना सकी। तिवारी ने नाबाद 65 और गुप्ता ने नाबाद 58 रन की पारी खेली। दोनों ने उस समय छठे विकेट के लिए 120 रन की अटूट साझेदारी जब झारखंड की टीम 56 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी।

### गुजरात पर रेलवे का पलड़ा भारी

**भुवनेश्वर।** अनुभवी संजय बांगड़ के पांच विकेट और अमित पौनीकर के अर्धशतक की मदद से रेलवे ने रणजी ट्राफी क्रिकेट ग्रुप ए मैच के पहले दिन आज यहां गुजरात के खिलाफ अपना पलड़ा भारी रखा। रेलवे ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और बांगड़ (12 रन पर पांच विकेट) की धारदार गेंदबाजी से गुजरात को 117 रन पर ढेर कर दिया। रेलवे ने इसके बाद दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट पर 145 रन बनाए। रेलवे की ओर से नितिन भिल्ले नौ जबकि बांगड़ पांच रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे।

### आंध्र मजबूत

**जम्मू।** सैयद सहाबुद्दीन 53 रन पर पांच विकेट के पांच विकेट की बदौलत आंध्र ने रणजी ट्राफी क्रिकेट ग्रुप सी मैच में आज यहां जम्मू एवं कश्मीर के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। आंध्र ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला और सहाबुद्दीन ने इसे सही साबित करते हुए मेजबान टीम को 153 रन पर ढेर कर दिया।

### कामत का शतक, गोवा के चार विकेट पर 281 रन

**मलप्पुरम।** सलामी बल्लेबाज सगुन कामत के कैथ्रयर के दूसरे प्रथम श्रेणी शतक की मदद से गोवा ने केरल के खिलाफ रणजी ट्राफी ग्रुप सी मैच के पहले दिन चार विकेट पर 281 रन बनाए। कामत ने 212 गेंद का सामना करते हुए 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 107 रन बनाए। कामत के अलावा विकेटकीपर मानविंदर बिस्ला ने 74 रन की पारी खेली जबकि रविकांत शुक्ला ने नाबाद 44 रन बनाए। कामत और बिस्ला ने तीसरे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी भी की। दिन का खेल खत्म होने पर रीगान पिंटो 15 रन बनाकर शुक्ला का साथ निभा रहे थे।

### महाराष्ट्र के 227 रन

**नागपुर।** पदार्पण कर रहे सलामी बल्लेबाज विराग अवाटे के नाबाद शतक से महाराष्ट्र ने रणजी ट्राफी क्रिकेट ग्रुप बी मैच में पहले दिन आज यहां विदर्भ के खिलाफ तीन विकेट पर 227 रन बनाए।

अवाटे ने अब तक 302 गेंद का सामना करते हुए 15 चौकों की मदद से नाबाद 111 रन बनाए हैं। अवाटे ने संग्राम दिलीप अतीतकर 45 के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी भी। दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान रोहित मोटवानी 24 रन बनाकर अवाटे का साथ निभा रहे थे।

### ओझा शतक से चूके

**इंदौर।** नमन ओझा एक रन से शतक से चूक गए लेकिन उनकी 99 रन की पारी की मदद से मध्य प्रदेश ने खराब शुरूआत से उबरते हुए रणजी ट्राफी ग्रुप ए मैच के पहले दिन आज यहां बंगाल के खिलाफ पांच विकेट पर 322 रन बनाए।

ओझा ने 116 गेंद में 16 चौकों और एक छक्के की मदद से 99 रन बनाए। वह लेग स्पिनर अभिषेक झुनझुनवाला की गेंद पर स्टंप हुए। टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरे मध्य प्रदेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने जल्द ही दो विकेट गंवा दिए।

## क्विक न्यूज

### जीव ने कोर्स रिकार्ड बनाया

**दुबई।** दाएं हाथ की अंगुली में चोट और स्वदेश में चोट के कारण मां को आपरेशन की जरूरत की खबर के बावजूद जीव मिल्खा सिंह ने डीपी विश्व टूर गोल्फ चैम्पियनशिप के तीसरे दिन आज यहां आठ अंडर 64 का कोर्स रिकार्ड बनाया। पहले दो दौर के बाद 40 वर्षीय जीव एक ओवर के स्कोर के साथ काफी पिछड़ गए थे लेकिन अब वह सात अंडर 209 के कुल स्कोर के साथ 50वें से संयुक्त 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले जीव ने डाक्टर की खेल से लंबा ब्रेक लेने की सलाह को नजर अंदाज किया। इसके अलावा उन्हें अपनी मां के चोटिल होने की खबर से भी जूझना पड़ा जो अपने घर के बाहर सड़क पर गिर गई और उनके पैर में काफी चोट आई है। उन्हें बड़ी सर्जरी की जरूरत है। इस बीच कल तक शीर्ष पर चल रहे रोरी मैकेलराय और ल्यूक डोनाल्ड दोनों ने आज 66 का स्कोर बनाया और 17 अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त शीर्ष पर चल रहे हैं।

### साल के सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुने गए बोल्ट

**बार्सीलोना।** जमैका के फर्राटा धावक उसेन बोल्ट को आज लगातार चौथी बार आईएएएफ का 'वर्ल्ड एथलीट आफ द ईयर' चुना गया। बोल्ट ने इस प्रतिष्ठित खिताब की दौड़ में अमेरिका के बाधा दौड़ के धावक एरिस मेरिट और कीनिया के धावक डेविड रूडीशा को पछाड़ा। इस साल लंदन ओलंपिक में 100 मीटर और 200 मीटर के अपने खिताब की रक्षा करने में सफल रहे जमैका के बोल्ट ने इससे पहले 2008, 2009 और 2011 में यह पुरस्कार अपने नाम किया था। अमेरिका की फर्राटा धावक एलिसन फेलिक्स को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट चुना गया। अपने कोच और प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए बोल्ट ने कहा कि इस पुरस्कार को चौथी बार हासिल करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। मैंने इस साल कड़ी मेहनत की और पूरी तरह से एकाग्र रहा। यह सत्र मेरे सबसे कड़े सत्र में से एक रहा। मैंने कई उतार चढ़ाव देखे हालांकि हम इस बारे में बात करना पसंद नहीं करते।

### सीएसआई की प्रधानमंत्री से अपील

**नई दिल्ली।** देश में भ्रष्टाचार मुक्त खेलों के लिए अभियान चला रहे क्लीन स्पोर्ट्स इंडिया ने आज प्रधामंत्री मनमोहन सिंह से अपील की और आईओए के आगामी चुनावों में खेल संहिता को अपनाने को लेकर उनसे हस्तक्षेप की मांग की। सीएसआई के राष्ट्रीय समन्वयक बीवीपी राव ने एक बयान में कहा कि क्लीन स्पोर्ट्स इंडिया प्रधानमंत्री से अपील करता है कि वह खेल संहिता वापस लेने की आईओए के कार्यकारी अध्यक्ष वीके मल्होत्रा की मांग नहीं माने। इसके विपरीत सीएसआई प्रधानमंत्री से आग्रह करता है कि खेल विधेयक को कैबिनेट में दोबारा लाया जाए। राव ने कहा कि सीएसआई का मानना है कि खेल संहिता हटाने में वीके मल्होत्रा की निजी रुचि है क्योंकि सरकार भारतीय तीरंदाजी संघ की मान्यता रद्द करने की ओर है क्योंकि उन्होंने खुद खेल संहिता के आयु और कार्यकाल नियम का उल्लंघन किया है। वह 40 बरस से एएआई के अध्यक्ष हैं और फिलहाल उनकी उम्र 81 बरस है।

### काफी आशावान हैं परवेज अशरफ

**कराची।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रजा परवेज अशरफ को उम्मीद है कि भारत से द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध दोबारा शुरू होने से दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ेगा। परेवज अशरफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष जका अशरफ से उस समय यह उम्मीद जताई जब पीसीबी अधिकारी ने प्रधानमंत्री को आगामी भारत दौरे और क्रिकेट मामलों की जानकारी दी। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध दोबारा शुरू करने में प्रयासों के लिए पीसीबी अध्यक्ष की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि पाकिस्तान जब भारत का दौरा करेगा तो इससे दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ बेहतर होगी और संपर्क बढ़ेगा। पाकिस्तान को 22 दिसंबर से तीन वनडे और दो टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करना है। वर्ष 2007 के बाद यह दोनों टीमों के बीच पहली द्विपक्षीय श्रृंखला होगी।

### सौम्या को आधा अंक

**चेन्नई।** भारत की महिला ग्रैंडमास्टर सौम्या स्वामीनाथन ने शीर्ष वरीय हालैंड के ग्रैंडमास्टर सर्जेई तिवियाकोव को राष्ट्रमंडल शतरंज चैम्पियनशिप 2012 के तीसरे दौर में ड्रा पर रोककर आधा अंक हासिल किया। तीसरे दौर के बाद मिस्र के ग्रैंडमास्टर अहमद आदली, उक्रेन के ओलेकसिएंको मिखाइलो, उज्बेकिस्तान के मरात झुमाएव, भारत के बी अधिबान, एसपी सेतुरमन, एमआर ललित बाबू, अरूण प्रसाद और दीपन चक्रवर्ती तीन अंक के साथ संयुक्त शीर्ष पर चल रहे हैं। शीर्ष वरीय तिवियाकोव के 2.5 अंक हैं।

### फोर्स इंडिया का अच्छा प्रदर्शन

**साओ पाउलो।** सहारा फोर्स इंडिया के ड्राइवर पाल डि रेस्टा और निको हुल्केनबर्ग आज यहां ब्राजील ग्रां प्री के तीसरे अभ्यास सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए क्रमश: छठे और सातवें स्थान पर रहे। ब्रिटेन के ड्राइवर डि रेस्टा ने एक मिनट 13 . 486 सेकेंड का सबसे तेज लैप समय निकाला जबकि जर्मनी के हुल्केनबर्ग ने सबसे तेज लैप एक मिनट 13 . 602 सेकेंड में पूरा किया। जेसन बटन शीर्ष पर रहे जबकि चैम्पियनशिप तालिका में शीर्ष पर चल रहे सबेस्टियन वेटेल ने दूसरा स्थान हासिल किया।

### शिवगंगा पर वृतचित्र प्रदर्शित

**लखनऊ।** शनिवार शाम को केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में 'एन अनसंग शिवा फ्राम हिमालया ऑन शिवा' नामक 25 मिनट का वत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। चार बार शीतकालीन ओलंपिक में भाग ले चुके व नगानो में हुए एशिया कप में एशियन रिकार्ड तोड़ चुके ल्यूज खिलाड़ी शिवा पर आधारित यह वृत्तचित्र बीबीसी में कार्यरत वरिष्ठ खेल पत्रकार जसविंदर सिद्धू ने निर्माण किया है।

# दक्षिण अफ्रीका पर कंगारुओं की बढ़त

**एजेंसी।** एडिलेड

दक्षिण अफ्रीका ने आज यहां दूसरे एडिलेड टेस्ट के तीसरे दिन अंत में आस्ट्रेलिया के पांच विकेट चटकाकर कुछ उम्मीद तो जगाई लेकिन घरेलू टीम की कुल बढ़त 273 रन की हो गई है।

पहली पारी में 162 रन की बढ़त बनाने वाली आस्ट्रेलियाई टीम एक समय बिना विकेट खाए 77 रन पर थी, लेकिन प्रोटियाज ने अंत में उसके पांच खिलाड़ियों को पवेलियन भेजकर वापसी की। स्टंप तक आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में पांच विकेट खोकर 111 रन बना लिए थे। पहली पारी में दोहरा शतक ठोकने वाले माइकल क्लार्क नौ और माइक हस्सी पांच रन बनाकर क्रीज पर खेल रहे थे। इससे टीम ने 273 रन की बढ़त बना ली और उनके पांच विकेट बाकी हैं। रोरी क्लेनवेल्ट ने 18 गेंद के अंदर तीन विकेट झटककर अपनी टीम को मुकाबले में ला दिया। डेल स्टेन और मोर्ने मोर्कल ने भी एक एक



कैलिस

विकेट प्राप्त किया। स्विंग गेंदबाज क्लेनवेल्ट ने तीन गेंद के अंदर दो विकेट डेविड वार्नर (41) और राब क्विने चटकाए। उन्होंने तीसरा विकेट एड कोवान (29) के रूप में हासिल किया। रिकी पोंटिंग (16) का श्रृंखला में लचर प्रदर्शन जारी है, वह स्टेन की गेंद पर बोल्ड हो गए।

**आस्ट्रेलिया की बढ़त 273 रन की**

रात्रिप्रहरी पीटर सिडल 16 गेंद खेलने के बाद मोर्कल का शिकार बने। इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम चाय तक पहली पारी में 388 रन पर सिमट गई थी। टेस्ट में आगाज करने वाले फाफ डु प्लेसिस चाय तक आउट होने वाले अंतिम खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 78 रन की जुझारू पारी खेली जबकि जाक कैलिस दर्द के बावजूद बल्लेबाजी करते रहे और उन्होंने 58 रन की पारी से दक्षिण अफ्रीका को फालोआन से बचाया। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 550 रन बनाए थे। दुनिया की नंबर एक रैंकिंग की टीम एक समय 250 रन पर सात विकेट खोकर जूझ रही थी जिससे उसके फालोआन के 351 रन से आगे बढ़ने की उम्मीद नहीं दिख रही थी।

लेकिन डु प्लेसिस और कैलिस के बीच आठवें विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को फालोआन का स्कोर पार करने का मंच प्रदान किया। डु प्लेसिस ने 159 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया, लेकिन वह बेन हिल्फेन्हास की गेंद पर सिली मिड आन पर माइकल क्लार्क को कैच दे बैठे। कैलिस मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गुरूवार के शुरूआती दिन मैदान पर नहीं उतरे और वह उन्होंने नौंवे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 93 गेंद में महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारी खेली।

# मल्होत्रा का इस्तीफा मांगा

**एजेंसी।** नई दिल्ली

**भारतीय नेटबाल महासंघ के महासचिव हरि ओम कौशिक ने लगाया चुनावों की प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ का आरोप**

भारतीय ओलम्पिक संघ के कोषाध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे भारतीय नेटबाल महासंघ के महासचिव हरि ओम कौशिक ने आज कार्यवाहक अध्यक्ष वीके मल्होत्रा के इस्तीफे की मांग की है। कौशिक का आरोप है कि मल्होत्रा ने आईओए के चुनावों की प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

कौशिक का कहना है कि मल्होत्रा ने जानबूझकर इस तरह का विवाद पैदा किया है। जिससे कि खेल संहिता का मुद्दा उलझ गया है और उन्हें नैतिक कर्तव्य मानते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति ने पत्र के जरिए कहा है कि वह अपने बोर्ड की 4 और 5 दिसंबर को होने वाली बैठक में हमारे भारतीय ओलम्पि संघ खिलाफ ओलम्पिक चार्टर का उल्लंघन करने के लिए एक प्रस्ताव रखने जा रहा है।

कौशिक ने मल्होत्रा को लिखे पत्र में कहा कि मैं सवाल पूछना चाहता हूं कि क्या आपको नहीं मालूम था कि ओलम्पिक चार्टर और सरकारी दिशानिर्देश दोनों एकदम विपरीत हैं। चुनावों की घोषणा करने से पहले यह सोचना चाहिए था कि विवाद तो होना तय है।

उन्होंने कहा कि आपने मल्होत्रा सारी स्थिति खराब कर दी है। भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति दोनों ही भारतीय ओलम्पिक संघ से खफा हैं आपको सब ठीक ठाक करना चाहिए था लेकिर आप असफल हो गए इसलिए आपको इस्तीफा दे देना चाहिए। गौरतलब है कि आईओए के चुनाव पांच दिसंबर को होने है।

शतक से चूके साकिब अल हसन

# बांग्लादेश पर वेस्टइंडीज जीत के करीब

**एजेंसी।** खुलना

बांग्लादेश के आलराउंडर साकिब अल हसन ने चार विकेट चटकाने के बाद 97 रन की पारी भी खेली लेकिन इसके बाजवूद वेस्टइंडीज की टीम आज यहां दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन जीत के करीब पहुंच गई।

पच्चीस वर्षीय साकिब सिर्फ तीन रन से शतक से चूक गए लेकिन उन्होंने बांग्लादेश को दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 226 रन तक पहुंचाया जबकि टीम 82 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। बांग्लादेश की टीम को पारी की हार टालने के लिए अब भी 35 रन की दरकार है।

**बांग्लादेश की टीम को पारी की हार टालने के लिए अब भी 35 रन की दरकार है**

साकिब बाएं हाथ के स्पिनर वीरासामी पेरमल के दिन के अंतिम ओवर की पहली गेंद पर मिड आफ पर टिनो बेस्ट को कैच दे बैठे। उन्होंने नासिर हुसैन के साथ छठे विकेट के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ रिकार्ड 144 रन की साझेदारी की। दिन का खेल खत्म होने पर हुसैन 64 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। वेस्टइंडीज की तरफ से तेज गेंदबाज बेस्ट ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाए हैं। पेरमल ने 51 रन देकर दो विकेट हासिल किए हैं। इससे पहले साकिब टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट पूरे करने वाले बांग्लादेश के सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने। उन्होंने सुबह चार विकेट हासिल किए जिसके बाद वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 564 रन से आगे खेलते हुए नौ विकेट पर 648 रन पर पारी घोषित की। शिवनरायण चंद्रपाल 150 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 282 गेंद का सामना करते हुए 12 चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने पहले टेस्ट में भी नाबाद 203 रन बनाए थे। टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश के खिलाफ यह वेस्टइंडीज का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। इससे पहले वेस्टइंडीज ने आठ साल पहले किंगस्टन में इस टीम के खिलाफ चार विकेट पर 559 रन बनाकर पारी घोषित की थी। साकिब ने दिनेश रामदीन 31 को विकेट के पीछे कैच हराया जबकि दो गेंद बाद डेरेन सैमी को मोहम्मद महमूदुल्लाह के हाथों कैच कराके टेस्ट क्रिकेट में विकेटों का सैकड़ा पूरा किया। साकिब ने इसके बाद पेरमल 13 और सुनील नारायण को भी पवेलियन भेजा। उन्होंने 151 रन देकर चार विकेट चटकाए। साकिब के अलावा बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद रफीक ने ही बांग्लादेश की ओर से टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक विकेट चटकाए हैं।



तमिम इकबाल शाट लगाते हुए

## पनेसर साथ गेंदबाजी करके खुश हैं स्वान

**मुंबई।** टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट चटकाने वाले इंग्लैंड के 14वें गेंदबाज बने आफ स्पिनर ग्रीम स्वान का मानना है भारत के खिलाफ यहां चल रहे मौजूदा दूसरे टेस्ट मैच को जीतने के बारे में सोचने पहले अभी कड़ी मेहनत करनी बाकी है। स्वान ने आज चार विकेट लिए जिसमें दस गेंदों में तीन विकेट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी यह भी नहीं कह सकते कि हम मजबूत स्थिति में हैं। अभी अच्छी स्थिति है लेकिन यह नहीं कह सकते कि हम टेस्ट जीतने की स्थिति में हैं। टेस्ट जीतने के लिए अभी कड़ी मेहनत करनी होगी। स्वान ने आज 70 रन देकर चार विकेट लिए। भारत की टीम 327 रन पर आउट हो गई इसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में दूसरे दिन दो विकेट पर 178 रन बना लिए और वह अभी 149 रन पीछे है। स्वान ने कहा कि वह बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मोंटी पनेसर साथ गेंदबाजी करके खुश हैं। पनेसर ने 129 रन देकर पांच विकेट लिए।

# पुणे एफसी के स्ट्राइकर ने 10 सेकेंड के भीतर गोल दागा

**यूनाईटेड सिक्किम से 2-2 से ड्रा खेला**

**पुणे।** पुणे एफसी के स्ट्राइकर जेम्स मोगा ने भारतीय फुटबाल के इतिहास के सबसे जल्द गोलों में से एक दागा जिससे उनकी टीम ने आईलीग फुटबाल के सातवें दौर के मैच में आज यहां यूनाईटेड सिक्किम से 2-2 से ड्रा खेला।

मोगा ने 10 सेकेंड में गोल दागा। मेजबान टीम हालांकि मौके गंवाने के कारण जीत दर्ज नहीं कर सकी। स्ट्राइकर जेजे लालपेखलुआ ने दूसरे हाफ में स्पाट किक से गोल करने का मौका गंवाया। पुणे एफसी की ओर से सूडान के मोगा ने पहले और 68वें मिनट में गोल दागा जबकि यूनाईटेड सिक्किम की ओर से डीजी अतिवी 25वें मिनट और सफर सरदार 27वें मिनट ने गोल किए। इस ड्रा के बाद पुणे एफसी के सात मैचों में 10 जबकि यूनाईटेड सिक्किम के पांच अंक हो गए हैं।

टीम ने पिछले तीन मैचों में 11 गोल दागे हैं जबकि विरोधी टीमों को एक भी गोल नहीं करने दिया। इस जीत से ईस्ट बंगाल की टीम 17 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार है जबकि ओएनजीसी छह अंक के साथ निचले पायदान पर है।

# ईस्ट बंगाल ने ओएनजीसी को रौंदा

**आईलीग फुटबाल**

**एजेंसी।** कोलकाता

ईस्ट बंगाल ने आईलीग फुटबाल टूर्नामेंट के सातवें दौर के एकतरफा मुकाबले में आज यहां ओएनजीसी एफसी को 5-0 से हरा दिया।

ओएनजीसी के डिफेंडर संदीप सांघा को दूसरे हाफ के शुरूआती मिनटों में ही मैच के दूसरी बार कार्ड दिखाया गया जिसके बाद टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। ईस्ट बंगाल की ओर से इदेह चिदी, ओर्जी पेन, मननदीप सिंह और स्थानापन्न लालरिंदिका राल्टे और रोबिन सिंह ने गोल दागे जिससे टीम लगातार तीसरी जीत दर्ज करने में सफल रही। टीम ने पिछले तीन मैचों में 11 गोल दागे हैं जबकि विरोधी टीमों को एक भी गोल नहीं करने दिया। इस जीत से ईस्ट बंगाल की टीम 17 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार है जबकि ओएनजीसी छह अंक के साथ निचले पायदान पर है।

### मोघ्राबी के गोल से चर्चिल जीता

**शिलांग।** अकरम मोघ्राबी के इंजरी टाइम में दागे गोल की मदद से चर्चिल ने आईलीग फुटबाल टूर्नामेंट के सातवें दौर के मैच में आज यहां शिलांग लाजोंग के खिलाफ 1-0 की जीत से पूरे तीन अंक हासिल किए।

मैच में लाजोंग का दबदबा रहा लेकिन उसके खिलाड़ी अहम मौकों पर चूक गए। चर्चिल ने भी गोल करने के कुछ मौके गंवाए। इस जीत के बाद चर्चिल के सात मैचों में 15 अंक हो गए हैं।

### अब्रांचेज के गोल से डेम्पो जीता

**मडगांव।** जोकिम अब्रांचेज के अंतिम लम्हों में दागे गोल की मदद से डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब ने आईलीग फुटबाल मैच में आज यहां एयर इंडिया को।-0 से हरा दिया। अब्रांचेज ने मैच का एकमात्र गोल 90वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी रोमियो फर्नांडिस के पास पर किया। इस जीत के बाद डेम्पो की टीम के सात मैचों में 13 अंक हैं। एयर इंडिया छह मैचों में तीन अंक के साथ अंतिम स्थान पर है।

ओएनजीसी पर गोल करने के बाद ईस्ट बंगाल के खिलाड़ी

# इलाहाबाद की लखनऊ से होगी खितबी भिड़ंत

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में छठे कबीर शाह मेमोरियल स्टेट मीडिया टी-20 क्रिकेट के सेमीफाइनल में

- **छठा कबीर शाह स्मारक मीडिया टी-20**
- **लखनऊ ने गत चैंपियन कानपुर को दी शिकस्त**
- **इलाहाबाद ने काशी को सात विकेट से हराया**

जहां इलाहाबाद ने वाराणसी को 7 विकेट से व लखनऊ खेल पत्रकार संघ (एलएसजेए) ने कानपुर को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वाराणसी ने 15.1 ओवर में 108 रन बनाए। संतोष यादव-23, केशव यादव ने 14 रन बनाए। अखिलेश ने 4 जबकि रजी ने 2 विकेट लिए। जवाब में उतरी इलाहाबाद की टीम ने निवेदन-34 व रजी के 26 रन की मदद से लक्ष्य हासिल कर लिया। अनिल ने 1 विकेट लिया। मैन आफ द मैच अखिलेश त्रिपाठी रहे। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कानपुर ने 7 विकेट खोकर 20 ओवर में 116 रन बनाए। अशोक-38, राम सिंह ने 35 रनों का सहयोग किया। रिषि सेंगर ने 3 जबकि दीपक ने 2 विकेट झटका। जवाब में उतरी लखनऊ की टीम ने रिशि-28, राजीव-22,दीपक के 20 रन की मदद से लक्ष्य प्राप्त कर लिया। अशोक ने 2 विकेट लिया। मैन आफ द मैच रिशि व दीपक को दिया गया। अनिल अग्रवाल व कृष्ण कुमार वर्मा ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

खिलाड़ियों से परिचय लेते मुख्य अतिथि

### रेलवे पे यूपी को हराया

**लखनऊ।** इंटर स्टेट महिला वनडे के फाइनल मैच में रेलवे ने यूपी को 90 रनों से हराकर खिताबी जीत हासिल की। पहले खेलते हुए रेलवे ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 185 रन बनाए। एसएम नाइक-34, श्वेता-22, पूनम-63, नेहा-6, वी रिशिनामुर्ती-5, बबीता-30, अमिता-5, शुभलक्ष्मी-9 व एपी दास ने 9 रनों का सहयोग किया। जवाब में उतरी यूपी की टीम 95 रन पर सिमट गई। एकता-2, प्रिती-2, डीबी शर्मा-22, एसजे शर्मा-22, चौधरी ने 29 रन जुटाए। शुभलक्ष्मी, दास, गौहर ने 1-1 जबकि नीतू ने 2 विकेट लिया।

### लखनऊ की टेटे में हार

**लखनऊ।** ओएनजीसी एचबी लखटकिया मेमोरियल 59वीं स्टेट टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में मुरादाबाद-बरेली जोन ने लखनऊ-फैजाबाद जोन को 3-0 से व मेरठ-आगरा जोन ने वाराणसी-गोरखपुर जोन को 3-0 से हराकर बालकों फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बीके शुक्ला ने किया। वहीं सब जूनियर बालिका टीम चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में कानपुर -इलाहाबाद जोन ने वाराणसी-गोरखपुर जोन को 3-0 से हराकर खिताबी टिकट पाया।

## हरिका हारकर बाहर

**खांती मेनसिस्क।** ग्रैंडमास्टर डी हरिका करो या मरो के मुकाबले में यहां बुल्गारिया की पूर्व विश्व चैम्पियन एनटोएनेटा स्टेफानोवा के खिलाफ दूसरी बाजी ड्रा खेलने के बाद सेमीफाइनल में 0.5.1.5 की शिकस्त के साथ विश्व महिला शतरंज चैम्पियनशिप से बाहर हो गई। पहली बाजी में शिकस्त के बाद हरिका को हर हाल में जीत दर्ज करनी थी लेकिन वह शुरू से ही दबाव में दिखी और स्टेफानोवा के खिलाफ उन्हें ड्रा खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह हरिका का विश्व चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछली चैम्पियनशिप में वह क्वार्टर फाइनल में हार गई थी। हरिका को सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए 16000 डालर और कुछ अहम रेटिंग अंक मिले। चीन की जू वेनजुन और उक्रेन की अन्ना उशेनिना के बीच सेमीफाइनल की दूसरी बाजी भी ड्रा रही जिससे इसके विजेता का फैसला टाईब्रेकर से होगा।

# साझेदारियों पर चर्चा के लिए भारत आएंगी शर्मन

एजेंसी। वाशिंगटन

**अमेरिका** की कूटनीतिज्ञ वैंडी शर्मन भारत के विदेश मंत्री और विदेश सचिव से द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मसलों पर बातचीत के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय में राजनीतिक मामलों की सहायक मंत्री वैंडी शर्मन 24 नवंबर से शुरू होने वाली अपनी यात्रा में भारत के अलावा दो अन्य मध्य एशियाई गणतंत्रों यानी कजाकिस्तान और किरगिज भी जाएंगी। उनकी यात्रा की निश्चित तिथि की घोषणा अभी विदेश मंत्रालय ने नहीं की है।

नई दिल्ली में शर्मन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारियों पर चर्चा के लिए भारतीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और विदेश सचिव रंजन मथाई के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों और नागरिक समाज के सदस्यों से मिलेंगी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, विदेश सचिव रंजन मथाई और अन्य भारतीय अधिकारियों के साथ बैठकों में वह क्षेत्रीय मामलों में सहयोग, आतंकवाद रोधी प्रयासों में सहयोग और सुरक्षा व आर्थिक संबंधों को मजबूत करने समेत अन्य द्विपक्षीय चिंताओं के मसलों पर विचार-विमर्श करेंगी। कजाकिस्तान के अस्ताना में शर्मन यूरेशियन विश्वविद्यालय में नए रेशम मार्ग के लिए

## खुर्शीद और मथाई से मिलकर द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मसलों पर होगी बातचीत

अमेरिकी समर्थन के विषय पर अपना भाषण देंगी। इसके साथ ही वह कजाकिस्तान के साथ अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और लोकतंत्र के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए वहां के अधिकारियों से भी मिलेंगी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की घोषणा के अनुसार, किरगिज गणतंत्र के बिशकेक में शर्मन सरकारी अधिकारियों और सांसदों के अलावा नागरिक समाज के समूहों से भी मिलेंगी जिनका लक्ष्य लोकतंत्र और बेहतर प्रशासन है।

## नए पोप के लिए चयन मंडल में छह नए कार्डिनल

**वेटिक।** अगले पोप के चयन के लिए गिरिजाघर के विशिष्ट चयन मंडल में एक भारतीय सहित छह नए कार्डिनल्स शामिल हो रहे हैं जिससे यूरोपीय दबदबे वाले 'कॉलेज ऑफ कार्डिनल' में भौगोलिक रूप से कहीं अधिक विविधता आएगी। पादरियों का चयन मंडल (कॉलेज ऑफ कार्डिनल) नए कैथोलिक पोप को चुनता है। पोप बेनेडिक्ट 16वें इन सभी को शनिवार को एक समारोह में लाल टोपी और सोने की अंगूठी प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि बेनेडिक्ट ने पिछले महीने कहा था कि छह नए कार्डिनलों से यह जाहिर होता है कि गिरिजाघर सभी लोगों का है और यह सभी भाषाओं के लोगों के लिए है। यह किसी एक महाद्वीप का गिरिजाघर नहीं है बल्कि सार्वभौम है।

## गाजा में स्कूल जाने लगे बच्चे

गाजा सिटी। इस्राइल और हमास के बीच आठ दिनों तक चली सीमा पार लड़ाई के शांत होने के बाद गाजा पट्टी में बच्चे स्कूल जाने लगे हैं। इस्राइल ने गाजा में हमास से जुड़े लक्ष्यों पर 1500 हवाई हमले किए। हमास ने भी इस्राइल पर कई रॉकेट दागे। गाजा स्थित फलस्तीन मानवाधिकार केन्द्र ने कहा कि इस्राइली हमलों में 33 बच्चों एवं 18 साल के कम उम्र के किशोरों सहित कुल 156 फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा से दागे गए रॉकेटों में छह इस्राइलियों की जान गई। समूह का कहना है कि गाजा में 1000 से अधिक घायलों में ज्यादातर नागरिक हैं। दर्जनों इस्राइली भी घायल हो गए। गाजा में स्कूल आज से फिर खुले। संयु सहायता एजेंसी के प्रवक्ता अदनान अबु हसन ने कहा कि संयु द्वारा संचालित 245 स्कूलों में हजारों छात्रों स्कूल में लड़ाई के अपने अनुभवों के बारे में चर्चा करते रहे।

# सविता मामले में नहीं लिया गया सार्वजनिक जांच का फैसला

एजेंसी। लंदन

**आयरलैंड** ने भारतीय दंतचिकित्सक सविता हलप्पनवार की मौत की सार्वजनिक जांच करने का फिलहाल खंडन नहीं किया है। वहां के एक अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा यह कहते हुए गर्भपात करने से मना करने पर सविता की मौत हो गई थी कि इस देश में इसकी अनुमति नहीं है।

आयरिश टाइम्स की खबर के अनुसार आयरलैंड की सरकार में दूसरे नंबर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी एमॉन गिलमोने ने कहा कि गर्भपात के बाद 31 वर्षीय चिकित्सक की मौत के कारणों की गहराई से जांच पड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं किसी बात का खंडन नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि उनका यह बयान स्वास्थ्य सूचना एवं गुणवत्ता प्राधिकरण की ओर से मामला संज्ञान में लेने के बाद एक अन्य जांच की आदेश के बाद आया है। आयरलैंड के स्वास्थ्य मंत्री जेम्स रेली इस मामले की खुली जांच की लगातार मांग पर गौर कर रहे हैं। उन्होंने सविता हलप्पनवार की पति प्रवीण हलप्पनवार और उनके वकील ओ, डोनेल के साथ कल 25 मिनट की मुलाकात की। प्रवीण के वकील ओ डोनेल ने मुलाकात को सकारात्मक बताया। रेली ने अपनी और सरकार की ओर से प्रवीण के प्रति संवेदना और दुख व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि गालवे अस्पताल में 17 सप्ताह के गर्भपात एवं सेप्टिसीमिया के कारण 28 अक्तूबर को सविता की मौत हो गई थी। सविता के पति ने कहा कि भ्रूण के दिल में

धड़कन सुनाई देने के बाद चिकित्सकों ने उसका गर्भपात करने से मना कर दिया था। हेल्थ सर्विस एक्जक्यूटिव से जांच में पक्षपात की संभावना के कारण प्रवीण उसकी मौत की सार्वजनिक जांच चाहते हैं। स्वास्थ्य मंत्री रेली से मुलाकात के बाद सार्वजनिक जांच के मांग की संभावना के बारे में पूछने पर वकील ओ डेनल ने कहा कि उन्होंने ने दुख व्यक्त करते हुए इसकी जांच के बारे में यथासंभव मदद देने का आश्वासन दिया है और इसके नतीजे पर पहुचने की उम्मीद जताई है। प्रवीण ने सार्वजनिक जांच कराने की मांग रखने की है, ताकि निष्पक्षता के साथ जनता के सामने सच आ सके। मुझे लगता है कि हमने जो भी कहा है उस पर वे (रेली) गौर कर रहे हैं।

# सईद ने कसाब के लिए 'नमाज-ए-जनाजा' पढ़ी

एजेंसी। इस्लामाबाद

**मुंबई** पर आतंकवादी हमले में गिरफ्तार एकमात्र आतंकवादी अजमल कसाब के 'नमाज-ए-जनाजा' में लश्कर-ए-तय्यबा के संस्थापक हाफिज मोहम्मद सईद के नेतृत्व में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। गौरतलब है कि कसाब को इस हफ्ते की शुरूआत में फांसी दी गई थी। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि 2008 के मुंबई हमले के सरगना सईद ने लाहौर के निकट मुरीद के मुख्यालय में जमात-उद-दावा के दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के समापन पर कसाब के लिए 'गायबाना नमाज-ए-जनाजा' पढ़ी।

'डेली एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के अनुसार इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें यह नहीं बताया गया कि इसका आयोजन कब किया गया। 25 वर्षीय कसाब को गत बुधवार को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दी गई थी। वह लश्कर-ए-तय्यबा के 10 आतंकवादियों के उस समूह का हिस्सा था जिसने चार साल पहले मुंबई में तीन दिनों तक चले नरसंहार के दौरान 166 लोगों की हत्या की थी। पाकिस्तानी तालिबान ने कसाब की फांसी का बदला लेने के लिए

## लश्कर-ए-तय्यबा ने कसाब को हीरो बताया है, जो और अधिक आतंकवादी हमलों को प्रेरित करेगा

भारतीयों को निशाना बनाए जाने की धमकी दी है। लश्कर-ए-तय्यबा ने कसाब को हीरो बताया है, जो और अधिक आतंकवादी हमलों को प्रेरित करेगा।

कसाब को फांसी पर लटकाए जाने के कुछ ही समय बाद जमात-उद-दावा ने इस मुद्दे पर कोई भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया था। जमात-उद-दावा की मीडिया शाखा के एक सदस्य हबीबुल्ला सालफी ने कहा कि हमने कसाब को फांसी पर कोई भी वक्तव्य जारी नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि यह उचित नहीं है। जमात-उद-दावा का दावा है कि इसका लश्कर-ए-तय्यबा के साथ कोई संबंध नहीं है। मुंबई हमलों के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जमात-उद-दावा को प्रतिबंधित लश्कर-ए-तय्यबा का मुखौटा संगठन घोषित किया था। इससे पहले इस साल की शुरूआत में सईद के सिर पर एक करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया गया था।

फिर से मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने के बाद टोकियो में प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बातचीत करतीं जापान की गायिका और अभिनेत्री नोरिको साकई

# शिया जुलूस के पास हुए विस्फोट में सात लोगों की मौत

एजेंसी। इस्लामाबाद

**पाकिस्तान** के अशांत खैबर- पख्तुनख्वा प्रांत में डेरा इस्माइल खान जिले के बाहरी इलाके में स्थित एक इमामबाड़े से निकले शिया जुलूस को निशाना बनाकर सड़क किनारे रखे गए एक बम में विस्फोट से सात व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गए।

मुहर्रम के माह में बहुसंख्यक समुदाय पर हमले की यह ताजा घटना है। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस ने बताया कि बम को एक कूड़े के ढेर में छिपाया गया था। जुलूस शहर के मुख्य जुलूस में शामिल होने जा रहा था। विस्फोट में चार बच्चे सहित सात व्यक्तियों की मौत हो गई। घायलों में दो बच्चे और एक पुलिसकर्मी शामिल हैं जिन्हें पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बम तकरीबन 10 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और बाल बियरिंग से तैयार किया गया। टेलीविजन के दृश्यों में कई मकानों की दीवारों में बाल बियरिंग धंसी दिखाई दी। विस्फोट के तुरंत बाद अधिकारियों ने डेरा इस्माइल खान में सुरक्षा और कड़ी कर दी। जिले में सेना बुला ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में 4000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए

हैं। गृह मंत्री रहमान मलिक द्वारा किए गए व्यापक सुरक्षा इंतजामात के बावजूद यह विस्फोट हुआ। सुरक्षा उपायों में कराची लाहौर और क्वेटा समेत करीब 50 शहरों और कस्बों में मोबाइल फोन सेवा का निलंबन शामिल है। दुपहिया वाहन में दूसरी सवारी पर भी कई जगह प्रतिबंध है। क्वेटा में तो मोटरसाइकिल चलाने पर पूरा प्रतिबंध है। इस्लामाबाद में अधिकारियों ने शिया जुलूसों की निगरानी के लिए हेलीकाप्टरों का इस्तेमाल किया। गृह मंत्री मलिक ने आलोचना के बावजूद कल अधिकारियों को कराची और क्वेटा में मोबाइल फोन सेवा निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाल के आतंकवादी हमलों में 90 प्रतिशत में विस्फोट के लिए मोबाइल सिम का इस्तेमाल किया गया। मोबाइल और वायरलैस फोन सेवा आज 49 शहरों में निलंबित रही। रविवार को असुरा तक यह निलंबन जारी रहेगा। सन 680 ईसवी में इमाम हुसैन की शहादत पर शोक मनाने के लिए असुरा पर शिया समुदाय के लोग जुलूस निकालते हैं। सुरक्षा इंतजाम के बावजूद तालिबान ने हमलों को अंजाम दिया है। बृहस्पतिवार को रावलपिंडी में एक शिया जुलूस के दौरान हुए आत्मघाती हमले में 23 व्यक्ति मारे गए थे जबकि 60 से अधिक घायल हो गए थे।

केनीस में आयोजित पहले चॉकलेट समारोह में फैशन शो के दौरान चॉकलेट से बने परिधान को रैंप पर प्रस्तुत करतीं एक मॉडल

## चीन में दो स्थानों पर गैस से हुए विस्फोट में 32 लोगों की मौत, 47 घायल

**बीजिंग।** चीन में एक रेस्तरां सहित दो स्थानों पर गैस से हुए विस्फोट में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 47 अन्य घायल हो गए। चीन के दक्षिण पश्चिम गुइझोउ प्रांत में एक खान में गैस से विस्फोट होने पर 18 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य उसमें फंस गए। यह दुर्घटना कोयला बहुल लियपंशुई शहर के पेनीक्सीयन काउंटी स्थित शियांगशुई कोयला खान में हुई। प्रांतीय सरकार के मुताबिक दुर्घटना होने पर भूमिगत खान में मौजूद सभी 28 लोग उसमें फंस गए। दुर्घटना में 18 लोगों की मौत हो गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक पांच खनिकों को दुर्घटना स्थल से सुरक्षित निकाल लिया गया जबकि अन्य उसमें अभी तक फंसे हुए हैं। बचावकर्मी उनकी तलाश कर रहे हैं। वहीं, चीन के उत्तरी शांशी प्रांत में बीती रात एक अन्य दुर्घटना में 14 लोगों की मौत हो गई और 47 अन्य घायल हो गए। इस विस्फोट से जिनझोंग शहर के शौयांग काउंटी स्थित शियांगयांग हॉट पॉट रेस्तरां में आग लग गई। शुरूआती जांच के मुताबिक गैस लीक के चलते विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि दो मंजिला इमारत में स्थित रेस्तरां और करीब 20 मीटर दूर कुछ दुकानों की खिड़कियों के कांच टूट गए। कुछ दुकानों की लोहे के दरवाजे मुड़ गए।

# मुरसी के और अधिक शक्तिशाली बनने पर अमेरिका ने जताई चिंता

एजेंसी। वाशिंगटन

**मिस्र** के राष्ट्रपति मोहम्मद मुरसी के एक फरमान के जरिए खुद के लिए और अधिक शक्ति हासिल करने के निर्णय पर अमेरिका ने मिस्र के नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता व्यक्त की है।

मुरसी के इस निर्णय के कारण देश में विरोध प्रदर्शन का एक नया दौर शुरू हो गया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता विक्टोरिया नूलैंड ने कल एक बयान में कहा कि 22 नवंबर को लिए गए इस निर्णय और की गई घोषणाओं से कई मिस्र वासियों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि आंदोलन एक लक्ष्य था कि सत्ता किसी एक व्यक्ति या किसी एक संस्था के हाथ में केन्द्रित नहीं हो।

नूलैंड ने कहा कि मिस्र में वर्तमान संवैधानिक खालीपन को केवल एक संविधान को अपना कर ही पूरा किया जा सकता है। इस संविधान में नियंत्रण और संतुलन, मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान, व्यक्तिगत अधिकार और मिस्र के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ कानून का शासन शामिल हो।

मिस्र के राष्ट्रपति के निर्णय का विरोध करने के लिए एक स्पष्ट संदर्भ में नूलैंड ने कहा कि हम लोग शांति की अपील करते हैं और सभी पार्टियों को साथ मिल कर काम करने के लिए प्रेरित करते हैं और मिस्र के सभी नागरिकों से महत्वपूर्ण मुद्दों पर शांतिपूर्वक और लोकतांत्रिक वार्ता के जरिए अपने मतभेद भुला कर समाधान करने का आह्वान करते हैं।

## बेकहम के लड़के जल्दी ही मॉडल बनेंगे

**लंदन।** खबर है कि फुटबाल खिलाड़ी डेविड बेकहम के पुत्र ब्रूकलिन, रोमियो और क्रूज र्ड्सो के फैशन माडलिंग समूह गैप के साथ मॉडलिंग करने का समझौता कर रहे हैं। आनलाइन पत्रिका सन के मुताबिक अमेरिका का श्रृंखलाबद्ध समूह विक्टोरिया और डेविड के पुत्रों को अपना ब्रांड बनाना चाहता है। बेकहम के 13 वर्षीय पुत्र ब्रूकलिन और दस वर्षीय रोमयो एवं सात वर्षीय क्रूज की मॉडल बनने की बड़ी तमन्ना है। लेकिन उनकी फैशन डिजाइनर मां और फुटबॉलर पिता नहीं चाहते कि उनके बच्चे फैशन मॉडलिंग में अपना कैरियर बनाएं। पत्रिका में कहा गया है कि विक्टोरिया और डेविड का बड़ा लड़का ब्रूकलिन कैमरा के सामने आने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

# 'स्वस्थ दिल' के लिए प्रेम पत्र लिखने को बढ़ावा

**पुणे।** मोबाइल फोन और इंटरनेट के जमाने में प्रेमपत्र लिखना जरूर पुरानी चीजें हो गई हो लेकिन 'स्वस्थ दिल' के लिए नेचुरोपैथी के एक डॉक्टर ने एक प्रतिस्पर्धा के आयोजन का फैसला किया है। डॉ श्रीकांत मुंडाडा ने बताया कि गैर सरकारी संगठन 'हृदयमित्र' जनवरी 2013 में प्रेम पत्र लिखने के एक प्रतिस्पर्धा का आयोजन कर रहा है। इसकी शुरूआत 1985 में हुई थी। फर्गुसन कॉलेज में आयोजित इस प्रतिस्पर्धा में 16-60 आयु समूह के करीब 220 भागीदारों ने हिस्सा लिया था। अब यह 28वें साल में प्रवेश कर रहा है। पांच साल पर इसका आयोजन होता है। महाराष्ट्र में 'स्वस्थ्य हृदय' अभियान के लिए 52 वर्षीय मुंडाडा कई तरह के जागरूकता अभियान चला कर कमजोर तबके के दिल के मरीजों के उपचार में मदद करते हैं।

# आमिर खान करेंगे फिर से निर्देशन

एजेंसी। मुंबई

**'तारे** जमीन पर' को मिली भारी प्रशंसा से उत्साहित अभिनेता आमिर खान फिर से एक फिल्म का निर्देशन करना चाहते हैं। 2007 में रिलीज 'तारे जमीन पर' को दर्शकों और समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इससे पहले 47 वर्षीय अभिनेता ने अपने फिल्म निर्माता चाचा नासिर हुसैन के साथ 'मंजिल मंजिल' (1984) और 'जबर्दस्त' (1985) में सहायक निर्देशन के तौर पर काम भी किया था।

आमिर ने कहा कि मैंने एक कहानी चुनी है और उम्मीद है कि इसका निर्देशन करूंगा। लेकिन फिलहाल मैं अभिनेता हूं और इसके साथ एक टीवी शो 'सत्यमेव जयते सीजन-2' कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि कहानी की पटकथा कोई अन्य व्यक्ति लिखेगा। मैंने लेखक को बता दिया है कि अभी इस फिल्म के निर्देशन में कुछ समय लगेगा। मुझे नहीं मालूम कि इसका निर्देशन कब होगा। मेरे हाथ में इस समय 'पीके' 'धूम-3 ' और 'सत्यमेव जयते-2 ' का काम है। हालांकि मैं इसका निर्माता बनने के लिए तैयार हूं। आमिर ने कहा, कि वह महाभारत से काफी प्रभावित हैं और इसके एक हिस्से को बड़े पर्दे में उतारना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक इच्छा है। यह बड़ी परियोजना है और मेरे लिए सपने की तरह है। मान लीजिए कि आज मैंने इसे बनाने का निर्णय किया तो मुझे इसे पूरा करने में 20 साल लगेंगे। इसलिए इससे डरता हूं।

यदि मैंने कहा कि मैंने इसे बनाने का निर्णय किया है, तो इसके इसके शोध में ही पांच साल लग जाएंगे। तब कहीं आप काम करने के लायक होंगे। विषय वस्तु मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आमिर ने अपनी आने वाली फिल्म

तलाश की निर्देशक रीमा कगती के साथ मतभेद की अफवाहों के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जहां तक रीमा की बात है तो इस प्रकार की अफवाहें सच नहीं हैं। कई बार ऐसी खबरें गलत होती हैं, जैसे लगान के बारे में कहा गया था। अक्सर फिल्म के रिलीज होने के समय इस प्रकार की खबरें उछाली जाती हैं कि मैं इस फिल्म से खुश नहीं हूं। यदि मैं हर प्रकार की अफवाहों की व्याख्या करने लगूं जो मुझे काम बंद करना पड़ेगा। इसलिए मैंने यह निर्णय किया है कि फिल्म इसके बारे में खुद बता देंगे।

## स्टीफन फ्राई अस्थमा से पीड़ित

**लंदन।** अभिनेता स्टीफन फ्राई को अस्थमा का हल्का दौरा आने से उन्हें बीच में ही प्रेस स्क्रीनिंग छोड़कर जाना पड़ा। समारोह के दौरान 55 वर्षीय ब्रिटिश हास्य अभिनेता को सांस में तकलीफ महसूस होने लगी और उन्होंने आसपास मौजूद लोगों से सहायता मांगी। विल्डे और फ्राई तथा लॉरी फिल्म से मशहूर हुए फ्राई ने बाद में ट्विटर पर बताया कि अब वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। फ्राई ने कहा कि स्क्रीनिंग के समय अस्थमा का हल्का दौरा आया। उटकर पूछा कि क्या किसी के पास इनहेलर है। कई लोगों ने हाथ उठाया। बच गया। अभिनेता को अंतिम बार शेरलॉक होम्स : ए गेम ऑफ शैडोज में देखा गया।

## केइरा को पसंद है नकारात्मक रोल

**लंदन।** अभिनेत्री केइरा नाइटली नकारात्मक किरदार की भूमिकाएं फिल्मों में निभाना पसंद करती हैं क्योंकि उन्हें यह चुनौतीपूर्ण लगता है। शो- बिज स्पार्ड के मुताबिक 'ए डैंजरस मैथेड' और 'कन्ना केरेनिना' जैसी कुछ फिल्मों में नकारात्मक किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा कि वह हमेशा से चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने रोमांटिक कॉमेडी वाले किरदार भी किए हैं, वह भी कुछ चुनौतीपूर्ण थे, । इस समय मैं जैक रेचान की हॉलीवुड थ्रिलर फिल्म कर रही हूं। नाइटली ने कहा कि खुद को देखकर घमंड नहीं करना बहुत मुश्किल होता है। भगवान का शुक्रिया, मैं ऐसा नहीं करती। आखिरकार आप सभी की राय नहीं सुन सकती अन्यथा आप भ्रमित हो जाएंगी।

# हर फिल्म से पहले चिंतित रहती हैं नाओमी वाट्स

**लंदन।** 'किंग कांग' की स्टार नाओमी वाट्स का कहना है कि वह अपनी हर फिल्म से पहले चिंतित रहती हैं और कैमरा शुरू होने से पहले सेट से भाग जाने की कोशिश करती है। डेली एक्सप्रेस के अनुसार, फिल्मों की दुनिया में दो दशक से ज्यादा समय बिता चुकी 44 वर्षीय अभिनेत्री का कहना है कि उसे हमेशा यह डर लगता है कि वह अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभा पाएगी इसलिए वह अपने कदम पीछे खींच लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैं अकसर मुख्य भूमिका में लिए जाने पर घबरा जाती हूं। उसे लेकर आशंका होने के कारण मैं उससे अलग होना चाहती हूं। आखिरी समय तक मैं चाहती हूं कि मेरी जगह किसी और को ले लिया जाए। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा निर्देशक को फोन करती हूं और कहती हूं कि मुझे नहीं लगता कि मैं यह भूमिका निभा पाऊंगी। इसके लिए किसी और को लिया जाना चाहिए। मैं खुद को जानती हूं। यह मेरी आदत है और यही मेरा तरीका। वाट्स ने कहा कि दो फिल्मों ने उन्हें सबसे ज्यादा डराया। इनमें पहली है वर्ष 2001 में आई डेविड लिंच की थ्रिलर 'मलहोलैंड ड्राइव', जिससे उनके हॉलीवुड कैरियर की शुरूआत हुई और दूसरी '21 ग्राम्स', जिससे उन्हें ऑस्कर में नामांकन मिला।